सूर्योदय दि. 27-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

उर्फी जावेदकभी दिखती थीं ऐसी... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 207 नई दिल्ली, बुधवार 27 अक्टूबर-2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

लखीमपुर खीरी हत्याकांड : जांच में तेजी लाए सरकार : सुप्रीम कोर्ट

मेडिकल कॉलेज' की संकल्पना के आधार पर नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का यहां वर्चुअल उद्घाटन

नयी दिल्ली.ओपन सर्च।

उच्चतम न्यायालय ने लखीमपुर खीरी हत्याकांड मामले में उत्तर प्रदेश सरकार 'ढीले' रवैये पर मंगलवार को एक बार फिर कई सवाल खड़े किये तथा गवाहों को समुचित सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ जांच में तेजी लाने का आदेश दिया। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन की अध्यक्षता वाली पीठ ने गवाहों के बयान सीआरपीसी की धारा 164 के तहत कराने में तेजी लाने का आदेश सरकार को दिया। शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि सीआरपीसी की धारा 164 के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए यदि न्यायिक अधिकारी संबंधित क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है तो जिला न्यायाधीश नजदीकी इलाके के अन्य मजिस्ट्रेट के समक्ष 164 के तहत बयान दर्ज कराने की व्यवस्था कर सकते हैं। पीठ ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश देते हैं कि वह गवाहों के लिए समुचित सुरक्षा की व्यवस्था करें, हालांकि

शीर्ष अदालत ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि सीआरपीसी की धारा 164 के तहत गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए यदि न्यायिक अधिकारी संबंधित क्षेत्र में उपलब्ध नहीं है तो जिला न्यायाधीश नजदीकी इलाके के अन्य मजिस्ट्रेट के समक्ष 164 के तहत बयान दर्ज कराने की व्यवस्था कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने कहा कि सुरक्षा दी जा रही है। उच्चतम न्यायालय में इसी सुनवाई के दौरान घटना में मारे गए श्याम सुंदर की विधवा रूबी देवी की ओर से पेश वकील अरुण भारद्वाज ने इंसाफ देने की गुहार लगाई । उन्होंने कहा कि उन्हें धमकियां दी जा रही है हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं। श्याम पर किसानों को कुचलने के आरोप हैं। घटना के बाद हुई हिंसा में उसकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मारे गए पत्रकार के परिजनों की ओर से भी न्याय की मांग की गई। इस पर न्यायाधीश ने इस मामले में अलग से स्टेटस रिपोर्ट देने का आदेश सरकार को दिया दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस मामले में आज प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश किया। सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे ने पीठ को बताया कि कुल 68 गवाहों में 30 के बयान सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज कर लिए गए हैं। इनमें 23 चश्मदीद गवाह हैं। मुख्य न्यायाधीश ने सिर्फ 23 चश्मदीद की जानकारी पर हैरानी जताते हुए कहा कि हजारों की भीड़ में सिर्फ 23 चश्मीदीद गवाह है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में 03 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के एक कार्यक्रम के दौरान चार किसानों की कार से कुचलकर मृत्यु हो गई थी। और इसके बाद भड़की हिंसा में चार अन्य लोग मारे गए थे। उनमें कार ड्राइवर भी शामिल है। घटना में भारतीय जनता पार्टी के दो कार्यकर्ताओं की भी मृत्यु हो गई थी। मरने वालों में श्याम सुंदर और एक पत्रकार भी शामिल हैं। किसानों को कार से कुचलने के मामले में आरोपियों में शामिल केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पुत्र समेत कई आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एक-दूसरे से सीख कर बना सकते है देश की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर : मनीष सिसोदिया

महाराष्ट्र के राज्यमंत्री संजय बनसोडे ने कहा- दिल्ली के एजुकेशन मॉडल को पूरे महाराष्ट्र में अपनाएंगे

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार के राज्यमंत्री संजय बनसोडे ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ मंगलवार को दिल्ली सरकार के 2 स्कूलों कौटिल्य गवर्मेंट सर्वोदय बाल विद्यालय, चिराग एन्क्लेव ग्रेटर कैलाश व स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस कालका जी का दौरा किया। वहां उन्होंने बच्चों से बात कर बिज़नेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम के बारे में जाना। उन्होंने अपने विजिट के दौरान देशभक्ति करिकुलम और स्कूल ऑफ़ स्पेशलाइज्ड एजुकेशन के मॉडल को भी समझा। इस मौके पर श्री संजय बनसोडे ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों से मिलकर मैं बहुत प्रभावित हुआ हूँ। हम दिल्ली के एजुकेशन मॉडल को महाराष्ट्र में भी अपनाएंगे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली सरकार महाराष्ट्र सरकार की सहायता करने के लिए तैयार है।

इस तरह एक दूसरे से सीखकर व मिलकर काम करने से देश की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव लाया जा सकता है। श्री संजय बनसोडे ने कहा कि हमारे नेता शरद पवार ने मुझसे कहा कि दिल्ली जाकर वहां के सरकारी स्कूल देखों और दिल्ली के एजुकेशन मॉडल से सीख कर महाराष्ट्र में भी

महाराष्ट्र के राज्य मंत्री संजय बनसोडे ने किया दिल्ली के सरकारी स्कूलों का दौरा, दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले भविष्य के एंत्रप्रेन्योर से मिलकर 'बिज़नेस ब्लास्टर्स' प्रोग्राम को समझा

दिल्ली के तर्ज पर सरकारी स्कूलों का निर्माण करो। उन्होंने कहा कि आम आदमी के लिए 'आप सरकार' ने जो काम किया है वो वाकई में शानदार है। आज देश के सभी राज्यों को दिल्ली के एजुकेशन मॉडल को अपनाने की जरुरत है। दिल्ली का एजुकेशन मॉडल पूरे देश में लागू होना चाहिए। दिल्ली के स्कूल विजिट के दौरान श्री संजय बनसोडे ने दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए अपनी तरह के अनूठे स्कूल, स्कूल ऑफ़ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस के मॉडल को समझा। वे स्पेशलाइज्ड डोमेन आधारित इस स्कूल को मॉडल को देख कर काफी प्रभावित हुए और कहा कि बच्चों को वर्ल्डक्लास स्पेशलाइज्ड एजुकेशन देने की दिशा में दिल्ली सरकार शानदार काम कर रही है। उन्होंने एंत्रप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम के अंतर्गत दिल्ली सरकार के स्कूलों में शुरू किए गए बिज़नेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम के डिज़ाइन को भी समझा और सरकार द्वारा दिए गए सीडमनी से बच्चों ने जिन इंटरप्राइज की शुरुआत की है उसके बारे में प्रोजेक्ट में शामिल बच्चों से चर्चा की।

शाह ने पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली.ओपन सर्च

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज श्रीनगर में शहीद स्मारक जाकर पुलवामा हमले में शहीद हुए सुरक्षाबलों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शाह तीन दिन के दौरे पर शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे थे लेकिन अपने दौरे को आगे बढ़ाते हुए वह सोमवार की रात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सीआरपीएफ के कैंप में रुके और जवानों तथा अधिकारियों के अनुभव और कठिनाइयों के बारे में जानकारी ली । केंद्रीय गृहमत्री सुबह पुलवामा शहीद स्मारक पहुंचे और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनकी याद में पौधारोपण किया। श्री शाह ने ट्वीट कर कहा, पुलवामा के कायराना आतंकी हमले में शहीद हुए सी आर पी एफ के बहादुर जवानों को आज पुलवामा शहीद स्मारक पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। देश की रक्षा हेतु आपका समर्पण व सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के समूल नाश के हमारे संकल्प को और दृढ़ करता है। वीर बलिदानियों को कोटि-कोटि वंदन। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, ÷पुलवामा के शहीद स्मारक पर हमारे वीर बलिदानियों की स्मृति में पौधारोपण किया। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी 2019 को आतंकवादियों ने पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में बल के 45 जवान शहीद हो गए थे।

कश्मीरी युवाओं के साथ शाह की 'मन की बात' मेडिकल छात्रों की गिरफ्तारी से शुरू : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर.एजेंसी।

भारत और पाकिस्तान के बीच हुए टी-20 मैच में पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने वाले मेडिकल छात्रों के खिलाफ पुलिस की एफआईआर दर्ज किए जाने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि गृह मंत्री अमित शाह की कश्मीरी युवाओं संग मन की बात मेडिकल छात्रों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी के साथ हुई।

दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कश्मीर के दो जाने-माने कॉलेज के हॉस्टलों में मेडिकल स्टूडेंट्स को दुबई में आयोजित हुए टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत पर खुशी मनाते हुए दिखाया गया था, जिस पर प्रशासन ने कड़ा रूख अपनाते हुए इन छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। सुश्री मुफ्ती ने इस एफआईआर का जिक्र करते हुए कहा,

गृह मंत्री की कश्मीरी युवाओं संग मन की बात पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए मेडिकल छात्रों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी के साथ हुई ।

उन्होंने आगे कहा, यह समझने के बजाय कि आखिर शिक्षित युवाओं ने पाकिस्तान समर्थक बनने का रास्ता क्यों चुना है और अगर सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई कर रही है तो इससे उनमें आक्रोश और बढ़ेगा।' इस प्राथमिकी पर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सजाद लोन ने कहा कि दंडात्मक कार्रवाई से बात और बिगड़ेगी। . उन्होंने इन छात्रों को संस्थान से निलंबित करने संबंधी सुझावों पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि वह इनसे पूरी तरह से असहमत हैं। श्री लोन ने कहा, मैं पूरी तरह से असहमत हूं। अगर आपको लगता है कि दूसरी टीम को समर्थन देने की वजह से वे अब देशभक्त नहीं रहे हैं या देशभक्ति की राह से भटक गए हैं, तो आपको उन्हें वापस रास्ते पर लाने का साहस और विश्वास दिखाना चाहिए। दंडात्मक कार्रवाई से कुछ नहीं होगा और न ही पहले कभी हुआ है।.

उन्होंने कहा, हम कश्मीर में रहते हैं और हमें उन लोगों की विचारधारा को भी समझना होगा,जिनके विचार हमारे विपरीत हैं। हमें उन्हें अपनी विचारधारा की अच्छाइयों के बारे में बताना होगा और ऐसा तभी होगा, जब आप हमें ऐसा करने की इजाजत देंगे। श्री लोन ने अपने एक और ट्वीट में कहा, हम इसे भारत विरोधी या पाकिस्तान समर्थक के रूप में नहीं देखते हैं और न ही यह सोचते हैं कि इसे बदला नहीं जा सकता है। इसे ठीक किया जा सकता है। हमें ठीक करने दीजिए। यकीन मानिए। दंड दिए जाने से कुछ नहीं होने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट पेगासस जासूसी पर कल सुनाएगा फैसला

नयी दिल्ली.एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय इजराइल के पेगासस स्पायीवेयर सॉफ्टवेयर के जरिये कई विपक्षी नेताओं, पत्रकारों, आला अधिकारियों, वकीलों समेत प्रमुख लोगों के मोबाइल फोन 'हैक' कर उनकी जासूसी करने मामले में कल अपना फैसला सुनाएगा।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट के अनुसार यह मामला मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन और न्यायमूर्ति सूर्यकांत और हिमा कोहली की तीन सदस्यीय पीठ के समक्ष बुधवार (27 अक्टूबर) को फैसले के लिए सूचीबद्ध किया गया है।शीर्ष न्यायालय ने कथित तौर पर स्पायीवेयर के इस्तेमाल के इस मामले में स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका पर अंतिरम आदेश का अपना फैसला 13 सितंबर को सुरक्षित रख किया था। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की इस पीठ ने पूरे मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र

तकनीकी विशेषज्ञ कमेटी के गठन का संकेत दिया था। केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञों के पैनल के गठन का प्रस्ताव करते अदालत को आश्वस्त किया था कि वह उसके समक्ष विस्तृत जानकारी का खुलासा करेगा। लेकिन सरकार ने बाद में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला बताते हुए हलफनामा देने से इनकार कर दिया था। सरकार का कहना था कि देश की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा होने के कारण पेगासस स्पायीवेयर के इस्तेमाल करने या नहीं करने को लेकर इस प्रकार से बहस नहीं की जा सकती। इससे आतंकियों को लाभ मिल सकता है और वे अपने बचाव करने के लिए सर्तक हो सकते हैं।

बोली लगाने से पहले ही गणित कर लिया था : संजीव गोयनका

दुबई.एजेंसी

आरपीएसजी समूह के मालिक संजीव गोयनका ने आईपीएल 2022 संस्करण के लिए लखनऊ टीम का स्वामित्व हासिल करने के बाद कहा है कि उन्होंने बोली लगाने से पहले ही अपना गणित कर लिया था। संजीव ने बोली जीतने के बाद एक साक्षात्कार में लखनऊ और अहमदाबाद दोनों की बोली जीतने के बाद लखनऊ को ही चुने जाने के सवाल के जवाब में कहा, उत्तर प्रदेश में हमारा संचालन है। हम यहां बिजली वितरण करते हैं। उत्तरी राज्यों में हमारी बहुत बड़ी उपस्थिति है। इसके अलावा चंडीगढ़ के करीब हमारे पास बिजली वितरण अधिकार हैं, इसलिए उत्तर भारत हमारे लिए एक पृष्ठभूमि की तरह हो जाता है। उन्होंने बिजनेस मॉडल के बारे में सोचे जाने को लेकर कहा, ÷ यह बहुत सरल है। हमें बीसीसीआई से मिलने वाले और उसे चुकाने वाली राशि के बीच के अंतर का भुगतान करना है। हम 10 वर्षों में बीसीसीआई को सात हजार करोड़ रुपए में से केवल 3500 करोड़ रुपए का भुगतान करेंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि हमें बीसीसीआई से प्रसारण अधिकारों के लिए 3500 करोड़ रुपए मिलेंगे, जबकि अगले पांच वर्षों में और अधिक राशि मिलेगी, जिसकी वर्तमान नेट वेल्यू 2100 करोड़ है। इसका मतलब है कि हमें आईपीएल टीम 2100 करोड़ रुपए में मिली तो बताएं कि यह अच्छा है या नहीं। संजीव ने विशेषज्ञों द्वारा उनके नंबरों पर संदेह को लेकर कहा, मैंने आपको अपना गणित पहले ही बता दिया है। मुझे नहीं पता लोग क्या कहते हैं। हमारा भुगतान केवल 3500 करोड़ रुपए है।

प्रदेश के लिए इन लोगों ने कुछ किया होता तो प्रदेश का युवा पलायन करने को मजबूर नहीं होता

लखनऊ (एजेंसी) । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को भाजपा की तरफ से आयोजित सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन में सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय कल्याण सिंह को याद किया। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह का जन्म और पालन पोषण लोधी समाज में हुआ लेकिन वह धर्म और राष्ट्र के लिए जिये। योगी ने कहा कि बाबू जी के जीवन को देखकर यह कहा जा सकता है कि लोधी समाज धर्म और समाज के लिए लड़ने-जीने वाला है। इसी प्रकार अवंती बाई का नाम भी लिया जाता है। कल्याण सिंह ने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया। वह धर्म और राष्ट्र के लिए जिये। बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नाम कल्याण सिंह के नाम पर किया गया है। बहुत शीघ्र ही उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कोई आपराधिक मानसिकता के साथ काम करता है तो वह सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करता है। 2017 के पहले की सरकारों में उत्तर प्रदेश ने देखा है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति तबाह होता था। 2017 में बिगड़ी हुई व्यवस्था मिली थी। लोग पूछते थे कि कैसे होगा ? हम कहते थे स्वर्गीय बाबू जी ने यहां सरकार चलाकर नजीर पेश की है। उन्हीं के बताए रास्ते में हम भी कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने उसे पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कार्य अब हो रहा है, वह पहले की सरकारों में भी हो सकता था। कोरोना काल के दौरान केवल हमारी सरकार और उसके अलावा भाजपा और आरएसएस जैसे संगठन ही काम कर रहे थे। विपक्षी दल कहां सो गये थे। यह सभी लोग आइसोलेशन में चले गये थे। उत्तर प्रदेश की जनता 2022 के विधानसभा चुनाव में भी आइसोलेशन में भेज देगी। इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। सपा और बसपा को इसी प्रदेश ने सरकार चलाने, सेवा करने का अवसर दिया था। कोरोना काल में यह हाथ खड़ा कर लिये थे। दूसरे दिल्ली वाले हैं। उन्होंने कोरोना काल में यूपी वालों को भगा दिया था। आज जब चुनाव आ रहा है तो यूपी वाले याद आ रहे हैं। यह फ्री देंगे, वह फ्री देंगे, की बात कर रहे हैं। पहले भगवान राम को स्वीकारने को तैयार नहीं थे। उनके अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर रहे थे। आज वह भगवान राम का दर्शन करने के लिए अयोध्या जा रहे हैं। अच्छी बात है। भगवान राम की शरण में आना ही होगा। विपक्षी दलों का कोई भी नेता नहीं बचा होगा, जिसने स्वर्गीय बाबू जी (कल्याण सिंह) को कोसा नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में सरकारी नौकरी को गिरवी समझा जाता था। हमारी सरकार में पारदर्शी व्यवस्था के तहत नौकरी मिल रही है।

साढ़े चार लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी गयी है। पहले की सोच व्यक्तिगत थी, अपने परिवार तक थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश को अपना परिवार मानकर योजनाएं लाते हैं। पहले इफ्तार की पार्टी देने के लिए सरकारी दफ्तरों में होड़ लग जाती थी। होली, दिवाली, दशहरा जैसे पर्व आने पर कर्फ्यू लग जाता था। पहले के लोग हमें त्योहार नहीं मनाने देना चाहते थे। आज हम खुशी पूर्वक पर्व मना रहे हैं। योगी ने कहा कि सपा का विज्ञापन निकला था। मै आ रहा हूं। इसके बाद उक्त जिले में अपहरण हो गया। सपा के आने का मतलब यही है कि अपहरण, भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी का बढ़ जाना। 2012 में सपा की सरकार आने के साथ ही आतंकियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का काम किया गया। इसके उपरांत एक के बाद एक घटनाओं को उन लोगों ने अंजाम देना शुरू किया। 2013 में पश्चिम उत्तर प्रदेश दंगों की आग में जल रहा था।

लोग पलायन करने को मजबूर थे। उनकी मंशा को हमें समझना होगा। सभागार में बैठ लोगों की तरफ मुखातिब होकर योगी ने कहा कि आप लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मैंने इससे पहले इस सभागार को भरा हुआ नहीं देखा है। इस उत्साह को विधानसभा चुनाव तक बनाए रखना है। प्रदेश के लिए इन लोगों ने कुछ किया होता तो प्रदेश का युवा पलायन करने को मजबूर नहीं होता।

सपा के साथ राजभर की नजदीकी के बाद खतरे में भागीदारी संकल्प मोर्चा, ओवैसी व शिवपाल ने किया मऊ पंचायत से किनारा

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भागीदारी संकल्प मोर्चा की लम्बी उड़ान की योजना खतरे में है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के मऊ में 27 अक्टूबर को ओम प्रकाश राजभर की पार्टी के सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के गठन के 19 वर्ष पूरा होने के उपलक्ष्य में होने वाली महापंचायत में शामिल होंगे। अखिलेश यादव के मऊ की महापंचायत में शामिल होने के कार्यक्रम के बाद से राजभर के भागीदारी संकल्प मोर्चा के दो मजबूत स्तंभ शिवपाल सिंह यादव और असदुद्दीन ओवैसी ने किनारा कर लिया है। योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर ने नाराजगी के बाद मंत्रिमंडल से बाहर होने के फैसला किया। अपने चार विधायकों के साथ बाहर आने के बाद ओम प्रकाश राजभर ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के खिलाफ मुहिम छेड़ी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने ऑल इंडिया मजलिस-ए- इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम प्रमुख) असदउद्दीन ओवैसी, भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव के साथ मिलकर भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया। इस मोर्चा को वह भाजपा का भी बड़ा विकल्प बताते रहे। इसी बीच उनकी समाजवादी पार्टी के साथ नजदीकी बढ़ी और उन्होंने लखनऊ में अखिलेश यादव के साथ भेंट के बाद सपा को समर्थन देने की घोषणा की। इसके साथ ही 27 को मऊ में भागीदारी संकल्प मोर्चा की महापंचायत में

अखिलेश यादव को आमंत्रित किया। अखिलेश यादव के उनका निमंत्रण स्वीकार करने के साथ ही मऊ आने की सहमति देने पर राजभर के दो मजबूत स्तंभ बिदक गए हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआइएमआइएम) के अध्यक्ष असदउद्दीन ओवैसी तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव को ओम प्रकाश राजभर का अखिलेश के साथ आने का प्रयास भाया नहीं है। अखिलेश यादव से इनका छत्तीस 36 का आंकड़ा है। इसी कारण असदुद्दीन ओवैसी व शिवपाल यादव ने मऊ की महापंचायत से किनारा कर लिया है। ओवैसी ने 27 को अपना कार्यक्रम मुजफ्फरनगर में फाइनल कर लिया है तो शिवपाल सिंह यादव अपनी रथा यात्रा के साथ बरेली में रहेंगे। ओमप्रकाश राजभर ने भले ही उत्तर प्रदेश के विधानसभा यूपी चुनाव में उतरने के लिए दस दलों का भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया था, लेकिन अब यह खण्ड-खण्ड हो चुका है। शिवपाल यादव तथा असदुद्दीन ओवैसी तो अब लगभग किनारे हो गए हैं और भीम आर्मी के चन्द्रशेखर भी इनको लेकर गंभीर नही दिख रहे हैं। इन तीनों नेताओं का अखिलेश यादव के साथ आना फिलहाल तो संभव नहीं दिख रहा है। ओमप्रकाश राजभर ने 27 अक्टूबर 2022 को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का गठन किया और 2017 का विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़े थे। योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद वह कैबिनेट मंत्री भी बने थे। वह अधिक दिन पद पर नहीं रह सके और भाजपा के साथ उनका साथ टूट गया। उन्होंने भाजपा विरोधी दलों का मोर्चा तो बना लिया था, लेकिन उन्हें अच्छे से पता था कि बिना किसी बड़े दल के साथ आये उन्हें सीटें नहीं मिल सकती हैं।

गाजियाबाद टाइल्स एंड सेनेट्री एसोसिएशन ने दीपावली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया

ओपन सर्च ब्यूरो

गाजियाबाद। गाजियाबाद टाइल्स एंड सेनेट्री एसोसिएशन ने मंगलवार को एक वैंकट हाल में दीपावली मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया। इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि रविकांत गर्ग, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड, वाणिज्य कर/राज्य कर, उत्तर प्रदेश सरकार ने दीप प्रज्वलित कर प्रोग्राम का शुभारंभ किया। ततपश्चात श्री रविकांत गर्ग जी ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को इस कार्यक्रम में बारी बारी से पद की शपथ ग्रहण करवाई। एसोसिएशन के अध्यक्ष-अनिल कुमार गर्ग, उपाध्यक्ष गौरव गर्ग, महामंत्री अतुल जैन, कोषाध्यक्ष विनोद गोयल, मंत्री मनीष गोयल, कार्यकारिणी सदस्यगण मनीष गुप्ता, विवेक गर्ग, शोभित बंसल, विपिन मित्तल, तरुण शर्मा, विजेंद्र सिंह पद की शपथ लेने वालों में प्रमुख रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष अनिल गर्ग ने व्यापार मंडल के लोगों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि अतुल गर्ग, स्वास्थ्य राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश, दिनेश गोयल, चेयरमैन आरकेजीआईटी एवं एमएलसी, अनिल अग्रवाल, राज्यसभा सांसद एवं श्रीमती आशा शर्मा, महापौर गाजियाबाद समेत सभी विशिष्ट अतिथियों को अध्यक्ष श्री अनिल गर्ग जी ने सम्मानित किया। सभी अतिथियों ने प्रोग्राम में आए सभी व्यापारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस प्रोग्राम में काफी संख्या में व्यापारीगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आए सभी व्यापारी भाईयों को महामंत्री अतुल जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कानपुर एटीएस ने सियादह-राजधानी एक्सप्रेस से चार संदिग्धों को उठाया, पीडीडीयू जंक्शन से ले गई कानपुर

चंदौली (एजेंसी)। कानपुर एटीएस की टीम ने सोमवार की देर रात पीडीडीयू जंक्शन से नई दिल्ली-सियालदह राजधानी से चार संदिग्धों को उठाया। संदिग्ध ट्रेन के बी-1 कोच के बर्थ संख्या 25, 26, 27 व 28 पर सफर कर रहे थे। संदिग्धों के पास नई दिल्ली से सियालदह तक का ई-टिकट मिला है। कानपुर एटीएस ने सभी को हिरासत में ले लिया और पूछताछ के साथ ही कड़ियों को जोड़ने के लिए सभी को कानपुर ले जाया गया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इस मामले में सभी की पहचान और वजह उजागर की जाएगी। स्थानीय पुलिस सूत्रों के अनुसार कानपुर से एटीएस की टीम को संदिग्धों के ट्रेन से सफर करने की सूचना मिलने के बाद से ही टीम ट्रेन की लोकेशन लेने के बाद पूछताछ कर उन तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। पीडीडीयं जंक्शन पर ट्रेन पहुंची तो टीम ने सक्रियता के साथ बी-1 कोच के बर्थ संख्या 25, 25, 27 और 28 पर यात्रा कर रहे चार लोगों को घेर लिया। पहचान पूछकर सभी को टीम अपने साथ कानपुर लेकर चली गई। इस दौरान स्थानीय पुलिस को अधिक जानकारी न देकर सभी संदिग्धों से पूछताछ करने की बात बताई गई है। हालांकि, विभागीय सूत्रों के अनुसार चारों पर गंभीर मामले से संबंधित होने का आरोप है। इस बाबत एटीएस पूर्व से ही जांच कर रही थी। एटीएस की टीम कानपुर से ही उनका पीछा कर रही थी। जैसे ही ट्रेन पीडीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची, तभी जवानों ने संदिग्धों को धर-दबोचा। उन्हें वाहन में बैठाकर सड़क मार्ग से कानपुर ले गई। एटीएस ने कुछ दिनों पहले कानपुर से आतंकी को पकड़ा था। उसकी निशानदेही पर लखनऊ से उसके साथी पकड़े गए थे। आतंकियों ने यूपी में बड़ी घटना की साजिश रची थी। जंक्शन से पकड़े गए संदिग्धों के तार उन आतंकियों से जुड़े हो सकते हैं। प्रारंभिक सूचना के अनुसार पकड़े गए चारों संदिग्ध का नाम बापी राज, पिंटू राज, मिथुन मंडल व रोनी पाल है।

लखनऊ में स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ेंगी बालगृह की बेटियां, दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 शुरू किया। इस मिशन के जरिए प्रधानमंत्री ने देश के सभी शहरों से स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए कचरा मुक्त भारत का आह्वान किया। मिशन से प्रेरित होकर लखनऊ के मोतीनगर स्थित राजकीय बालगृह बालिका में भी पहल की गई। एमरेन फाउंडेशन की ओर से मोतीनगर के राजकीय बालगृह बालिका में किचन वेट वेस्ट से खाद बनाने का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। साथ ही किचेन वेट वेस्ट से खाद बनाने वाले प्लांट के लिए 22 ड्रम का डोनेशन पांच फेज में करके उत्तर प्रदेश में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाएगी। एमरन फाउंडेशन की अध्यक्ष रेणुका टंडन ने बताया कि राष्ट्रीय महिला बाल गृह में उन्होंने एक आटा एवं मसाला चक्की देकर लड़कियों के कौशल विकास एवं जमीनी स्तर की महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का काम किया है। साथ ही आगे की पढ़ाई के लिए उत्सुक लड़कियों की मदद कर उनमें आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास के साथ जिम्मेदारी का बोध जगाने का भी प्रयास किया है। राजकीय बालगृह बालिका में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में लंग केयर फाउंडेशन की ओर से 24 वर्षों से प्रदूषण नियंत्रण में संलग्न सुविख्यात मेवालाल ने किचन वेस्ट से खाद बनाने की तकनीक बताई। रेणुका टंडन ने कहा कि इस पहल से हमें उम्मीद है कि यहां से निकलने वाला साल का 21,900 किलो किचेन वेस्ट के बाय प्रोडक्ट खाद से हम अपनी तरफ से पर्यावरण को सुरक्षित रखने में एक छोटी सी भूमिका निभाएंगे। आगे चलकर इस पहल को और विस्तारित करने की भी योजना है। इस मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक सर्वेश पांडेय, महिला एवं बाल गृह मोतीनगर की सहायक अधीक्षक सफलता, लंग केयर फाउंडेशन की टीम वंदना अग्रवाल आदि भी मौजूद रहे।

कुशीनगर एयरपोर्ट से पूर्वी उप्र के विकास को लगेंगे पंख

- सात साल में गोरखपुर और कुशीनगर से हवाई सेवा पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात

लखनऊ (एजेंसी) । कभी पिछड़े इलाके में शुमार रहे पूर्वांचल में बमुश्किल 50 किमी के फासले पर सात साल के अंदर दो -दो हवाई अड्डे से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की सौगात पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए किसी सपने के साकार होने से कम नहीं है। दोनों हवाई अड्डे विकास को नयी उड़ान तो देंगे ही साथ ही खराब मौसम में एक दूसरे का विकल्प भी बनेंगे। खराब मौसम में फ्लाइट कैंसिल होने की समस्या से यात्रियों को बहुत हद तक निजात मिलेगी।

हालांकि घने कोहरे में निर्बाध फ्लाइट के लिए दोनों हवाई अड्डे आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से गोरखपुर हवाई अड्डे पर अक्सर खराब मौसम की मार यात्रियों पर फ्लाइट कैंसिल होने के रूप में पड़ती है। ऐसी स्थिति में कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करीबी विकल्प मिलने से समय और पैसे, दोनों की बचत होगी। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निदेशक एके द्विवेदी का भी कहना है कि दो एयरपोर्ट करीब होने से फ्लाइट कैंसिल होने की स्थिति में हवाई अड्डे का विकल्प मिलेगा। उनका कहना है कि गोरखपुर हवाई अड्डे पर कम दृश्यता में भी निर्बाध लैंडिंग और टेकआफ की सुविधा के उपकरण लग चुके हैं। कुशीनगर एयरपोर्ट पर भी आने वाले समय में ऐसी व्यवस्था होने के बाद फ्लाइट कैंसिल की समस्या से बहुत हद तक निजात मिल सकेगी। पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा विदेशी पर्यटकों के साथ ही पश्चिमी बिहार, नेपाल सहित आसपास के लोगों को कुशीनगर से सीधी हवाई सेवा की

सुविधा उपलब्ध कराएगा। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली होने से कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की जरूरत दशकों से थी। कुशीनगर बौद्ध सर्किट का अहम पड़ाव होने से दुनिया भर के बौद्ध अनुयायी अपने जीवन में एक बार जरूर यहाँ आकर तथागत के दर्शन की इच्छा रखते हैं लेकिन सीधी उड़ान न होने से नहीं आ पाते थे। लिहाजा दशकों से तथागत की परिनिर्वाण स्थली पर हवाई सेवा का अभाव खटकता था।

हालांकि कसया में हवाई पट्टी अंग्रेजी हुकूमत में सामरिक और व्यापारिक जरूरतों के मद्देनजर द्वितीय विश्वयुद्ध (1942) के दौरान ही बनी थी लेकिन आजादी के दशकों बाद भी कसया की हवाई पट्टी को हवाई अड्डे में तब्दील करने कि किसी सरकार ने इच्छा शक्ति नहीं दिखायी। इतना ही नहीं गोरखपुर से हवाई सेवा भी 80 के दशक में बंद कर दी गयी। बतौर सांसद योगी आदित्यनाथ के मैराथन प्रयास से गोरखपुर में हवाई सेवा बहाल हुई और उन्हीं के अथक प्रयास से गोरखपुर हवाई अड्डे पर नया आधुनिक टर्मिनल भवन बना। मौजूदा दौर में कई शहर एयर कनेक्टिविटी से जुड़ते जा रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद से जुड़ चुका है। शीघ्र ही गोवा की फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों की राह और आसान हो जाएगी। गोरखपुर से अभी तक दिल्ली के लिए सर्वाधिक चार नियमित उड़ानें हैं, जिनमें यात्रियों की तादाद के आगे कभी कभी सीटें कम पड़ जाती हैं। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये-नये अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास का द्वार खोलेगा और पांच करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नये नये उद्योगों के रास्ते खुलेंगे।

एक नज़र

प्रियंका का ट्वीट, नौकरी के लिए खून से खत लिखने को मजबूर युवा

लखनऊ (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश में नजदीकी विधानसभा चुनाव देखते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सक्रिय हो गयी हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की हर छोटी- बड़ी समस्या का स्वयं संज्ञान लेती हैं। इस बीच देखा जा रहा है कि वह प्रदेश की भाजपा सरकार को लगातार घेरने का प्रयास कर रही हैं। वह चाहे बयान जारी कर उत्तर प्रदेश में किसी कार्यक्रम में जाकर या फिर ट्वीट के माध्यम से। इधर लगातार वह उत्तर प्रदेश से जुड़े विषयों पर ट्वीट कर रही हैं। सोमवार को प्रियंका ने ट्वीट कर उत्तर प्रदेश की जनता से वायदा किया कि अगर कांग्रेस की सरकार उत्तर प्रदेश में बनती है तो किसी भी बीमारी में 10 लाख तक का खर्च सरकार वहन करेगी। मंगलवार को युवाओं के मुद्दे पर प्रियंका ने ट्वीटर पर लिखा कि बड़े ही शर्म की बात है कि भाजपा सरकार उन्हें इस कदर प्रताड़ित करती है कि नौकरी मांगने के लिए वे खून से खत लिखने को मजबूर हैं। प्रियंका गांधी ने अभ्यर्थियों द्वारा मुख्यमंत्री को खून से लिखे पत्र को अपने ट्वीटर एकाउंट पर शेयर किया है। अभ्यर्थियों ने करीब एक लाख, 37 हजार, 500 रिक्त पदों को भरने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, तीन युवकों की मौत

आजमगढ़ (एजेंसी) । जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के दरियाबाद पुल के पास सोमवार की देर रात एक बाइक अनियंत्रित होकर ताड़ के पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मंगलवार की सुबह राहगीरों की सूचना पर घटना की जानकारी हुई तो पुलिस ने तीनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे। मृतक तीनों युवक मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले थे। एसपी सिटी पंकज पांडेय के अनुसार आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नेवादा मोहल्ला निवासी फैयाज अहमद के घर पर 28 अक्तूबर को शादी है। इसमें शामिल होने के लिए मऊ जिले के घोसी थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर निवासी कलीम आसिफऔर मदारपुर हुसैनपुर निवासी फैज सोमवार को सामान लेकर नेवादा आए थे। तीनों देर रात करीब 11 बजे एक ही बाइक पर सवार होकर घर के लिए निकले। अभी वे मुबारकपुर थाना क्षेत्र के दरियाबाद पुल के पास पहुंचे ही थे कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे ताड़ के पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये। देर रात और सुनसान स्थान पर हादसा होने से लोगों को जानकारी नहीं हो सकी। मंगलवार की सुबह राहगीर जब इधर से गुजरे तो इसकी सूचना स्थानीयों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट के लिए भेजा।

लखीमपुर खीरी: सीएमओ ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को जांचने और परखने के लिए मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने औचक निरीक्षण किया। मेडिकल वार्ड को देखा। इस दौरान उनके साथ प्रभारी सीएमएस डॉ. एसके मिश्रा, सीनियर फिजीशियन डॉ, आरएस मधौरिया, डॉ. आईके रामचंदानी, डॉ. राजकुमार मौजूद रहे। सीएमओ ने मेडिकल वार्ड में पहुंचने के बाद उन्होंने वहां भर्ती मरीजों से एक-एक कर उनका हालचाल जाना। सरकार से मिल रही दवाओं और स्टॉफद्वारा किए जा रहे व्यवहार की भी जानकारी ली। डॉक्टरों की विजिट के बारे में पूछा साफ-सफाई का भी हाल जाना। कुल मिलाकर सब कुछ संतोषजनक मिला, परंतु क्षमता से अधिक मरीज होने के चलते जो अवस्थाएं देखने को मिली उन्हें तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। मरीजों के अस्पताल में क्राउड को लेकर उचित व्यवस्था करने के लिए प्रभारी सीएमएस डॉ. एसके मिश्रा को निर्देश दिए। कहा कि ऐसी व्यवस्थाएं बनाई जाए जिससे मरीजों को बेहतर सेवाओं के साथ-साथ जिला अस्पताल में होने वाली अनावश्यक भीड़ को भी नियंत्रित किया जा सके। इसे लेकर उन्होंने सीनियर डॉक्टर्स के साथ सीएमएस चेंबर में एक बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल की सेवाओं को बेहतर करने के लिए जो भी मदद चाहिए वह हर हाल में की जाएगी।

बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के कारण दो लोगों की मौत, 14 घायल

बाराबंकी (उत्तर प्रदेश), 26 अक्टूबर (वेब वार्ता)। बाराबंकी जिले के देवा क्षेत्र में श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई तथा 14 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी सीमा यादव ने मंगलवार को बताया कि देवा में हाजी वारिस अली शाह के पिता कुर्बान अली की याद में इन दिनों देवा मेला चल रहा है। श्रद्धालुओं से भरी बस सोमवार रात मेले से वापस देवरिया जा रही थी और लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली मेला स्थल आ रही थी। इसी दौरान मेला स्थल से तीन किलोमीटर पहले देवा-बाराबंकी मार्ग पर इस्माइलपुर के पास दोनों वाहनों की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हादसे में घायल हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार लखनऊ के निगोहा थाना क्षेत्र के मस्तीपुर टिकर निवासी दयालु (50) और नगराम कस्बा निवासी सुभाष (40) की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सीमा ने बताया कि इस घटना में घायल 14 अन्य लोगों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

सुलतानपुर में युवक की पेड़ से लटकती मिली लाश

सुलतानपुर (एजेंसी) । जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के सदरपुर गांव में मंगलवार को एक युवक की लाश घर से कुछ दूरी पर पेड़ से लटकती हुई मिली। विकासखंड जयसिंहपुर कार्यालय के पीछे घर के बाहर मंगलवार को फरजान (22) की लाश एक पेड़ से लटकती हुई मिली है। सुबह जब लोगों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार यह हत्या है या आत्महत्या, इसकी गुत्थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सुलझ पाएगी। फिलहाल युवक की मौत से परिवार मे कोहराम मच गया है।

सीतापुर में विवाहिता की गला घोटकर हत्या, पुलिस ने गांव के युवक को हिरासत में लिया

सीतापुर (एजेंसी)। ससुराल से मायके आई विवाहिता मरणासन्न हालत में खेत में मिली। परिवारीजन उसे उपचार के लिए ले जा रहे थे, रास्ते में उसकी मौत हो गई। घर के सदस्यों ने पड़ोस गांव के एक युवक पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला महमूदाबाद इलाके का है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी बेटी का करीब डेढ़ वर्ष पहले किया था। कुछ दिन पूर्व विवाहिता अपने घर आई थी। परिवारीजन के मुताबिक, मंगलवार सुबह वह शौच के लिए गई थी। देर तक वापस न आने पर तलाश की, तो वह गांव के बाहर गन्ने के खेत में मरणासन्न हालत में मिली। परिवारीजन उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, रास्ते में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल की जांच-पड़ताल के बाद परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज किए। एएसपी दक्षिणी एनपी सिंह भी घटनास्थल पहुंचे। दुपट्टे से गला कसकर हत्याः युवती के परिवारजन ने पड़ोस गांव निवासी युवक पर दुपट्टे से गला कसकर हत्या करने की बात कही है। उनका कहना है कि मरणासन्न हालत में महली युवती के गले में दुपट्टा कसा था। परिवारीजन की तहरीर पर पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया है। पूछताछ की जा रही है।

एक नज़र

दिल्ली में बारिश ने 121 साल बाद बनाया नया रिकॉर्ड, 1901 के बाद इस साल हुई सर्वाधिक वर्षा

नई दिल्ली (एजेंसी) । राजधानी दिल्ली में इस साल अब तक 1,502.8 मिमी बारिश हो चुकी है जोकि एक वर्ष में दिल्ली में होने वाली बारिश का एक नया रिकॉर्ड है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राजधानी में 1933 में 1,420.3 मिमी वर्षा हुई थी, जोकि 1901-2021 की अवधि के दौरान एक साल में हुई सबसे अधिक वर्षा थी। राजधानी में 1933, 1964 और 1975 के बाद 121 वर्षों में यह चौथी बार है जब दिल्ली में 1,200 मिमी से अधिक वर्षा हुई है। सफ्दरजंग वेधशाला जिसे दिल्ली के मौसम संबंधी आधिकारिक आंकड़े मुहैया कराने वाला माना जाता है, उसने सोमवार शाम तक 1,502.8 मिमी बारिश दर्ज की है। एक अधिकारी ने कहा कि 1901 के बाद से राजधानी में यह दूसरी सबसे अधिक बारिश है जब से आईएमडी ने आंकड़े जुटाना शुरू किया था। दिल्ली में पिछले साल 773.2 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। निजी पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत ने कहा कि यह सिर्फ एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ की बात है। इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि दिल्ली में इस साल वार्षिक वर्षा का एक नया रिकॉर्ड देखने को मिलेगा। आम तौर पर सर्दियों के मौसम में हर महीने तीन से चार पश्चिमी विक्षोभ दर्ज किए जाते हैं, जिससे पहाड़ी क्षेत्र में बर्फबारी होती है और उत्तरी मैदानी इलाकों में बारिश होती है। आमतौर पर दिल्ली में मॉनसून के मौसम में 653.6 मिमी बारिश दर्ज की जाती है। पिछले साल राजधानी में 576.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। दिल्ली में 1975 में 1,155.6 मिमी, 1964 में 1,190.9 मिमी वर्षा दर्ज की थी, जबकि 1933 में अब तक की रिकॉर्ड 1,420.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। पिछले दो दशकों में यह तीसरी बार था जब दिल्ली में मॉनसून की बारिश ने 1,000 मिमी के निशान को पार किया। 2010 के मॉनसून सीजन में दिल्ली में 1,031.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। 2003 में राजधानी में 1,050 मिमी बारिश हुई थी। विशेष रूप से इस साल सितंबर महीना बारिश के मामले में भरपूर था। राजधानी में सितंबर महीने में 413.3 मिमी बारिश दर्ज की गई, सितंबर 1944 में दर्ज 417.3 मिमी वर्षा के बाद सबसे अधिक और 121 वर्षों में दूसरी सबसे अधिक बारिश हुई। इस साल सितंबर की बारिश पिछले साल की तुलना में काफी विपरीत रही है, जब शहर में सामान्य 129.8 मिमी के मुकाबले महीने में 20.9 मिमी वर्षा हुई थी। दिल्ली में मई महीने में सामान्य 19.7 मिमी के मुकाबले 144.8 मिमी अच्छी प्री-मॉनसून बारिश हुई। अक्टूबर में भी शहर में अब तक 122.5 मिमी बारिश हुई है। आमतौर पर इस महीने में औसतन केवल 28 मिमी वर्षा दर्ज की जाती है।

पश्चिम बंगाल पुलिस की ईडी अधिकारियों को जारी नोटिस खारिज करने संबंधी याचिका पर नवंबर में होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी) । दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस याचिका पर नवंबर में सुनवाई करेगा, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के नेता एवं सांसद अभिषेक बनर्जी की प्राथमिकी के आधार पर उसके अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा जारी दो नोटिस खारिज करने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना ने मामले को 12 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। सुनवाई की शुरुआत में निदेशालय की पैरवी कर रहे वकील अमित महाजन ने कहा कि अन्य संबंधित मामलों पर सुनवाई शुक्रवार को होनी है और इसलिए इस याचिका पर भी तभी सुनवाई की जाए, लेकिन अदालत ने कहा कि वह 12 नवंबर को मामले पर सुनवाई करेगी। निदेशालय ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल पुलिस कथित कोयला चोरी घोटाले की जांच को पटरी से उतारने के लिए बनर्जी के इशारे पर काम कर रही है। निदेशालय ने अभिषेक बनर्जी द्वारा अप्रैल में एक प्राथमिकी दर्ज कराये जाने के बाद एजेंसी के अधिकारियों के खिलाफ जारी दो नोटिस रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। तृणमूल सांसद की शिकायत पर पश्चिम बंगाल में स्थानीय पुलिस ने प्रतिष्ठा धूमिल करने और मानहानि के उद्देश्य से रिकार्ड के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने और जालसाजी को लेकर भारतीय दंड संहिता के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की थी। पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि याचिका विचार योग्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि निदेशालय पश्चिम बंगाल में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में राहत के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका कैसे दायर कर सकता है। निदेशालय ने दलील दी है कि प्राथमिकी के आधार पर 22 जुलाई और 21 अगस्त को जारी नोटिस पूरी तरह गैरकानूनी , दुर्भावनापूर्ण और कोयला चोरी घोटाले की जांच को पटरी से उतारने के लिए हैं। निदेशालय ने दो नोटिस और उसके बाद प्राथमिकी के संबंध में जारी किसी भी अन्य नोटिस को रद्द करने का निर्देश दिए जाने का अनुरोध किया और कहा कि यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है।

छठ पूजा: श्रद्धालुओं के टीकाकरण के लिए अभियान शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी) । केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दिवाली के बाद मनाए जाने वाले छठ पर्व के श्रद्धालुओं के टीकाकरण के उद्देश्य से मंगलवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली के बुराड़ी इलाके के इब्राहीमपुर गांव में एक विशेष अभियान की शुरुआत की। केंद्रीय मंत्री के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी भी थे। बाद में पुरी ने कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं और भोजपुरी में एक ट्वीट में ''छठी मैया'' से सभी के लिए आशीर्वाद मांगा। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने 30 सितंबर को अपने आदेश में नदी के तट, जलाशय और मंदिरों में छठ के आयोजन पर रोक लगा दी थी। बुधवार की बैठक के बाद डीडीएमए द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर उत्सव की अनुमति देने की उम्मीद है। उत्तर पूर्वी दिल्ली से सांसद तिवारी ने छठ के आयोजन पर प्रतिबंध का कड़ा विरोध किया था, उन्होंने मंगलवार को ''छठव्रतियों'' का टीकाकरण अभियान चलाने की घोषणा की थी ताकि त्योहार को सुरक्षित रूप से मनाया जा सके। अभियान के तहत पूरे शहर में 10,000 से अधिक लोगों को टीका लगाया जाना है। बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग दिवाली के बाद छठ पर्व मनाते हैं जिसमें छठव्रती घुटने तक पानी में उतरकर सूर्य देव को ''अर्घ्य'' देते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस महीने की शुरुआत में उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखकर दिल्ली में छठ पूजा के आयोजन की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

दिल्ली में नहीं खुलने दिया जाएगा शराब का नया ठेका: बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी) । रोहतास नगर विधानसभा क्षेत्र में नत्थू कॉलोनी चौक पर शराब की नई दुकान खोलने का विरोध करते हुए मंगलवार को महिलाओं ने झाड़ू, थाली और बेलन के साथ प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा कि दिल्ली सरकार इलाके के लोगों को पीने का पानी मुहैया नहीं करा पा रही और शराब की नई दुकानें खोल रही है।

महिलाओं ने संकल्प लिया कि वे शराब की दुकान नहीं खोलने देंगी। महिलाओं को दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी और कार्यक्रम के संयोजक क्षेत्र के भाजपा विधायक जितेंद्र महाजन, दिल्ली प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष श्रीमती योगिता सिंह ने संबोधित किया। बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में नई शराब की नीति के तहत दिल्ली सरकार ने राजधानी में शराब की नदियां बहाने का फैसला किया है। सरकार को इस बात से कोई सरोकार नहीं है कि इससे युवा पीढ़ी पर क्या असर पड़ेगा, महिलाओं की सुरक्षा कैसे खतरे में पड़ जाएगी या फिर कितने बच्चों के मुंह से दूध छीनकर लोग शराब पीने के आदी हो जाएंगे। इस सरकार को सिर्फ अपने खजाने से मतलब है। इसके लिए केजरीवाल सरकार किसी भी हद तक गिरने को तैयार है।

अब दिल्ली जल बोर्ड देगा घरेलू पानी के कनेक्शन : सत्येंद्र जैन

दिल्ली में बेहतर सरकार व नागरिक के बीच समन्वय के लिए बनेगी जल एवं सीवरेज कमेटी : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली.ओपन सर्च

दिल्ली के जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में दिल्ली सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस दौरान डीजेबी के अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने घरों में पानी के कनेक्शन से संबन्धित एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अब से सभी घरेलू पानी के कनेक्शन दिल्ली जल बोर्ड द्वारा ही जारी किए जाएंगे। इससे लोगों को बिचौलियों से निजात मिलेगी। इसके अलावा, जल मंत्री ने ओखला में 20 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) की क्षमता का एक आरओ प्लांट लगाने की परियोजना को मंजूरी दी। इस बैठक में दिल्ली सरकार और जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाने के लिए जल और सीवेज समिति गठित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। जल मंत्री ने रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम में दी जाने वाली वित्तीय सहायता के स्लैब में भी बदलाव करने के निर्देश दिए। इसके तहत अब सभी श्रेणियों को हटाकर केवल दो श्रेणियों को ही रखा गया है। यानी अब 500 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले घरों के लिए 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी और 500 वर्ग मीटर या इससे अधिक क्षेत्रफल वाले मकानों के लिए 50,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। दिल्ली सरकार 153 करोड़ रुपए की लागत से दिल्ली के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों को नए तरीके से विकसित करेगी। दिल्ली सरकार 3 साल की अवधि में सभी रिहायशी कॉलोनियों में सीवर लाइन डालने के लिए प्रतिबद्ध है। इस संबंध में संगम विहार में सीवर लाइन बिछाने के काम को मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा, शाहबाद की कॉलोनियों में, सारंगपुर, गालिबपुर, काजीपुर और खेरा डाबर की कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस कार्य को 2 साल के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

मंगलवार को दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। इसके तहत अब डीजेबी सभी उपभोक्ताओं को घरेलू पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराएगा। इसमें पानी की पाइप लाइन बिछाना और उपभोक्ता के घर तक मीटर लगाना शामिल है। इससे दूषित पानी की समस्या से निजात मिलेगी और अनाधिकृत कनेक्शन कम होंगे, जिसकी वजह से डीजेबी के नेटवर्क में काम करने वाले मीटरों की संख्या में वृद्धि होगी।

डीजेबी वर्तमान में 13,000 किलोमीटर से अधिक पानी की पाइपलाइन नेटवर्क का रखरखाव करता है। अब तक घर में पानी का कनेक्शन लगाने की जिम्मेदारी उपभोक्ता की ही थी। इस वजह से कई समस्या आती थी, जैसे पाइपलाइन के जोड़ों से पानी का रिसाव और पानी दूषित होना। नई नीति के अनुसार, डीजेबी अब मौजूदा कॉलोनियों में पुरानी पाइप लाइनों को ठीक करने के साथ-साथ आने वाली कॉलोनियों में मीटर के साथ पानी के नए कनेक्शन लगाएगा। इसके लिए डीजेबी ने ए, बी, सी श्रेणी के तहत कॉलोनियों के लिए 4000 रुपये की लागत को मंजूरी दी है। डी और ई श्रेणी के लिए 2000 रुपये और एफ, जी, एच श्रेणी की कॉलोनियों और गांवों के लिए 1,000 रुपये की फ्लैट दर को मंजूरी दी है। व्यवसायिक कनेक्शनों के लिए दर घरेलू श्रेणी से दोगुनी होगी अर्थात 8,000; 4,000 और 2,000 रुपये है। डीजेबी ओखला में 20 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) की क्षमता का एक आरओ प्लांट बनाने जा रहा है। बैठक में डीजेबी अध्यक्ष सत्येंद्र जैन ने इस परियोजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत रोजाना 20 एमजीडी पीने योग्य पानी का वितरण किया जाएगा, जो कि पाइप लाइन के द्वारा दिल्ली की जनता के घरों तक पहुंचाया जाएगा। इस आरओ प्लांट में पानी की आपूर्ति झीलों और भूजल से की जाएगी। जमीन से पानी सिर्फ उन इलाकों से निकाला जाएगा, जहां पानी का स्तर काफ़ी ऊपर है। इस परियोजना को मई 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से दिल्ली के 8-10 निर्वाचन क्षेत्रों को तत्काल राहत मिलेगी। इस परियोजना में निजी निवेशक निवेश करेंगे तथा आरओ प्लांट को 15 साल तक चलाएँगे। डीजेबी इन निवेशकों से स्वच्छ पेयजल खरीदेगा।

सीएम केजरीवाल ने किए रामलला के दर्शन, दिल्ली मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना में अब अयोध्या भी शामिल

नई दिल्ली.ओपन सर्च

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा की। इसके बाद उन्होंने राम जन्मभूमि में भगवान रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली की तीर्थ यात्रा में अयोध्या को भी शामिल किया जाएगा। अब दिल्ली के लोग राम जन्म भूमि अयोध्या के भी दर्शन कर सकेंगे। रामलला के दर्शन करने के बाद केजरीवाल ने पत्रकारों से कहा, आज मुझे भगवान के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। मैं चाहता हूं कि यह सौभाग्य हर भारतवासी को प्राप्त हो। मैं बहुत छोटा सा आदमी हूं लेकिन भगवान ने मुझे बहुत कुछ दिया। मेरे पास जो क्षमता और साधन है, उनका मैं यहां ज्यादा से ज्यादा लोगों को दर्शन कराने में इस्तेमाल करूंगा। दिल्ली के अंदर हमारी एक योजना है, मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना, इसमें हम दिल्ली वासियों को फ्री तीर्थयात्रा करवाते हैं। इसमें वैष्णो देवी, शिरडी महाराज, विष्णु जी, हरिद्वार व ऋषिकेश समेत कई तीर्थ स्थल शामिल हैं। कल दिल्ली में हमने एक मीटिंग रखी है उसमें हम अयोध्या को भी उस सूची में जोड़ देंगे। अब दिल्ली के लोग राम जन्म भूमि अयोध्या के भी दर्शन कर सकेंगे। इस योजना में लोगो का आना जाना, एसी ट्रेन से, होटल में रुकना, खाना पीना सब कुछ सरकार देती है, जनता कुछ नहीं देती है। यूपी में हमारी सरकार बनती है तो उत्तर प्रदेश वासियों को भी अयोध्या में राम जी के दर्शन कराने के लिए फ्री में अरेंजमेंट करेंगे। हमने लखीमपुर पीड़ितों को अंशदान दिया, लेकिन दान ऐसा होना चाहिए कि दायां हाथ दे तो बांये हाथ को पता न चले। मीडिया के सवाल के दौरान उनको विपक्ष द्वारा एक्सीडेंटल हिंदू कहे जाने के सवाल को उन्होंने हंसकर टाल दिया। उन्होंने कहा, उनको कहने दीजिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। भगवान के दरबार सबके लिए है। मैंने प्रभु से देश के लोगों के लिए सुख शांति मांगी है और प्रभु मुझे ताकत दे कि ज्यादा से ज्याद देशवासियों को यहां लाकर दर्शन करवा सकूं। केजरीवाल ने यूपी में पार्टी के चहरे के सवाल पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। मीडिया से बातचीत करने के बाद मुख्यमंत्री अयोध्या से रामलला के दर्शन के बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को हनुमानगढ़ी पहुंचे। जहां उन्होंने बजरंगबली का दर्शन और पूजन किया। इसके बाद वे रामलला के दर्शन के लिए रवाना हुए। जहां उन्होंने दर्शन पूजन के बाद अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानदास से मुलाकात की। अरविंद केजरीवाल दो दिन के यूपी दौरे पर हैं। वे रविवार को लखनऊ से सुलतानपुर आए थे। फिर वह अयोध्या पहुंचे।

निगम आयुक्त द्वारा सभी अधिकारियों को दिलायी गयी सत्यनिष्ठा की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी निगम द्वारा 26 अक्टूबर से 1 नवंबर तक स्वतंत्र भारत /75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ करते हुए आज निगम आयुक्त ज्ञानेश भारती ने सभी विभागाध्यक्षों व अधिकारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलायी गयी। साथ ही सभी विभागों में विभागाध्यक्षों के द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को भी सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गयी इसके अतिरिक्त कर्मचारी केन्द्रीय सतर्कता आयोग की वेबसाइट पर जाकर भी ई-शपथ ग्रहण कर सकते है सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है। दक्षिणी निगम द्वारा इस सप्ताह के दौरान सतर्कता से संबंधित विशेष कार्यक्रमों का आयोजन व अभियान चलाये जायेगा। अभियान के दौरान जनता को सतर्क रहने व भ्रष्टाचार से बचने के लिये जागरूक किया जायेगा। निगम मुख्यालय व जोन कार्यालय में भी भ्रष्टाचार के दुष्प्रणामों व कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के बारें में भी अवगत कराने के लिये विशेष अभियान चलाया जायेगा। भारत सरकार के पीआईडीपीआई रेजिल्यूशन(पब्लिक इंटरेस्ट डिस्क्लोजर एंड प्रोटेक्शन ऑफ इंफॉर्मर्स) के तहत शिकायतेंष् के बारे में जागरूकता फैलाने और अभियान चलाया जायेगा। सतर्कता विभाग की नीतियों व प्रक्रियों और निवारक सतर्कता उपायों के बारे कर्मचारियों के लिये कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा। दक्षिणी निगम की वेबसाइट पर सभी शिकायतों के निवारण की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। भ्रष्टाचार विरोधी मुद्दों पर कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन किया जायेगा। जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, बल्क एसएमएस/ई-मेल, व्हाट्सएप आदि का व्यापक उपयोग किया जायेगा। नागरिकों के लिये शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा साथ ही अन्य ठेकेदारों व संबंधित लोगों के लिये भी बैठक आयोजित की जायेगी। सतर्कता विभाग द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी संदेशों के प्रसार के लिये विभिन्न गतिविधियों का भी संचालन किया जायेगा और सतर्क भारत जो अखंडता के साथ आत्मनिर्भर की ओर आगे बढ़ रहा है इस संदेश को नागरिकों तक पहुंचाया जायेगा।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने 70 क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के लिए पीडब्ल्यूडी को पत्र लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी) । पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने की कवायद तेज कर दी है। इस दिशा में कार्य करते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा पूर्वी निगम क्षेत्राधिकार में लोक कल्याण विभाग की 70 क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करने के लिए लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखा है। पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा लोक कल्याण विभाग को लिखे पत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों का पूरा ब्यौरा दिया गया है। इस संबंध में प्रमुख अभियंता दिलीप रमनानी ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए गंभीरता से प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया वायु प्रदूषण में वृद्धि के लिए विभिन्न कारक जैसे विध्वंस अपशिष्ट, कचरे की खुली डंपिंग, कच्ची सड़कें, सड़कों में गड्ढे और सड़क की धूल आदि को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पूर्वी निगम अपने स्तर पर कार्य कर रहा है पर इसके लिए अर्न्तविभागीय सहयोग की आवश्यकता है जिससे बेहतर रूप से वायु प्रदूषण पर लगााम लगायी जा सकती है। प्रमुख अभियंता दिलीप रमनानी ने बताया कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा लोक कल्याण विभाग के क्षेत्राधिकार में आने वाली सड़कों का निरीक्षण किया गया और क्षतिग्रस्त हिस्सों को चिन्हित किया गया है। प्रमुख अभियंता ने बताया कि पत्र में लोक निर्माण विभाग को जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक करने का अनुरोध किया गया है ।

एनडीएमसी अध्यक्ष ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू करते हुए विभागाध्यक्षों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई

पालिका परिषद में ईमानदारी के साथ पारदर्शिता से भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए सेमिनार आयोजित किये जायेंगे

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली। सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के अध्यक्ष - श्री धर्मेंद्र ने सुबह सभी विभागों के प्रमुखों को भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और पारदर्शिता लाने के लिए सत्यनिष्ठा और ईमानदारी की शपथ अपने मुख्यालय-पालिका केंद्र नई दिल्ली में दिलाई। पालिका परिषद द्वारा एक लोक सेवक के रूप में सरकारी कामकाज और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व पर जोर देने के लिए 26 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रही है। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय स्वतंत्र भारत @ 75 : सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान पालिका परिषद अपने नागरिकों को नागरिक सेवाएं प्रदान करने के लिए ईमानदारी के साथ पारदर्शिता में सर्वोत्तम अनुप्रयोगों और तकनीकों पर अनुभव साझा करने के लिए सेमिनार आयोजित करेगी। इन सेमिनार में निदेशक - केंद्रीय सतर्कता आयोग और स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर्स भी शामिल होंगे और ये अपने व्याख्यान द्वारा अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुभव साझा करेंगे।

'कू' KooKiyaKya विज्ञापन अभियान के माध्यम से भाषाओं में स्व-अभिव्यक्ति को प्रेरित करता है

टी20 विश्व कप के शुरू होते ही पहली बार टीवीसी अभियान का अनावरण किया गया

ओपन सर्च.संवाददाता

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख बहु-भाषा माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'कू' ने लोगों को अपनी मातृभाषा में खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाने के लिए अपना पहला टेलीविज़न अभियान शुरू किया है। यह अभियान यूज़र्स की स्व-अभिव्यक्ति के लिए सोशल मीडिया का लाभ उठाने और अपनी पसंद की भाषा में अपने समुदायों से जुड़ने और जुड़ने की इच्छा की छवि है। टी 20 विश्व कप 2021 की शुरुआत में शुरू किया गया अभियान ओगिल्वी इंडिया द्वारा परिकल्पित शॉर्ट-फॉर्मेट की 20 सेकंड के विज्ञापनों की एक श्रृंखला है, जो टैगलाइन #KooKiyaKya के इर्द-गिर्द अपनी विचित्रता, विवेकपूर्ण और मज़ाक़ के माध्यम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। अपने दैनिक जीवन के बारे में बताते हुए दिलचस्प दृश्य, हल्के-फुल्के मज़ाक में लिप्त होकर और आकर्षक मुहावरों के द्वारा अपने दिल की सीधे बात 'कू' के ज़रिए उन्हें ऑनलाइन व्यक्त किया जा सकता है। विज्ञापन एक एकीकृत संदेश के इर्द-गिर्द बुने जाते हैं - अब दिल में जो भी हो, 'कू' पे कहो। यह अभियान इंटरनेट यूज़र्स के दिमाग को डिकोड करने और उनकी मूल भाषा में कंटेन्ट को डिजिटल रूप से साझा करने और उनकी इच्छा को समझने के लिए गहन शोध और बाजारी मानचित्रण का अनुसरण करता है। यह विज्ञापन प्रमुख खेल चैनलों पर लाइव हैं और टी20 विश्व कप मैचों के दौरान चलाए जाएंगे। 'कू' ऐप के सह-संस्थापक और सीईओ, प्रेमेय राधाकृष्ण ने कहा, 'कू' भाषा-आधारित माइक्रो-ब्लॉगिंग की दुनिया में एक खोज है। हम अपने मंच पर अपनी पसंद की भाषा में विचार साझा करने के लिए विभिन्न संस्कृतियों के लोगों को एक साथ लाते हैं। यह अभियान एक दिलचस्प अंतर्दृष्टि के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है जो आपकी मातृभाषा में व्यक्त करने की आवश्यकता को दर्शाता है। यह 'कू' को एक समावेशी मंच के रूप में स्व-अभिव्यक्ति के लिए एक मंच के रूप में स्थान देता है जो उन लोगों को आवाज़ देता है जिन्होंने पहले कभी भाषा-आधारित सोशल मीडिया का अनुभव नहीं किया है। टी20 विश्व कप 2021 अभी हो रहा है, ऐसे में यह सही समय है कि हम लोगों को एक-दूसरे से सार्थक रूप से जुड़ने में मदद करने के लिए अपने संदेश को प्रसारित करने के लिए एक प्रमुख चैनल के रूप में टेलीविजन का लाभ उठाएं। हमें विश्वास है कि यह अभियान हमारे ब्रांड रिकॉल को बढ़ाएगा, अपनाने में तेजी लाएगा और हमारे प्लेटफॉर्म को लोगों के डिजिटल जीवन का एक अभिन्न पहलू बनाने के लिए 'कू' की यात्रा में वास्तव में सार्थक भूमिका निभाएगा। 'कू' के सह-संस्थापक मयंक बिदावतका ने कहा, भारत में हर किसी की किसी न किसी बात को लेकर अपनी राय होती है। ये विचार और राय करीबी या सामाजिक मंडलियों तक सीमित हैं और बड़े पैमाने पर ऑफ़लाइन हैं। इन विचारों को लोगों की पसंदीदा भाषा में व्यक्त करने के लिए भारत के एक बड़े हिस्से को ऑनलाइन सार्वजनिक मंच नहीं दिया गया है। यह अभियान इसी के बारे में है - प्रत्येक भारतीय को अपनी मातृभाषा में अपने विचार साझा करना शुरू करने और 'कू' पर लाखों अन्य लोगों के साथ सार्थक तरीके से जुड़ने का निमंत्रण। अभियान वास्तविक जीवन की स्थितियों और बातचीत को दर्शाता है। 'कू' को बड़े पैमाने पर भारत के लिए बनाया गया है और हम ध्यान आकर्षित करने के लिए मशहूर हस्तियों का उपयोग करने की लहर में देने के बजाय अपने विज्ञापनों में वास्तविक लोगों को दिखाना चाहते थे। हम बड़े पैमाने पर भारत के साथ भाषा-आधारित विचार साझा करने के अपने मूल प्रस्ताव को लेकर बहुत उत्साहित हैं। ओगिल्वी इंडिया के हमारे भागीदारों ने इस अवधारणा को जीवंत करने का शानदार काम किया है! सुकेश नायक, चीफ क्रिएटिव ऑफिसर, ओगिल्वी इंडिया ने कहा, हमारा विचार जीवन से आया है। जब हम अपने दोस्तों या परिवार से अपनी भाषा में बात करते हैं तो हमें खुद को सबसे अच्छा व्यक्त कर पाते हैं। हमारा इरादा यह सुनिश्चित करना है कि जो कोई भी इन फिल्मों को देखता है तो वह तुरंत अपने जीवन से ऐसी कई घटनाओं के बारे में सोचे और 'कू' पर व्यापक दर्शकों के साथ इसे अपनी भाषा में व्यक्त करने में सहज महसूस करे ।

सम्पादकीय

ओपन सर्च

बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाना जरूरी

पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आजकल महंगाई सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है। एक तो कोरोना वायरस की मार, ऊपर से महंगाई बढ़ने की वजह से आम जनमानस आहत है। एक देश, एक ही कानून लागू किए जाने की सरकारें दुहाई देती हैं, मगर पेट्रोल, डीजल पर सरकारें जनता से दोहरा जीएसटी वसूल करके आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ रही हैं। भारत ही केवलमात्र ऐसा देश है जिसमें सरकार अपनी जनता से सबसे अत्यधिक टैक्स वसूल कर रही है। कच्चा तेल निर्यातक देशों में पेट्रोल, डीजल इतना महंगा नहीं बिक रहा जितनी इसकी कीमतों में आग भारत में लगी हुई है। पेट्रोल सौ रुपए प्रति लीटर का आंकड़ा भी पार कर चुका है। कहने को हिमाचल प्रदेश में अब इलेक्ट्रिकल वाहन चलाए जाने की सरकार घोषणा कर चुकी है। ऐसे में सरकार का राजस्व आखिर कैसे पूरा होगा, यह भी बड़ा सवाल है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में इलेक्ट्रिकल भारी वाहन चलाना दिन में आसमान से तारें तलाश करने के बराबर है। माना कि पेट्रोल, डीजल के कुएं अपने देश में नहीं। केंद्र और राज्य सरकारें चाहें तो पेट्रोल, डीजल के दामों में कुछ कटौती करके जनता को महंगाई की मार से थोड़ी राहत जरूर दिला सकती हैं। केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल पर भारी भरकम जीएसटी सहित राज्य सरकारें भी अलग से वसूल करती जा रही हैं। पेट्रोल, डीजल महंगे होने के कारण प्रत्येक वस्तु के दाम भी बढ़ जाते हैं जिसका खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ता है। आज खाद्य वस्तुओं, फल, सब्जियों, दवाइयों, बस किराया, बिजली बिल, सीमेंट, सरिया, रेत, बजरी, सोना और चांदी आदि तक के दामों में कई गुणा वृद्धि हो चुकी है। सरकारी राशन की दुकानों पर मिलने वाले राशन की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने उचित मूल्य की दुकानों में मिलने वाले खाद्यान्न पर अब सबसिडी बंद कर दी है। हिमाचल प्रदेश की जय राम ठाकुर सरकार कई बार केंद्र सरकार से यह सबसिडी यथावत रखने की गुहार लगा चुकी है, मगर हिमाचली धामों की प्रशंसा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहाड़ की मांग को अस्वीकार कर रखा है। नतीजतन प्रदेश सरकार सिर्फ अपने बलबूते पर प्रदेश की जनता को सस्ता राशन उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रही है। प्रदेश में बढ़ती राशन कार्डों की संख्या के कारण अब इस राशन की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। प्रदेश में 19 लाख 26 हजार 192 उपभोक्ताओं को राशन के डिपो में दालें खरीदने के लिए अब जेब ढीली करनी पड़ेगी। दीपावली पर्व पर इस बार भी पांच सौ ग्राम अतिरिक्त चीनी का कोटा सरकार ने बढ़ाया है। इसके बावजूद डिपो में मलका 67 से 82, मुंगी 53 से 67, रिफाइंड तेल 104 से अब 117 रुपए कीमत कर दी गई है। सरसों तेल की बोतल करीब दो सौ रुपए तक पहुंच चुकी है। सब्जियों और फलों के दामों में बेतहाशा वृद्धि होने के कारण आम आदमी आखिर किस तरह जीवन यापन करे, यह बहुत बड़ी समस्या है। त्योहारों का सीजन देखते हुए सरकार ने मेवे के दामों में कुछेक कटौती जरूर की है। आम आदमी अपनी रोजमर्रा की जरूरतें बड़ी मुश्किल से निर्वहन कर पा रहा है, ऐसे में मेवा खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं है। गृहिणियों को धुएं से राहत दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने उन्हें उज्ज्वला गृहिणी योजना के तहत मुफ्त में सिलेंडर बांटे थे। आज गनीमत यह कि एक गैस सिलेंडर भरने की कीमत एक हजार रुपए से भी अधिक है। ऐसे में महिलाओं के लिए गैस सिलेंडर भरवाना अब बहुत मुश्किल काम बन चुका है। नतीजतन महिलाएं अपने आपको ठगा सा महसूस करने लग पड़ी हैं। सरकार ने महिलाओं को सदैव गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किए जाने को लेकर ही उन्हें वे वितरित किए थे। मगर महिलाओं ने कभी सपने में नहीं सोचा था कि गैस सिलेंडर के दामों में अचानक कई गुणा वृद्धि होने के कारण उन्हें फिर से अन्य ईंधनों को अपनाना पड़ेगा। सन् 2014 से पूर्व गैस का सिलेंडर करीब चार सौ रुपए में खरीदने पर अच्छी सबसिडी भी बैंक खाते में जमा हो जाती थी। आज गैस सिलेंडर के दाम कई गुणा बढ़ चुके हैं और सबसिडी के नाम पर उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं सिर्फ चंद रुपए। सरकारों द्वारा जनता को कृषि से विमुख किए जाने की कोशिश की गई है।

> **भारत ही केवलमात्र ऐसा देश है जिसमें सरकार अपनी जनता से सबसे अत्यधिक टैक्स वसूल कर रही है। कच्चा तेल निर्यातक देशों में पेट्रोल, डीजल इतना महंगा नहीं बिक रहा जितनी इसकी कीमतों में आग भारत में लगी हुई है। पेट्रोल सौ रुपए प्रति लीटर का आंकड़ा भी पार कर चुका है। कहने को हिमाचल प्रदेश में अब इलेक्ट्रिकल वाहन चलाए जाने की सरकार घोषणा कर चुकी है।**

वैक्सिनेशन का शानदार पड़ाव

दूराकेश कुमार मिश्र

देश में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर चल रहे टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत 21 अक्टूबर को सौ करोड़ डोज लगाए जाने का कीर्तिमान स्थापित हुआ जिसके लिए सामान्य जनमानस के साथ-साथ अनेकों राष्ट्रों, प्रबुद्धजनों एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने भारत एवं भारतीय नेतृत्व की सराहना की। प्रधानमन्त्री मोदी ने इस मौके पर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुँचकर देश के वैज्ञानिकों एवं टीकाकरण अभियान में लगे डाक्टरों, नर्सों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ को बधाई दी और इस उपलब्धि को देश की जनता की जीत कहा।

इस अवसर पर देश की सौ स्मारकों को तिरंगे की रोशनी में सजाकर उत्सव का रूप भी दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित देश विदेश से बधाइयों का क्रम दिन भर जारी रहा। यह हकीकत में देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जिस तरह देश के वैज्ञानिकों ने एक वर्ष से भी कम समय में दो स्वदेशी वैक्सीन बनाकर कोरोना से लड़ाई में देश को मजबूती प्रदान की, उसी तरह देश के डाक्टरों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने नौ माह के भीतर ही सौ करोड़ डोज लगाकर भारत के टीकाकरण अभियान को विश्व का सबसे तेज टीकाकरण अभियान बना दिया। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी अबतक 65 प्रतिशत जनसंख्या को ही वैक्सीन की दोनों डोज दी जा सकी है, जिसकी जनसंख्या मात्र 33 करोड़ है। विश्व में अब तक लगी वैक्सीन की 700 करोड़ डोज में से भारत में लगभग 15 प्रतिशत डोज लगी हैं। देश की 18 वर्ष से अधिक उम्र की 94 करोड़ आबादी में 70 प्रतिशत को सिंगल डोज एवं 30 प्रतिशत को दोनों डोज दी जा चुकी हैं। ब्रिटेन एवं यूरोप के देश जिनकी जनसंख्या सात-आठ करोड़ है, वहाँ भी 75 प्रतिशत लोगों को ही दोनों डोज लगी है जिसका मतलब है 15 करोड़ डोज। देश में विपक्षी दलों का यह हाल है कि वो देश के गौरव के क्षणों में भी गौरवान्वित नहीं होते और न देश की किसी उपलब्धि पर इनके मुँह से एक शब्द निकलता है। मोदी सरकार के प्रति इनकी नफरत एवं विरोध का आलम यह है कि किसी बड़ी उपलब्धि के समय भी यह विरोधी नेता प्रशंसा के स्थान पर झूठे दुष्प्रचार एवं मनगढंत तर्क के द्वारा सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश जरूर करते हैं। ऐसा ही कांग्रेस एवं विपक्ष के नेताओं ने कल भी झूठे एवं मनगढ़ंत आरोप लगाकर किया। इन नेताओं ने अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के उदाहरण देकर यह दुष्प्रचार फैलाया कि भारत दोनों डोज लगाकर पूर्ण टीकाकरण के मामले में विश्व में 19 वें नंबर पर है तब सरकार किस उपलब्धि का जश्न मना रही है ? इन नेताओं को यह भी समझ नहीं आता कि यदि भारत की आबादी अमेरिका के बराबर होती तो अब तक भारत सभी को तीन डोज लगा चुका होता जबकि अमेरिका तो अभी तक दो तिहाई जनसंख्या का ही पूर्ण टीकाकरण कर सका है। यदि भारत की आबादी ब्रिटेन, इटली, फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों के बराबर होती तो भारत ने सौ करोड़ डोज लगाने का जो कीर्तिमान स्थापित किया है उससे यूरोप के 6-7 देशों का पूर्ण टीकाकरण हो सकता था। ब्राजील जैसा देश जो कोरोना संक्रमण से प्रभावित देशों में मृत्यु के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है, वह टीकाकरण के मामले में बहुत पीछे है जिसका प्रमुख कारण उसके पास अपनी वैक्सीन का न होना है। भारत, अमेरिका ने वैक्सीन उपलब्ध कराने में ब्राजील की मदद की परन्तु हर राष्ट्र की अपनी भी चुनौतियाँ एवं सीमाएं हैं।

कल्पना कीजिए कि यदि हमारे वैज्ञानिकों एवं डाक्टरों के अथक प्रयासों एवं मोदी जी के नेतृत्व एवं रचनात्मक सहयोग के अभाव में देश को एक नहीं दो स्वदेशी वैक्सीन न मिल पातीं तो केवल वयस्क आबादी के लिए 190 करोड़ डोज कौन उपलब्ध कराता ? भारत की दोनों वैक्सीन प्रभावी होने के साथ-साथ विदेशी वैक्सीन की तुलना में काफी सस्ती है और उनका रखरखाव एवं कोल्ड चेन की शर्तें भी देश की स्थिति के अनुकूल है। अमेरिका एवं ब्रिटेन की वैक्सीन की कोल्ड चेन का प्रबंध भी भारत के दूरदराज के इलाकों में सम्भव न होता क्योंकि उन्हें बहुत कम तापमान पर रखना पड़ता। कहने का अर्थ मात्र इतना है कि विपक्ष को आलोचना से पहले हकीकत पर भी गौर करना चाहिए और मोदी विरोध में देश विरोध की मानसिकता से बचना चाहिए।

ऐसा विपक्ष पहली बार नहीं कर रहा है। जब देश में वैक्सीन आयी तो इन्हीं विपक्ष के नेताओं ने वैक्सीन की सुरक्षा एवं उपादेयता पर भी तरह तरह के कुतर्क दिए जिसने वैक्सीन के प्रति जनता में संकोच एवं बचने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया विपक्षी नेताओं की जान को खतरा या नामर्दी जैसे हास्यास्पद एवं झूठे तर्क भी विपक्ष ने ही फैलाए जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि पहली दस करोड़ डोज लगाने में 85 दिन का समय लगा। जनवरी से प्रारम्भ टीकाकरण अभियान को गति जुलाई से ही मिल सकी जब सरकार के प्रयासों से काफी हद तक जनता को जागरूक करने में मदद मिली एवं दूसरी लहर के प्रकोप ने भी जनता को टीकाकरण से बचाव के लिए प्रेरित किया। आज देश में 12-13 दिनों में दस करोड़ टीके लग रहे हैं। उम्मीद की जा सकती है कि 31 दिसम्बर तक सबके टीकाकरण के लक्ष्य के काफी करीब हम पहुंच सकते हैं यदि यही गति बनी रहे। इसी तरह जब वैक्सीन केंद्र सरकार उपलब्ध करा रही थी तो दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे अनेक विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने यह मांग की कि राज्यों को भी सीधे वैक्सीन खरीद का अधिकार दिया जाय। जब महीने भर की माथापच्ची एवं मशक्कत के बाद भी कोई कंपनी राज्यों को सीधे एवं तत्काल वैक्सीन देने पर राजी नहीं हुई तो इन्हीं विपक्षी नेताओं ने पुनः केंद्र सरकार से पूर्व की व्यवस्था बहाल करने की गुजारिश की। यदि विपक्ष का रवैया इतना नकारात्मक न रहा होता तो हम सौ करोड़ के कीर्तिमान को महीने दो महीने पहले ही हासिल कर लेते। दूसरी लहर के प्रकोप ने भी टीकाकरण अभियान में अवरोध खड़ा किया क्योंकि पूरी मशीनरी का फोकस दवा, बेड आक्सीजन पर केंद्रित हो गया। विपक्ष की यह हमेशा आपत्ति रही है कि मोदी जी इवेंट में माहिर हैं। उनका कहना है कि अभी भी करोड़ों लोगों को वैक्सीन की एक डोज भी नहीं पाए और लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में अव्यवस्था एवं इलाज के अभाव में हो गई। ऐसे में बधाई एवं जश्न का क्या औचित्य है ? पहले सवाल का उत्तर यह है कि भारत का टीकाकरण अभियान विश्व में तीव्रतम गति से चला है। चीन के दावे को छोड़कर विश्व में कोई राष्ट्र सौ करोड़ डोज के आंकड़े के आसपास भी नहीं है। केवल अमेरिका ने ही अपनी आबादी 33 करोड़ के 65 प्रतिशत भाग का टीकाकरण किया है जो सौ करोड़ डोज से बहुत कम है। यह सत्य है कि दूसरी लहर इतनी प्रचण्ड थी कि बड़ी संख्या में लोग आक्सीजन एवं बेड की कमी एवं अव्यवस्था के कारण असमय काल कवलित हो गए परन्तु उस समय भी सरकार के अथक प्रयासों से महीने भर के भीतर ही स्थितियों पर काबू पा लिया गया। डॉक्टर एवं विशेषज्ञ तक मानते हैं कि दूसरी लहर में संक्रमण इतना तेज एवं गहन था तथा प्रतिदिन आने वाले केसों की संख्या इतनी अधिक थी कि किसी भी विकसित से विकसित स्वास्थ्य ढाँचे वाले देश के लिए इसका सामना करना सम्भव नहीं था।

गणेश शंकर विद्यार्थी : पत्रकारिता जगत के आदर्श

योगेश कुमार गोयल

इलाहाबाद में स्कूल हेडमास्टर मुंशी जयनारायण के घर 26 अक्तूबर 1890 को जन्मे गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता जगत के महान् पुरोधा थे। बेमिसाल क्रांतिकारी पत्रकारिता के कारण ही विद्यार्थी जी और उनका अखबार 'प्रताप' आज के दौर में भी पत्रकारिता जगत के लिए आदर्श माने जाते हैं। वह एक निर्भीक, निष्पक्ष, ईमानदार, यशस्वी व क्रांतिकारी पत्रकार, समाजसेवी, महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। वे स्वयं तो एक उच्च कोटि के पत्रकार थे ही, उन्होंने अनेक युवाओं को लेखक, पत्रकार तथा कवि बनने की प्रेरणा और ट्रेनिंग दी।

उनके लेखों में ऐसी गजब की ताकत थी कि उनकी पत्रकारिता ने ब्रिटिश शासन की नींद हराम कर दी थी। जब उनकी कलम चलती थी तो ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिल जाती थी। उनकी लेखनी से ब्रिटिश सरकार इस कदर भयभीत रहती थी कि क्रांतिकारी लेखन के लिए उन्हें अंग्रेजों द्वारा पांच बार सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा दी गई। कांग्रेस के विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने तथा ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारों के विरुद्ध 'प्रताप' में निर्भीक लेख लिखने के कारण वे पांच बार जेल गए। जब भी उन्हें गिरफ्तार किया जाता तो उनकी अनुपस्थिति में 'प्रताप' का सम्पादन माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सरीखे साहित्य के दिग्गज संभालते थे।

विद्यार्थी जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू तथा अंग्रेजी में हुई। इलाहाबाद में शिक्षण के दौरान ही उनका झुकाव पत्रकारिता की ओर हुआ। हिन्दी साप्ताहिक 'कर्मयोगी' के सम्पादन में वे पंडित सुन्दर लाल की सहायता करने लगे। कानपुर में अध्यापन के दौरान उन्होंने कर्मयोगी सहित कुछ अखबारों में लेख लिखे और पत्रकारिता के जरिये स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ गए। कुछ समय पश्चात् उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते 'विद्यार्थी' उपनाम अपना लिया और गणेश शंकर से 'गणेश शंकर विद्यार्थी' हो गए। 1911 में हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोधा पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने विद्यार्थी जी को अपनी साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' में उपसम्पादक के पद पर कार्य करने का ऑफर दिया किन्तु उन्हें ज्वलंत समाचारों, समसामयिक तथा राजनीतिक विषयों में ज्यादा दिलचस्पी थी, इसलिए उन्होंने द्विवेदी जी का प्रस्ताव स्वीकारने के बजाय महामना पं. मदन मोहन मालवीय के हिन्दी साप्ताहिक 'अभ्युदय' में नौकरी ज्वाइन की।

एक क्रांतिकारी पत्रकार के रूप में गणेश शंकर विद्यार्थी ने 9 नवम्बर 1913 को कानपुर से स्वयं 'प्रताप' नामक पत्रिका निकालना शुरू कर दिया, जिसके जरिये वे किसानों, मजदूरों और ब्रिटिश अत्याचारों से कराहते गरीबों का दुख-दर्द उजागर करने लगे। ब्रिटिश शासनकाल की उत्पीड़न और अन्याय की क्रूर व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना उनकी क्रांतिकारी पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण अंग था, जो ब्रिटिश हुकूमत को फूटी आंख नहीं सुहाया और इसका खामियाजा उन्हें कई मुकद्दमों, भारी जुर्माने और कई बार जेल जाने के रूप में भुगतना पड़ा। 1920 में उन्होंने 'प्रताप' का दैनिक संस्करण निकालना शुरू किया, जो मूलतः किसानों, मजदूरों और पीड़ितों का हिमायती समाचारपत्र बना रहा। 'प्रताप' के अलावा उन्होंने 'प्रभा' नामक एक साहित्यिक पत्रिका तथा एक राजनीतिक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया।

जनवरी 1921 में रायबरेली के एक ताल्लुकदार सरदार वीरपाल सिंह ने किसानों पर गोलियां चलवाई थी। विद्यार्थी जी ने उस घटना का पूरा विवरण प्रताप में छापा, जिसके लिए उन्हें तथा 'प्रताप' छापने वाले शिवनारायण मिश्र पर मानहानि का मुकद्दमा दर्ज हुआ और उन्हें जेल हो गई। 16 अक्तूबर 1921 को विद्यार्थी जी ने स्वयं गिरफ्तारी दी और 22 मई 1922 को जेल से रिहा हुए। जेल में रहते हुए उन्होंने डायरी लिखी और रिहाई के बाद उसी पर आधारित 'जेल जीवन की झलक' नामक एक श्रृंखला छापी, जिसे बहुत पसंद किया गया और 'प्रताप' के साथ पाठकों का काफिला जुड़ता गया। उसके बाद तो अंग्रेजों ने उन्हें वक्त-बेवक्त लपेटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा लेकिन विद्यार्थी अपने क्रांतिकारी विचारों से जरा भी नहीं डिगे। जेल से रिहाई के कुछ ही समय बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फिर गिरफ्तार कर लिया गया और 1924 में तब रिहा किया गया, जब उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया था। वह गणेश शंकर विद्यार्थी ही थे, जिन्होंने श्याम लाल गुप्त पार्षद लिखित गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' को जलियांवाला हत्याकांड की बरसी पर 13 अप्रैल 1924 से गाया जाना शुरू करवाया था।

1925 में राज्यसभा विधानसभा चुनाव में वे कानपुर से चुने गए और कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत-समिति के प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए लेकिन 1929 में उन्होंने पार्टी की मांग पर त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद वे 1930 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुने गए और उन्हें प्रदेशभर में सत्याग्रह आन्दोलन का नेतृत्व करने की अहम जिम्मेदारी दी गई। उसी दौरान उन्हें फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और गांधी-इरविन पैक्ट के बाद 9 मार्च 1931 को उनकी जेल से रिहाई हुई।

स्वाधीनता संग्राम के उस दौर में हिन्दू-मुस्लिम एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे थे लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने दोनों समुदायों की भावनाओं को भड़काने का ऐसा खेल खेला कि जगह-जगह हिन्दू-मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे भड़कने लगे और देशभर में साम्प्रदायिक हिंसा फैलने लगी। कानपुर शहर भी साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस उठा। विद्यार्थी जी का मन दंगों से बड़ा व्यथित हुआ और वे स्वयं दंगे रोकने तथा दोनों समुदायों में भाईचारा कायम करने के लिए लोगों को समझाते हुए घूमने लगे। कई जगहों पर वे लोगों को समझाने में सफल भी रहे और इन दंगों के दौरान उन्होंने हजारों लोगों की जान बचाई भी लेकिन वे स्वयं दंगाइयों की एक ऐसी टुकड़ी में फंस गए. जो उन्हें पहचानते नहीं थे। उसके बाद उनकी बहुत खोज की गई किन्तु वे कहीं नहीं मिले। आखिरकार उनका पार्थिव शरीर एक अस्पताल में लाशों के ढेर में पड़ा मिला, जो इतना फूल गया था कि लोग उसे पहचान भी नहीं पा रहे थे।

हजारों लोगों की जान बचाने के बावजूद विद्यार्थी जी स्वयं धार्मिक उन्माद की भेंट चढ़ गए और देश ने 25 मार्च 1931 को अपनी क्रांतिकारी पत्रकारिता से ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ाने वाला निर्भीक पत्रकार खो दिया। जीवन पर्यन्त जिस धार्मिक कट्टरता तथा उन्माद के खिलाफ विद्यार्थी जी आवाज उठाते रहे, वही धार्मिक उन्माद उनकी जिंदगी लील गया। 27 अक्तूबर 1924 को विद्यार्थी जी ने 'प्रताप' में 'धर्म की आड़' शीर्षक से लेख में लिखा था, ''देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पात किए जा रहे हैं। लोग धर्म का मर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग कुछ भी समझते-बूझते नहीं हैं। दूसरे लोग इन्हें जिधर जोत देते हैं, ये लोग उधर ही जुत जाते हैं।''

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिला सशक्तिकरण : देश ही नहीं दुनिया की भी जरुरत

तनवीर जाफरी

बारूद के ढेर पर बैठी,क्रूरता का नित्य नया इतिहास लिखने वाली और मानवता के बजाये अतिवाद की सभी सीमाएं पार कर रही यह दुनिया क्या पुरुष प्रधान अहंकार पूर्ण राजनीति के चलते रसातल की ओर जा रही है ?क्या अब एक करुणामयी विश्व के निर्माण के लिये महिलाओं की राजनीति में बराबर की भागीदारी वक़्त की सबसे बड़ी जरुरत बन चुकी है ? कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री प्रियंका गांधी ने पिछले दिनों लखनऊ में यह घोषणा कर राजनीति में महिला सशक्तिकरण के संबंध नई बहस छेड़ दी कि कांग्रेस पार्टी 2022 में उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देगी। कांग्रेस देश का पहला राजनैतिक दल है जिसने भारत के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं को इतनी बड़ी संख्या में पार्टी प्रत्याशी बनाए जाने की घोषणा की है। इस घोषणा के अनुसार उत्तर प्रदेश विधान सभा की कुल 403 विधानसभा सीट में से कांग्रेस लगभग 162 सीट पर महिला प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारेगी। प्रियंका गाँधी की इस घोषणा के बाद हालांकि देश के विभिन्न राजनैतिक दलों ने अपने अपने नफे-नुक्सान के अनुसार अपनी सधी हुई प्रतिक्रियाएं दी हैं। परन्तु भारत ही नहीं बल्कि इस समय पूरी दुनिया के जो 'विस्फोटक' हालात बने हुए हैं उन्हें देखते हुए यह सोचना जरूरी हो गया है कि क्यों न क्रूर,निर्दयी,अहंकारी व बेलगाम सी होती जा रही विश्व की इस पुरुष प्रधान राजनीति पर नकेल डालने लिये विश्व की 'आधी आबादी ' को विश्व राजनीति में भी बराबर की भूमिका अदा करने का अवसर दिया जाये? उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं को चालीस प्रतिशत टिकट देने का विचार प्रियंका गाँधी के मन में इसीलिये आया क्योंकि वे एक कोमल हृदय रखने वाली महिला हैं।वे स्वयं उच्चकोटि की परवरिश व रहन सहन के बावजूद गत पांच वर्षों से पूरी सक्रियता से जिस प्रकार देश की आम महिलाओं से मिलती रही हैं तथा उनकी दुःख तकलीफ व जरूरतों को समझती रही हैं,यह फैसला निश्चित रूप से उसी जमीनी अध्ययन का परिणाम है। अन्यथा देश की पुरुष प्रधान लोकसभा ने तो अभी तक महिलाओं को वह 33 प्रतिशत आरक्षण भी नहीं दिया जिसका वादा देश की महिलाओं से किया गया था। ऐसे में प्रियंका के इस 'मास्टर स्ट्रोक' को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर केवल महिला सशक्तिकरण के नजरिये से ही देखने की जरुरत है। और यदि प्रियंका गांधी के प्रयासों को लंगड़ी मारने या इसमें किन्तु परन्तु ढूंढने की कोशिश की जाती है तो इसका अर्थ यही होगा कि ऐसा वर्ग महिलाओं को पुरुषों की बराबरी करते नहीं देखना चाहता। आज विश्व राजनीति में महिलाओं का अग्रणी होना क्यों जरूरी है इसे चंद उदाहरणों द्वारा समझा जा सकता है। अफगानिस्तान का तालिबान राज इस समय पुरुष प्रधान सत्ता का एक वीभत्स उदाहरण है। इनके शासन में राजनीति में महिलाओं की भागीदारी तो दूर उन्हें पढ़ने व बे पर्दा रहने तक की इजाजत नहीं। महिलाओं की शिक्षा के तो यह इतने बड़े दुश्मन हैं कि मलाला यूसुफजई पर केवल इसलिये जान लेवा हमला किया क्योंकि वह लड़कियों को शिक्षा हेतु प्रेरित करती थी। दर्जनों स्कूल इसी 'पुरुष वर्चस्ववादी ' व महिला विरोधी सोच ने ध्वस्त कर दिये। और तो और यह लोग महिला को केवल बच्चा पैदा करने का माध्यम मात्र समझते हैं। इनकी क्रूरता के तमाम किस्से आए दिन सुर्खियां बनते रहते हैं। धार्मिक कट्टरवाद,हिंसा,अतिवाद और बहुसंखयवाद की राजनीति कर जाहिल व बेरोजगार लोगों की फौज अपने पीछे खड़ी करना इनकी राजनैतिक कार्यशैली का अहम हिस्सा है। परन्तु ठीक इसके विपरीत यूरोपीय देश न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की राजनैतिक शैली है। न्यूजीलैंड दुनिया का ऐसा पहला देश बना जो प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न के कुशल नेतृत्व में सबसे पहले कोरोना वायरस से मुक्त हुआ। इस सफलता के लिए अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने जेसिंडा अर्डर्न की कार्यशैली की भरपूर प्रशंसा की। यहाँ तक कि अर्डर्न के नेतृत्व क्षमता की तुलना अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा जैसे सफल राजनीतिज्ञों से की जाती है। इससे पहले जब 15 मार्च, 2019 को न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च शहर में जिस समय एक के बाद एक कर दो मस्जिदों में भारी हथियारों से लैस एक ईसाई आतंकी ने नमाज पढ़ने वाले मुसलमानों पर गोलियां चलाई थीं। और इस हमले में 51 लोगों की मौत हो गई थी उस समय भी प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की भूमिका ने केवल न्यूजीलैंड के मुसलमानों का नहीं बल्कि पूरे मुस्लिम जगत का दिल जीत लिया था। इस हमले के बाद न्यूजीलैंड में सेमी ऑटोमेटिक बंदूकों की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई थी। उस समय अर्डर्न ने अस्पतालों में जाकर घायलों से मुलाकात की थी। पूरे न्यूजीलैंड की मस्जिदों की सुरक्षा बढ़ा दी गयी थी। स्वयं घटना स्थल पर पहुंचकर पीड़ित परिवारों से गले मिलकर उन्होंने मुसलमानों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया था। उनकी शोकसभाओं में खुद काले लिबास में पहुंचकर उनके दुःख व शोक सांझे किये। यहाँ तक कि उस ईसाई आतंकवादी कृत्य के लिये खुद मुआफी मांगी। उनके व्यवहार का कारण केवल यही था कि वे एक महिला हैं और कोमल व करुणा पूर्ण हृदय रखती हैं। इसी घटना के बाद उनकी प्रतिक्रिया व उनके सकारात्मक व्यवहार के चलते टाइम मैगजीन ने जेसिंडा अर्डर्न को पर्सन ऑफ द ईयर के लिये नामित किया था। उसी समय न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न की हिजाब पहने हुए तस्वीर दुबई स्थित दुनिया की सबसे ऊँची इमारत बुर्ज खलीफा पर प्रदर्शित की गयी। क्राइस्टचर्च पर हुए हमले के बाद पीड़ितों के प्रति दिखाए गए अर्डन के स्नेह व समर्थन पर आभार व्यक्त करने के लिए दुबई के शासक द्वारा यह किया गया था। जेसिंडा भी यदि उस समय चाहतीं तो ओछी,हल्की व शार्ट कट लोकप्रियता हासिल करने के लिये वे भी बहुसंख्यकवाद की राजनीति कर सकती थीं।

पिछले दिनों बांग्लादेश में कट्टरपंथी तालिबानी मानसिकता के लोगों ने वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के कई दुर्गा पूजा पंडाल व मंदिरों पर हमला करने जैसा घोर निंदनीय कार्य किया। इन्हीं उपद्रवियों द्वारा हिन्दू समुदाय के कई लोगों की हत्या भी कर दी गयी। परन्तु वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बहुसंख्य मुस्लिम समाज की नाराजगी की फ़िक्र किये बिना दोषियों के विरुद्ध तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री हसीना की कार्रवाई इन कट्टरपंथियों को नागवार गुजरी और उन्होंने शेख हसीना के विरुद्ध कई शहरों में प्रदर्शन भी किये। परन्तु प्रधानमंत्री हसीना के मानवीय रवैय्ये के चलते बंगला देश के मुसलमानों का भी एक बड़ा वर्ग कट्टरपंथी आक्रमणकारियों के दुष्कृत्य की निंदा व प्रदर्शन करने तथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई किये जाने की मांग करते हुए सड़कों पर उतरा। हमारे देश में भी इंदिरा गांधी से लेकर ममता बनर्जी तक कई ऐसी महिला राजनीतिज्ञ रही हैं जिन्होंने प्रेम व करुणा के साथ साथ अपने सख्त फैसलों व हिम्मत से भी पूरी दुनिया में अपनी राजनैतिक काबलियत का परचम लहराया है। लिहाजा आज के हिंसापूर्ण व बहुसंख्यकवाद की राजनीति के दौर में महिला सशक्तिकरणकेवल हमारे ही देश की नहीं बल्कि पूरी दुनिया की भी जरुरत है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

पंजाब में कांग्रेस के लिए मुश्किल पैदा करेंगे कैप्टन

तृणमूल कांग्रेस की तर्ज पर बनााएंगे अपनी नई पार्टी

चंडीगढ़ (एजेंसी) । कैप्टन अमरिंदर सिंह कल पंजाब की सियासत में बड़ा धमाका करने की तैयारी में है। पक्के संकेत हैं कि कैप्टन कल अपनी नई पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। बताया जाता है कि वह अपनी नई पार्टी का गठन ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की तर्ज पर करेंगे। इसके साथ ही उनकी योजना है कि उनकी पार्टी पश्चिम बंगााल की टीएमसी के अंदाज में पंजाब में कांग्रेस की जगह ले। इस बारे में कैप्टन के करीबी सांसद जसबीर सिंह डिंपा ने बड़े संकेत दिए हैं। इससे साफ है कि कैप्टन पंजाब में कांग्रेस की जगह खाली कर अपनी पार्टी के उसकी जगह लेने की तैयारी में हैं। इससे आने वाला समय कांग्रेस के लिए बेहद चुनौती भरा हो सकता है। कैप्टन अमरिंदर सिंह के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह 27 अक्टूबर को अपनी पार्टी की घोषणा करने जा रहे है। कैप्टन ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। कैप्टन की पार्टी के नाम में कांग्रेस शब्द का प्रयोग जरूर होगा। जिस प्रकार से ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस और शरद पवार ने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी बनाई है, उसी प्रकार से कैप्टन भी अपनी पार्टी के नाम में कांग्रेस शब्द को जोड़ेंगे। 79 वर्षीय कैप्टन अमरिंदर सिंह के 52 वर्ष के राजनीतिक करियर में यह दूसरा मौका होगा, जब वह अपनी पार्टी का गठन करेंगे। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 1992 में शिरोमणि अकाली दल से अलग होकर शिरोमणि अकाली दल (पंथक) पार्टी का गठन

किया था। हालांकि, उनका उस समय अपनी पार्टी गठित करने का अनुभव कड़वा रहा था। वह 1998 के चुनाव में दो सीटों पटियाला और तलवंडी साबो से चुनाव लड़े थे, लेकिन इन दोनों ही सीटों पर उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद उन्होंने वापस कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली थी। उसके बाद वह तीन बार कांग्रेस के प्रदेश प्रधान और दो बार पंजाब के मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जिस प्रकार से अपनी पार्टी बनाकर भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने को लेकर इच्छा जाहिर की थी, उससे पंजाब की सियासत में नए समीकरण के संकेत मिले। इसमें से एक कदम उन्होंले बढ़ा दिया है। वह बुधवार को अपनी पार्टी का गठन के साथ ही कांग्रेस के लिए मुश्किल पैदा कर देंगे। माना जा रहा है कि कैप्टन के साथ ही उनकी धर्मपत्नी और पटियाला से कांग्रेस की सांसद परनीत कौर नई पार्टी की सदस्य हो सकती हैं। यह भी जानकारी मिल रही है कि नई पार्टी के गठन के मौके पर उनके साथ करीब आधा दर्जन कांग्रेस के विधायक भी हो सकते हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वे कौन-से विधायक होंगे। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद करीब दो दर्जन कांग्रेस विधायक लगातार कैप्टन के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। कैप्टन जहां अपनी पार्टी बनाने जा रहे है, उसके बाद सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि क्या भारतीय जनता पार्टी के साथ उनका गठबंधन पहले होगा या फिर किसान आंदोलन को माकूल हल निकालने कैप्टन पहले योगदान देंगे। राजनीतिक हलके में चर्चा रही है कि कैप्टन का अपनी पार्टी बनाने के बाद अगर कदम किसान आंदोलन को खत्म करवाने पर होगा। यही कारण है कि कांग्रेस के नेता किसान आंदोलन को लेकर कैप्टन पर आरोप जड़ रहे है कि अगर कैप्टन इस समस्या का हल करवा सकते थे तो उन्होंने बतौर मुख्यमंत्री रहते हुए ऐसा क्यों नहीं किया। क्यों उन्होंने 65 किसानों के मरने का इंतजार किया। अभी तक किसान आंदोलन में 65 लोगों की मौत हो चुकी है। कैप्टन के अपनी पार्टी बनाने के बाद पंजाब के राजनीतिक हालातों को बदलने की पूरी-पूरी संभावना है। क्योंकि कैप्टन 21 वर्षों से कांग्रेस की सक्रिय राजनीतिक का प्रमुख हिस्सा रहे है। वह इस दौरान तीन बार कांगेस के प्रदेश प्रधान रहे और दो बार मुख्यमंत्री रहे। कैप्टन पहले ही कह चुके है कि 52 वर्षों के राजनीतिक करियर में उन्होंने कई दोस्त बनाए है। ऐसे में यह तय है कि कैप्टन कांग्रेस को तोड़ने का प्रयास करेंगे। चूंकि कांग्रेस वर्तमान में राजनीतिक रूप से अस्थिर चल रही है। प्रदेश प्रधान पद से इस्तीफा दे चुके नवजोत सिंह सिद्धू और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच में खासी खींचतान चल रही है। वहीं, कांग्रेस का ग्राफ पंजाब में अपने अंतरकलह के कारण नीचे गिरता जा रहा है। ऐसे में कैप्टन के लिए कांग्रेस के राजनीतिक हालात भी माकूल नजर आ रहे है। चूंकि कैप्टन को भाजपा का समर्थन होने की भी चर्चा है। ऐसे में कई विधायकों को अपने करियर की भी चिंता नहीं होगी। कांग्रेस के सांसद जसबीर सिंह डिंपा ने कैप्टन अमरिंदर सिंह की नई पार्टी बनाने की तैयारियों के बीच एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की रणनीति है कि छोटे राज्यों जैसे त्रिपुरा और गोवा में इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा दिए गए स्पेस को ले सके। इसके लिए हमें पहले से तैयारी करनी चाहिए। डिंपा पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खासे करीबी है। डिंपा की पूरी राजनीति कैप्टन की ही छत्रछाया में रही है। ऐसे में उनका ट्वीट भी इस तरफ इशारा कर रहा है कि पंजाब में भी कांग्रेस की जगह खाली हो रही है।

एक नज़र

सीएम चन्नी पहली बार आएंगे लुधियाना, सर्किट हाउस को संवारने में जुटे अफसर

लुधियाना (एजेंसी) । लुधियाना में पहली बार कैबिनेट की बैठक होने जा रही है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी बुधवार को लुधियाना के सर्किट हाउस में कैबिनेट की बैठक लेंगे। प्रशासन ने कैबिनेट की बैठक का स्थान सोमवार को बदलने का निर्णय लिया। प्रशासन 27 अक्टूबर तक बचत भवन में बैठक की तैयारियों में जुटा रहा। लेकिन अब बैठक सर्किट हाउस में होनी है तो अफसरों ने बैठक से ठीक एक दिन पहले सर्किट हाउस को संवारना शुरू कर दिया। नगर निगम, पावर काम से लेकर तमाम विभागों के अधिकारी

सर्किट हाउस में व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटे हैं। ताकि मुख्यमंत्री समेत सभी मंत्रियों को यहां पहुंचने पर फीलगुड हो। नगर निगम सर्किट हाउस की सफाई के साथ मेन रोड पर सड़क के किनारे साफ सफाई में जुटा है। इसके अलावा सर्किट हाउस के बाहर जो तारें लटक रही हैं उनको बांधी जा रही हैं। पावरकाम के कर्मचारी सर्किट हाउस को नए ट्रांसफार्मर से भी कनेक्शन देने में जुटे हैं। इसके अलावा नगर निगम ने सर्किट हाउस के अंदर टैंट की लगा दिए हैं। टैंट में बैठने के लिए फर्नीचर भी सर्किट हाउस में पहुंच चुका है। इसके अलावा सैनिटेशन डिपार्टमेंट व नगर निगम हेल्थ ब्रांच ने सर्किट हाउस के टायलेट्स को भी चमका दिया है। पुलिस ने अभी से सर्किट हाउस की घेराबंदी करनी शुरू कर दी। मंगलवार को भी सर्किट हाउस में बाहर के किसी भी व्यक्ति को एंट्री करने नहीं दी जा रही है। सर्किट हाउस के गेट पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। वहीं सर्किट हाउस में ही मुख्यमंत्री को गार्ड आफ आनर देने की तैयारी भी की जा रही है। क्योंकि चरणजीत सिंह चन्नी मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार लुधियाना आ रहे हैं।

कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब की सियासत में धमाके की तैयारी, कल कर सकते हैं नई पार्टी की घोषणा

चंडीगढ़ (एजेंसी) । पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी नई पार्टी और अगले सियासी कदम के बारे में घोषणा कर सकते हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह 27 अक्टूबर को मीडिया से रूबरू होंगे। इसके बाद से उनकी नई पार्टी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इससे पहले संकेत दिए गए थे कैप्टन अमरिंदर दीपावली से पहले अपनी पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। इसके साथ ही वह पंजाब कांग्रेस में धमाका भी कस सकते हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह के मीडिया सलाहकार रहे रवीन ठुकराल ने मंगलवार सुबह ट्वीट कर जानकारी दी कि कैप्टन 27 अक्टूबर को मीडिया से बात करेंगे। इसके बाद से चर्चाओं तेज हो गई हैं कि कैप्टन कल अपने अगले सियासी कदम की घोषणा कर सकते हैं। रवीन ठुकराल ने ट्वीट में कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह 27 अक्टूबर को दिन में 11 बजे मीडिया से बात करेंगे। बता दें कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पिछले दिनों अपनी नई पार्टी

बनाने की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल से टूट कर बनी पार्टियों के साथ गठबंधन के संकेत भी दिए थे। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि किसान आंदोलन समाप्त होने और केंद्रीय कृषि कानूनों को लेकर पैदा विवाद के समाप्त होने की सूरत में भाजपा से गठबंधन करेंगे। इसके साथ ही बताया जाता है कि कैप्टन अपनी नई पार्टी के बारे में समर्थक नेताओं के साथ पिछले कई दिनों से विचाार-विमर्श कर रहे हैं। यह भी चर्चा है कि कैप्टन अमरिंदर के संपर्क में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और विधायक हैं। ऐसे में अब इसको लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने यदि अपनी नई पार्टी की घोषणा की तो कौन से कांग्रेस नेता उनके साथ आ सकते हैं। बताया जाता है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह के संपर्क में कांग्रेस के दो दर्जन से ज्यादा विधायक हैं। ऐसे में चरणजीत सिंह चन्ननी सरकार के लिए भी कैप्टन खतरा पैदा कर सकते हैं। इसको लेकर कांग्रेस में भी खलबली मच गई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह यदि अपनी नई पार्टी की घोषणा करते हैं तो पंजाब के 2022 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के लिए मुश्किलें पैदा होंगी।

सरकार की बेरूखी के बाद युवाओं ने बदल डाली नुहार, ऐतिहासिक शहर माछीवाड़ा के खालसा चौक को संवारा

लुधियाना (एजेंसी) । एक ओर जहां सरकार आधारभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं करवाई जाती, वहीं माछीवाड़ा यूथ क्लब के युवकों में भरा सेवा का जज्बा उस समय रंग लाया, जब उन्होंने इस ऐतिहासिक नगरी के खालसा चौक की नुहार बदल कर रख दी। इसकी हर तरफ सराहना हो रही है। माछीवाड़ा आने वाला हर शख्स खालसा चौक की खूबसूरती को देख उसका कायल हो जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी उपेक्षा के बीच नौजवानों ने जो कदम उठाया है, वैसे प्रयास शहर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर किए जाने चाहिए, ताकि शहर संवर सके। क्लब के प्रधान अमनजोत सिंह ने बताया कि कुछ नौजवानों ने प्रयास किया कि दसवें पिता श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी की चरण छू प्राप्त धरती पर प्रतिदिन ही दूर-दूर से संगत आती हैं। ऐसे में खालसा चौक को खूबसूरत बनाया जाना चाहिए। युवाओं ने अपनी जेब से 200-200 रुपये इकट्ठा कर 66 हजार रुपये राशि जमा की और प्रतिदिन शाम को खालसा चौक को रंग रोगन, सफाई, मरम्मत और फिर रंग-बिरंगी लाइटों से रोशन किया। इसके अलावा खालसा चौक के आस-पास बने फुट्टपाथों पर भी पौधे लगाए गए, जिससे शहर की तस्वीर सुंदर लगे। माछीवाड़ा शहर का खालसा चौक आज युवाओं की मेहनत से सबके लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। क्लब के नौजवानों ने बताया कि वह भविष्य में भी ऐसे समाज सेवी कार्य करते रहेंगे।

कोयले के दामों में रिकार्ड बढ़ोत्तरी, ईंट के रेट में भी दिख रहा असर

कैथल (एजेंसी) । लोगों को सपनों का घर बनाना लगातार महंगा पड़ रहा है। करीब चार महीने से निर्माण सामग्री के रेट बढ़ रहे हैं। ऐसे में लोगों को घर का निर्माण करने में कई बार सोचना पड़ रहा है। सीमेंट, सरिया, रेता और ईंटों के रेट बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा रेट ईंटों के बढ़ रहे हैं। करीब आठ महीने पहले तक जो ईंट 5300 रुपये प्रति हजार के हिसाब से मिलती थी, आज उनकी कीमत 6500 से सात हजार रुपये प्रति हजार के हिसाब से हो चुकी है। ईंटों के रेट बढ़ने का कारण है, लगातार बढ़ रहे कोयले के रेट। करीब आठ महीने पहले कोयला नौ रुपये प्रति किलो के हिसाब से मिल जाता था। चार महीने पहले तक 12 रुपये प्रति किलो कोयला था। करीब 15 दिनों से 22 रुपये प्रति किलो के हिसाब से कोयला मिल रहा है। गांधीनगर गुजरात से कोयला की सप्लाई हो रही है। ईंटों के रेट बढ़ने का कारण कोयले के अलावा डीजल के दामों में बढ़ोतरी होना भी है। करीब आठ महीने पहले डीजल के रेट करीब 75 रुपये प्रति लीटर था, जो अब 96 रुपये के करीब पहुंच चुका है। वाहनों का खर्चा बढ़ गया है, जिस कारण ईंटों के रेटों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। जिला भट्ठा एसोसिएशन के जिला प्रधान मुकेश जैन ने बताया कि लगातार कोयला और डीजल के रेट बढ़ रहे हैं। बढ़ रहे रेटों के कारण ही ईंटें महंगी होती जा रही हैं। उनकी सरकार से मांग है कि भट्ठा संचालकों को ठीक रेट में कोयला उपलब्ध करवाया जाए।

उदयवीर ढिल्लों ने जीरकपुर के वार्ड-12 में शुरू कराया सीवरेज पाइप का काम, विधायक एनके शर्मा पर बोला जुबानी हमला

जीरकपुर (एजेंसी) । जीरकपुर के वार्ड नंबर 12 गांव किशनपुरा के बालाजी टावर के निवासियों ने अपनी समस्याओं को लेकर बैठक की। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष उदयवीर सिंह ढिल्लों विशेष तौर पर पहुंचे। उदयवीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि नगर परिषद जीरकपुर राज्य सरकार के माध्यम से लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शहर का विकास कर रही है। परिषद के सभी 23 कांग्रेस पार्षद इसी कड़ी के तहत लगातार काम कर रहे हैं। इस दौरान किशनपुरा से सनोली और डीपीएस स्कूल तक सड़क पर सीवरेज डालने का काम शुरू किया गया। ढिल्लों ने कहा कि लोगों की मांग को देखते हुए क्षेत्र की सीवरेज समस्या को हल किया जा रहा है।

ढिल्लों ने कहा कि जीरकपुर नगर परिषद द्वारा शहर के विकास के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई है। इनमें से एक परियोजना शहर की पूरी आबादी को शत-प्रतिशत पेयजल और सीवरेज मुहैया कराना है। वार्ड नंबर 12 में 2 करोड़ 90 लाख रुपये से अधिक की लागत से वाटर सीवरेज लाइन परियोजना शुरू की गई है। इस

परियोजना के तहत किशनपुरा से सनौली तक 95 लाख रुपये और डीपीएस रोड पर एक करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से सीवरेज पाइप लाइन बिछाई जाएगी। पीरमुछल्ला क्षेत्र में जीरकपुर नगर परिषद 3 एकड़ में 3.5 करोड़ रुपये की लागत से मैरिज पैलेस की तर्ज पर सामुदायिक केंद्र और 9 एकड़ भूमि में सुंदर पार्क का निर्माण करेगी। ढिल्लों ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पंजाब की जनता के लिए कई अहम फैसले लिए हैं, जिनमें 2 किलोवॉट मीटर तक के बकाया बिलों से बड़ी राहत, ट्रांसपोर्ट माफिया पर लगाम, पानी की सप्लाई और घरों की सीवरेज व्यवस्था शामिल है। उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में भी वह पंजाब के हितों के बारे में और बात करेंगे। सरकार की ये योजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी, जिसके तहत एक बड़ी आबादी को कवर किया जाएगा। जीरकपुर परिषद को देश के सबसे विकसित शहरों में से एक बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है, इसके लिए एक औपचारिक खाका तैयार किया गया है। वहीं, ढिल्लों ने विरोधी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि शिअद-भाजपा के पिछले दस वर्षों में जो काम नहीं हुआ, वह भविष्य में किया जाएगा।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित शहरवासियों को सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। विधायक एनके शर्मा जानबूझकर विकास कार्यों में बाधा डालने की कोशिश कर मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं। जीरकपुर शहर पर 20 साल तक राज करने वाले विधायक एनके शर्मा और उनकी टीम ने शहर का विकास करने के बजाए खुद का विकास किया है।

हत्या के प्रयास का दोषी पैरोल से हुआ फरार, जेल प्रशासन ने दर्ज कराया केस

यमुनानगर (एजेंसी)। घर में घुसकर मारपीट व हत्या के प्रयास का दोषी इस्सोपुर निवासी हन्नी उर्फ लक्की पैरोल से फरार हो गया। उसे कोर्ट ने पांच साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद से ही वह जगाधरी जेल में बंद था। 13 अप्रैल 2020 को उसे स्पेशल पैरोल मिली थी। उसे 10 अक्टूबर 2021 को वापस लौटना था, लेकिन वह वापस नहीं आया। जेल प्रशासन की ओर से उसके घर पर भी पता कराया गया, लेकिन वह नहीं मिला। जेल डीएसपी संजीव कुमार की ओर से उसके खिलाफ खिलाफ सदर यमुनानगर थाना में पैरोल एक्ट के तहत केस दर्ज कराया गया। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के गांव कुडिरायपुर निवासी विकास ममीदी गांव में किराये के मकान में रहते थे। 22 अप्रैल 2019 को उसकी साली घर पर पहुंची और उसे गालियां देने लगी थी। कुछ देर बाद साली का पति शादीपुर निवासी रसीद

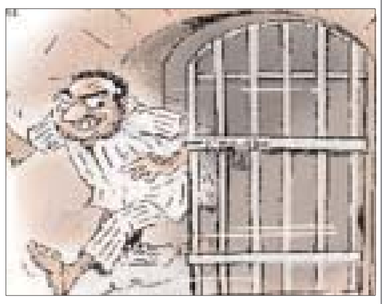

दो अन्य युवकों के साथ उसके घर पर पहुंचा। इन्होंने विकास के साथ मारपीट की और उस पर चाकूओं से वार किए। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। बाद में पुलिस ने फर्कपुर थाना पुलिस ने 24 अप्रैल 2019 को इस मामले में केस दर्ज किया और रसीद व उसके दो साथियों शक्ति और इस्सोपुर निवासी हन्नी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद कोर्ट में केस की सुनवाई हुई थी। जहां हन्नी को पांच साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। तभी से वह जेल में था। डीएसपी जेल संजीव कुमार की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक, दोषी हन्नी को पांच साल की सजा सुनाई गई है। 13 अप्रैल 2020 को उसे स्पेशल पैरोल मिली थी। यह एक सितंबर 2021 तक की थी। बाद में कमेटी ने उसकी पैरोल नौ अक्टूबर 2021 तक बढ़ा दी थी। उसे दस अक्टूबर को पैरोल का समय पूरा होने के बाद सरेंडर करना था, लेकिन वह तय समय पर जेल में नहीं पहुंचा। जिस पर उसके घर भी पता कराया गया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। दस दिन बीतने के बाद भी जब उसने सरेंडर नहीं किया, तो उसके खिलाफ सदर यमुनानगर थाना में शिकायत दी गई। सदर यमुनानगर थाना प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि जेल प्रशासन की ओर से शिकायत मिली है। इस पर हन्नी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

हालीवुड फिल्मों से आइडिया ले नाइट्रोजन गैस से की मंगेतर की हत्या, पटियाला मर्डर केस में चौकाने वाला खुलासा

पटियाला (एजेंसी) । भोली भाली युवतियों को हवस के लिए प्यार के जाल में फंसाकर उनकी हत्या करने वाले नवनिंदरप्रीत पाल सिंह ने पुलिस रिमांड के दौरान खुलासा किया कि उसे नाइट्रोजन गैस का इस्तेमाल करके हत्या करने का आइडिया हालीवुड फिल्में देखने से मिला। उसने कई हालीवुड फिल्में देखी और नाइट्रोजन सिलेंडर का इस्तेमाल कर हत्या करने तरीकों को इंटरनेट पर खंगाला। पुलिस अधिकारियों ने बताया पुलिस जांच के दौरान नवनिंदरप्रीत पाल सिंह ने खुलासा किया कि उसने पिछले लगभग छह महीनों से छपिंदरपाल और सुखदीप की हत्या करने का मन बना लिया था, इसलिए उसने क्राइम थ्रिलर फिल्में देखनी शुरू की और बिना किसी मार काट के हत्या का उपयुक्त तरीका खोजने के लिए इंटरनेट की मदद ली। बता दें कि यह मामला बठिंडा की छपिंदरपाल कौर (28) की हत्या की जांच के दौरान सामने आया। छपिंदरपाल कौर के लापता होने की नवनिंदरप्रीत ने झूठी कहानी उसके परिवार को बताई थी। इसके बाद जांच के दौरान पता चला की छपिंदर की हत्या की गई है। उसकी लाश को बेडरूम में दबाया गया था। इसके बाद एक और खुलासा हुआ। पूछताछ में आरोपित ने पहली पत्नी सुखदीप की हत्या की बात भी कबूली। सीआइए इंचार्ज शमिंदर सिंह के मुताबिक सितंबर में सुखदीप को भवानीगढ़ की लखविंदर कौर के साथ नवनिंदर की शादी के बारे में पता चलने के बाद उनमें झगड़ा शुरू हो गया था। इसके

कारण 20 सितंबर को वह एक नाइट्रोजन सिलेंडर घर लाया और सुखदीप से कहा कि इसमें आक्सीजन है और आक्सीजन लेने से बच्चे का विकास अच्छा होता है। इसके बाद आरोपित ने नाइट्रोजन गैस से उसकी हत्या कर दी थी और सुखदीप के माता-पिता को विश्वास दिला दिया कि उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। 40 साल की उम्र तक शादी करने पर परिवार द्वारा शादी का जिक्र तक न करने का सवाल जानने के लिए पुलिस ने कई घंटे तक आरोपित नवनिंदर प्रीतपाल सिंह के पिता बीएस सिद्धू से पूछताछ की। अर्बन इस्टेट फेज एक स्थित इस कोठी में आरोपित के माता-पिता रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि शुरुआत में नवनिंदर प्रीतपाल सिंह को कई बार शादी के लिए कहा था। शादी का जिक्र करते ही आरोपित कहता था कि जब वक्त आएगा तो शादी कर लूंगा। माडर्न सोच वाले इस परिवार का कहना है कि शादी का फैसला नवनिंदर पर ही छोड़ दिया था कि जब वह चाहे शादी कर लेगा। उन्होंने नवनिंदर की तीनों शादियों को लेकर जानकारी तक नहीं थी। यही नहीं, जिन दिनों बठिंडा निवासी छपिंदर कौर का कत्ल करने के बाद कमरे में गाड़ा था, उस समय बीएस सिद्धू व उनकी पत्नी कहीं बाहर गए हुए थे। परिवार के अन्य सदस्यों की अभी तक कत्ल केस में किसी भी तरह की शमूलियत नहीं पाई गई है, लेकिन उन्हें क्लीन चिट नहीं दी है। परिवार के उक्त बयान की पुलिस ने पड़ताल शुरू कर दी है। रिमांड के दौरान आरोपित ने बताया कि वह शुरुआत में कोचिंग सेंटर चलाता था।

यमुनानगर में कालेज गई बीए की छात्रा का अपहरण, मांगी 50 लाख की फिरौती

यमुनानगर (एजेंसी) । रादौर थाना क्षेत्र के गांव चमरोडी निवासी 17 वर्षीय शारदा उर्फ खुशी घर से सोमवार को कालेज गई थी। इसके बाद वापस नहीं लौटी। रात भर स्वजन उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई पता नहीं लगा। इस दौरान उसके पिता नरेश कुमार के मोबाइल पर किसी अनजान नंबर से काल आया। जिसमें काल करने वाले ने 50 लाख रुपये फिरौती मांगी है। फिरौती न देने पर बेटी को जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद ही स्वजन पुलिस के पास पहुंचे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। उनके पास महज दो किले जमीन है। उनकी बड़ी बेटी शारदा रादौरी कालेज में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। सोमवार की सुबह वह रोजाना की तरह कालेज के लिए गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटी, तो स्वजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। सभी रिश्तेदारियों व जानकारों के यहां पर उसके बारे में पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। रात को नरेश के पास अनजान नंबर से काल आया। काल करने वाले उन्हें धमकी देते हुए कहा कि यदि बेटी चाहिए, तो 50 लाख रुपये व गहने दो।

चीनी मिल कैथल ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय स्तर पर गन्ना विकास में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार

कैथल (एजेंसी) । सहकारी चीनी मिल कैथल ने राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहराया है। मिल को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर गन्ना विकास में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया है। दी कैथल सहकारी चीनी मिल को यह पुरस्कार 16 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। बता दें कि इससे पूर्व मिल को वर्ष 2016-17 व 2018-19 में तकनीकी दक्षता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। वर्ष 2019-20 के दौरान तकनीकी दक्षता के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 16 नवंबर को नई दिल्ली में एक बार फिर से सम्मानित किया जाएगा। कोरोना महामारी के कारण पिछले वर्ष का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित नहीं किया जा सका था। इसके अतिरिक्त वर्ष 2018-19 के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय शुगर संस्थान पुणे में आयोजित कार्यक्रम में मिल को हरियाणा की सर्वश्रेष्ठ मिल के प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। शुगर मिल के प्रबंध निदेशक सतिंद्र सिवाच ने बताया कि मिल को वर्ष 2018-19 में राज्य की सर्वश्रेष्ठ सहकारी संस्था घोषित किया गया व यमुनानगर में राज्य स्तरीय सहकारिता दिवस पर आयोजित

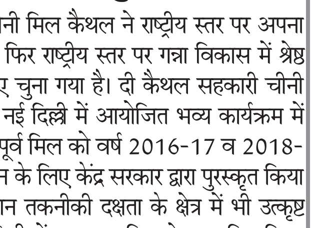

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा सम्मानित किया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2019-20 में मिल ने अपनी सफलता का सफर जारी रखते हुए एक बार फिर राज्य की सर्वश्रेष्ठ सहकारी संस्था का पुरस्कार हासिल किया तथा करनाल में राज्य स्तरीय सहकारी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में गन्ने की मिल व किस्मों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप मिल के गन्ना क्षेत्र में अगेती किस्म के गन्ने की प्रतिशतता जो वर्ष 2011 में दो प्रतिशत थी, अब वह बढ़कर 96 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। मिल क्षेत्र के 178 गांवों से 1585 किसान मिल से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। गन्ने की फसल से मिल की रिकवरी प्रतिशतता में जहां बढ़ोतरी हुई है, वहीं किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हुई है। इस उपलब्धि पर मिल के मुख्य अभियंता एए सिद्दकी, मुख्य रसायनविद कमलकांत तिवारी, गन्ना प्रबधंक रामपाल सिंह, गन्ना वितरण अधिकारी देशराज सिंह एवं अन्य मिल के स्टाफ ने प्रसन्नता जाहिर की।

कैथल में चुन्नी से किशोर की गला दबाकर हत्या, नाबालिग से दुष्कर्म का था आरोपित

कैथल (एजेंसी)। नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपित किशोर की गला दबा कर हत्या करने का मामला सामने आया है। किशोर के खिलाफ एक दिन पहले ही नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने मृतक की मौसी की शिकायत पर नाबालिग लड़की की मौसी व दो भाइयों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव सीवन निवासी महिला ने बताया कि उसकी बहन का 17 वर्षीय लड़का नौवीं कक्षा तक पढ़ा है। माता-पिता की मौत होने के बाद वह सीवन में ही एक फैक्टरी में दिहाड़ी-मजदूरी करता था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ दिन पहले गांव के ही तीन लोगों के साथ मोबाइल को लेकर झगड़ा हो गया था। इस रंजिश के चलते तीनों ने मिलकर उसके भतीजे की चुन्नी से गला दबाकर हत्या कर दी। इस बारे में उसके बेटे को पता चला तो वह मौके पर पहुंचा तो देखा कि किशोर मृत पड़ा था। इसके बाद

उसने परिवार के अन्य सदस्यों को इस बारे में बताया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। सीन आफ क्राइम की टीम ने भी मौके का दौरा किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल कैथल लाया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद स्वजनों को शव सौंप दिया। पुलिस ने इस मामले में महिला व उसके दोनों बेटों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किशोर पर नाबालिग को घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने का मामला एक दिन पहले आरोपित महिला ने दर्ज करवाया था। महिला का आरोप था कि उसकी बहन की 12 साल की बेटी उसके पास रहती है। 25 अक्टूबर को वह घर पर अकेली थी। इसका फायदा उठाते हुए घर में घुसकर उसे बंधक बनाते हुए दुष्कर्म किया। पुलिस ने इस मामले के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया था। किशोर की मौत की सूचना पुलिस को मिली। मृतक किशोर की मौसी की शिकायत पर पुलिस ने नाबालिग लड़की की मौसी, उसकी मौसी के दोनों लड़कों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है।

कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
निविदा सूचना
[illegible] www.ireps.gov.in [illegible] निविदा सूचना क्रमांक: [illegible] 2021/30/[illegible] कार्य का मूल्य : रु. 23.07 लाख, [illegible] निविदा जमा करने की तारीख और समय : 19.11.2021 को 15.00 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए, [illegible] कोंकण रेलवे कार्पोरेशन लिमिटेड [illegible] वेबसाईट www.ireps.gov.in पर संपर्क करें।

एक नज़र

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने कहा- लालू को इलाज की जरूरत, गाली देने से गौरव नहीं बनता

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार के लिए बिहार पहुंचीं पूर्व लोकसभा अध्यक्ष कांग्रेस नेत्री मीरा कुमार ने लालू प्रसाद को बीमार बताया है। साथ ही कहा, उनका इलाज अभी जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लालू जैसे नेता ने अपनी भाषा से बिहार की गौरवशाली परंपरा के साथ अशोभनीय कार्य किया है। गाली देने से गौरव नहीं बनता। तारापुर और कुशेश्वरस्थान में कांग्रेस ने अपने प्रत्याशियों की जीत के लिए

पार्टी के कई बड़े नेताओं को उतार दिया है। इसी कड़ी में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीरा कुमार सोमवार को पटना पहुंचीं। एयरपोर्ट से अपने आवास कदमकुआं रवाना होने के पूर्व मीरा कुमार ने दावा किया कि उपचुनाव की दोनों सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार की जीत होगी। मीरा कुमार ने बिहार प्रभारी भक्तचरण दास पर की गई लालू प्रसाद की टिप्पणी पर कहा कि लालू प्रसाद अब भी बीमार हैं। भले ही डाक्टरों ने उन्हें राहत देकर बिहार भेज दिया है, लेकिन दरकार है कि उनका इलाज जारी रहे। मीरा कुमार ने कहा कि लालू प्रसाद की जिस प्रकार की भाषा है उसने बिहार के गौरवशाली इतिहास की छवि को धूमिल किया है। गौरव किसी को गाली देने से नहीं बनता। गौरवशाली इतिहास अपनी गरिमा और शालीनता की वजह से बनता है। लालू प्रसाद जैसे नेता ने अपनी भाषा से बिहार की गौरवशाली परंपरा के साथ बहुत अशोभनीय कार्य किया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव दिल्ली से बिहार आ गए हैं। रविवार को पटना के लिए उड़ान भरने से पहले मीडिया से बातचीत में उन्होंने बिहार कांग्रेस प्रभारी भक्त चरण दास को भकचोन्हर (बेवकूफ) कह दिया था। लालू के इस बयान की कांग्रेस ने कड़े शब्दों में निंदा की। पार्टी का कहना है कि लालू अनुसूचित जाति के विरोधी हैं। सोमवार को पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लालू का पुतला भी फूंका।

बिहार में अगले महीने शुरू हो रही धान खरीद, एमएसपी और नमी के नियम जान लीजिए

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक नवंबर से किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदने की सरकारी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रदेश में धान खरीद की सख्त निगरानी होगी। सभी निबंधित किसानों से धान खरीद सुनिश्चित होगी। 31 अक्टूबर तक कृषि विभाग के पोर्टल पर निबंधन होगा। इसके बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। सात लाख से ज्यादा किसान निबंधित हो चुके हैं। राज्य सरकार की ओर से जिलाधिकारियों को धान खरीद केंद्रों पर तैयारियों का जायजा लेने का निर्देश दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा तय न्यूनतम समर्थन मूल्य 1940 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीद होगी। धान खरीद में 17 फीसद नमी मान्य है। सरकार ने राज्य खाद्य निगम और प्राथमिक सहकारी साख समितियों के जरिए धान खरीदने की योजना बनाई है। राज्य सरकार ने इस बार 45 लाख मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य निर्धारित है। यदि नमी के नाम पर किसानों को परेशान किया जाएगा या ज्यादा प्रति क्विंटल कमीशन लिया जाएगा तो यह अपराध माना जाएगा। इसके लिए जो भी जिम्मेदार होंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। ज्यादा नमी का बहाना बनाकर कोई पैक्स या व्यापार मंडल कमीशन नहीं ले सकता। किसान को भी कोई कमीशन नहीं देना है। किसान अफसरों से लिखित शिकायत पर कार्रवाई होगी। खाद्य सचिव विनय कुमार ने बताया कि प्रदेश के किसानों का धान एमएसपी पर बिके, इसके लिए निगरानी की व्यवस्था भी की गई है। पैक्सों और व्यापार मंडलों को दस रुपये प्रति क्विंटल, जिला सहकारी बैंकों को पांच रुपये प्रति क्विंटल तथा राज्य के सहकारी बैंकों को 50 पैसे प्रति क्विंटल का अनुदान चावल की खरीद अधिप्राप्ति पर मिलेगा। इससे संबंधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है, क्योंकि धान खरीद पर अनुदान राशि केंद्र सरकार ही तय करती है।

बिहार के स्कूलों में इंटर की सेंटअप परीक्षा शुरू, बोर्ड परीक्षा का फार्म भरने की तिथि बढ़ी

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना समेत राज्य के अधिसंख्य सरकारी स्कूलों में सेंटअप परीक्षा प्रारंभ हो गई। इंटर की सेंटअप परीक्षा आगामी 7 नवंबर तक स्कूल-कालेजों में आयोजित की जाएगी। उसके बाद रिजल्ट बिहार बोर्ड को भेज दिया जाएगा। बिहार बोर्ड ने निर्देश दिया है कि सेंटअप परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र ही इंटर की मुख्य परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। बांकीपुर गर्ल्स हाईस्कूल की प्राचार्य रेणु कुमारी का कहना है कि स्कूल में इंटर की

सेंटअप परीक्षा शुरू हो गई है। बिहार बोर्ड ने स्कूलों को फिलहाल सेंटअप परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया है। शास्त्रीनगर हाईस्कूल की प्राचार्य ड्क्षरकू कुमारी का कहना सेंटअप परीक्षा में सभी छात्र-छात्राओं को बैठना अनिवार्य कर दिया गया है, जो छात्र सेंटअप परीक्षा में शामिल नहीं होंगे, उन्हें मुख्य परीक्षा में भी बैठने का मौका नहीं मिलेगा। बिहार बोर्ड ने इंटर के फार्म भरने की अवधि बढ़ा दी है। श्रीचंद हाईस्कूल के प्राचार्य डा.फैज अहमद का कहना है कि कुछ बच्चे अभी भी छूट गए हैं, बोर्ड ने उन्हें अच्छा मौका दिया है। अब सभी छात्र आसानी इंटर का फार्म भर सकते हैं, नहीं तो उनका एक साल बर्बाद हो जाता। इस वर्ष कोरोना संकट के कारण बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। बांकीपुर गर्ल्स स्कूल की प्राचार्य रेणु कुमारी का कहना है कि पंजीकृत छात्राओं में से अब तक दो छात्राओं ने फार्म नहीं भरा है। उन्हें अवधि बढ़ने की सूचना दे दी गई है। छात्राओं ने मंगलवार को आने की बात कहीं है। स्कूल आने पर उनका फार्म भर दिया जाएगा। शास्त्रीनगर बालक हाईस्कूल की प्राचार्य रिंकू कुमारी का कहना है कि सोमवार को एक छात्र का इंटर का परीक्षा फार्म भरा गया। बीमार होने के कारण छात्र का फार्म नहीं भरा पाया था।

बिहार के ढाई लाख शिक्षकों को दीपावली से पहले मिलेता वेतन

पटना (एजेंसी)। बिहार के 72 हजार प्रारंभिक विद्यालयों के दो लाख 56 हजार 896 शिक्षकों को दीवाली से पहले वेतन मिलेगा। शिक्षा विभाग पंचायती राज एवं नगर निकाय शिक्षकों को वेतन देने की तैयारी में है। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों से शिक्षकों के वेतन पर खर्च होने वाली राशि की जानकारी दो दिनों में देने को कहा है। इससे पहले समग्र शिक्षा योजना के तहत कार्यरत प्रारंभिक शिक्षकों के वेतन के लिए पहले ही राशि उपलब्ध करायी जा चुकी है। प्रदेश के शिक्षा विभाग ने एक और बड़ा फैसला लिया है। यह फैसला प्रारंभिक विद्यालयों में शिक्षा समिति से जुड़ा हुआ है। यहां आप शिक्षा विभाग से जुड़ी तीन खबरें पढ़ सकेंगे। बिहार के प्रारंभिक विद्यालयों में गठित होने वाली विद्यालय शिक्षा समिति में अब संकुल समन्वयक की जगह प्रधानाध्यापक लेंगे। इस संबंध में बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक श्रीकांत शास्त्री ने सोमवार को आदेश जारी किया। उन्होंने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को विद्यालय शिक्षा समिति का गठन शीघ्र करने का आदेश दिया है।

पटना आने के बाद लालू यादव का बड़ा बयानः

राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही विकल्प, बिहार में उसके नेता छुटभैये

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पटना पहुंचने के बाद अपना पहला सार्वजनिक बयान दिया है। उन्होंने बिहार विधानसभा उपचुाव में आरजेडी के लिए प्रचार करने की घोषणा की है। लालू ने कहा है कि जनता के प्यार के कारण वे लंबे समय बाद बिहार आ सके हैं। लालू ने बिहार कांग्रेस के नेताओं को छुटभैया करार देते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। कहा है कि कांग्रेस की उनसे अधिक किसी और ने मदद नहीं की है। लालू के ताजा बयान पर कांग्रेस नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर साथ और बिहार में गाली देने की राजनीति नहीं चलेगी। विदित हो कि बिहार आने के ठीक पहले लालू ने रविवार को दिल्ली में बिहार कांग्रेस के प्रभारी भक्त चरण दास को स्थानीय भाषा में बेवकूफ करार देकर राजनीतिक बवंडर खड़ा कर दिया है। लालू ने बिहार में बढ़ती महंगाई को लेकर भी सरकार की खिंचाई की है। अनुसार लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि वे लंबे समय तक बीमार रहे। जेल में भी रहे। हालांकि, अब जनता का प्यार उन्हें बिहार खींच लाया है। अब वे 30 अक्टूबर को होने जा रहे बिहार विधानसभा उपचुनाव क तारापुर व कुशेश्वरस्थान की सीटों के लिए प्रचार करेंगे। लालू बिहार में कांग्रेस के प्रत्याशियों के खिलाफ प्रचार करते नजर आएंगे, लेकिन उनकी नजर में राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। पटना आने के पहले दिल्ली में बिहार कांग्रेस के प्रभारी भक्त चरण दास

का भकचोन्हर (बेवकूफ) कह बवाल खड़ा क चुके लालू ने फिर पटना में कांग्रेस के स्थानीय नेताओं को छुटभैया करार दिया है। उन्होंने बिहार में कांग्रेस के नेताओं की औसित पर सवाल उठाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को ही एकमात्र विकल्प बताया है। बिहार आने के बाद लालू का यह पहला राजनीतिक बयान है। बिहार में कांग्रेस व आरजेडी विधानसभा उपचुनाव में अलग-अलग लड़ रहे हैं। दोनों दल एक-दूसरे पर हमलावर हैं। संकेत स्पष्ट हैं कि अब बिहार आने के बाद लालू भी कांग्रेस पर तीखे हमले करेंगे। लालू उपचुनाव की दोनों सीटों पर जीत का दावा पहले हीं कर चुके हैं। लालू उपचुनाव की दोनों सीटों के लिए बुधवार को जनसभाओं को संबोधित करेंगे। लालू ने आसमान छूती महंगाई को लेकर भी सरकार पर हमला किया। खाद्य पदार्थों और ईंधन की बढ़ती कीमतों पर कहा कि आज घी से महंगा डीजल है। हर समान की कीमत में आग लग गई है। सरसों के तेल की कीमत में वृद्धि को लेकर कहा कि ऐसे में आम लोग सब्जी कैसे बनाएं पेट्रोल व डीजल की कीमतों में वृद्धि का असर अन्य चीजों पर भी पड़ रहा है। महंगाई ने घरों का बजट बिगाड़ दिया है। लालू के बयान पर बिहार कांग्रेस के नेता प्रेमचंद्र मिश्रा ने कहा है कि वे बिहार कांग्रेस के नेताओं को गाली दें और केंद्रीय स्तर पर तरीफ करें, यह राजनीति अब नहीं चलेगी। जो लोग भी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ हैं, उन्हें राहुल गांधी के नेतृत्व स्वीकार करना पड़ेगा। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डा. मदन मोहन झा ने कहा है कि आरजेडी हमेशा कांग्रेस की मदद से हीं सत्ता में आई। आगे भी बिना कांग्रेस की मदद के वह सत्ता में नहीं आने वाली है।

रिश्वत नहीं मिलने के कारण नामांकन के लिए नहीं दिया जाति प्रमाण पत्र

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में संग्रामपुर में दक्षिणी भवानीपुर पंचायत से सरपंच पद पर नामांकन करने के लिए जाति प्रमाण-पत्र में रिश्वत नहीं देने के कारण दो-दो बार आवेदन रिजेक्ट करने का मामला प्रकाश में आया हैं। इसको लेकर अभ्यर्थी कनीश्वर कुमार केसरी ने बीडीओ सह आरओ को आवेदन दिया है। कहा है कि दक्षिणी भवानीपुर पंचायत का सरपंच पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। उसके लिए एनआर कटवाने हेतु पिछले 9 अक्टूबर 2021 को ऑनलाइन आवेदन दिया था, जिसकी जांच हल्का कर्मचारी द्वारा भी की गई थी। इसके बावजूद दूसरा आवेदन की मांग आरटीपीएस कर्मी सुनील कुमार द्वारा की गई। साथ ही यह कहा गया कि चुनावी समय हैं इसलिए कम से कम पांच सौ रुपया दीजिए। इसके लिए पुनः दूसरा आवेदन भी दिया गया लेकिन इसके बाद भी जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया गया। श्री केसरी ने यह भी कहा कि पिछले 23 अक्टूबर को नामांकन नहीं हो पाया। थक हार कर उसे 500 की जगह 1000 का एनआर कटवा कर नामांकन दाखिल करना पड़ा। इस मामले में बीडीओ

सह आरओ ने बताया कि मामला गम्भीर हैं। जांच कर कार्रवाई होगी। जबड्क्षक सीओ सुरेश पासवान ने भी जांच कर कार्रवाई की बात कही है। चिरैया प्रखंड में दसवें चरण में होनेवाले चुनाव को लेकर मंगलवार से नामांकन कार्य शुरू होगा। इसको लेकर प्रखंड कार्यालय परिसर में सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है। पांच पदों पर नामांकन के लिए कुल 29 टेबल लगाए गए हैं। नामांकन कार्य की सफलता को लेकर सिकरहना अनुमंडल पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक की गई। जिसमें बीडीओ नंदकिशोर साह, सीओ आनंद कुमार गुप्ता, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सरोज कुमार ड्क्षसह एवं थानाध्यक्ष केपी ड्क्षसह सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। कहा गया कि नामांकन के दौरान किसी भी प्रत्याशी द्वारा जुलूस नहीं निकाला जाएगा। यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। ऐसा करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बीडीओ नंदकिशोर साह ने बताया कि नामांकन एक नवम्बर तक चलेगा।

लखीसराय में नक्सली चंगुल से मुक्त हुआ दीपक

लेकिन कैसे : नहीं बता रहे उसके पिता

लखीसराय (एजेंसी)। लखीसराय जिले के पीरी बाजार थाना क्षेत्र के नक्सल प्रभावित चौकरा गांव से शनिवार की रात नक्सलियों द्वारा अगवा किए गए जन वितरण विक्रेता भागवत प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार को नक्सलियों से मुक्त कर दिया है। अपहरण के 48 घंटे के बाद सोमवार की रात करीब 11 बजे नक्सलियों की चंगुल से मुक्त होकर घर आ गया। अपहृत युवक के सकुशल लौटने से स्वजनों में खुशी है। अपहृत के पिता भागवत प्रसाद ने बताया कि मेरे बेटे को कजरा के जंगलों में मुक्त किया गया।

वहां से वह किसी तरह कजरा स्टेशन तक पैदल चलकर पहुंचा तब उसने किसी के माध्यम से घर में सूचना दी। तब उसे वहां से उसे लाया जा सका। खाली पैर चलने की वजह से उसके पैर में फफोले हो गए हैं। भूखे प्यासे उसकी हालत थकान सी है। विदित हो कि शनिवार की रात भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के हथियारबंद दस्ते ने उसे अपने घर से अगवा कर लिया था। इस दौरान पुलिस एवं नक्सली संगठन के बीच मुठभेड़ हो गया था जिसमें एक हार्डकोर नक्सली प्रमोद कोड़ा मारा गया था।

इधर संबंधित मामले में पीरी बाजार थानाध्यक्ष प्रजेश कुमार दूबे

ने बताया कि पुलिस द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई एवं संभावित ठिकानों पर की जा रही कार्रवाई का नतीजा है कि मजबूर होकर नक्सलियों ने दीपक को रिहा कर दिया। थानाध्यक्ष के अनुसार दीपक की तलाश में पुलिस एवं एसटीएफ की टीम लगातार अभियान चला रही थी। ऐसे में अपहृत को छिपाकर रखना उनके लिए मुश्किल हो गया था। उन्होंने दावा किया कि पुलिस के बढ़ते दबाव के कारण नक्सलियों ने दीपक को मुक्त कर दिया। अपने सहयोगी के मारे जाने से नक्सली बैकफुट पर है। उसके हौसले पस्त हैं। उधर लेवी देने के बाद दीपक को मुक्त किए जाने की चर्चा है। दीपक की रिहाई को भले ही पुलिस अपनी सफलता व कार्रवाई का नतीजा मान रहा हो लेकिन ग्रामीणों में चर्चा है कि दीपक को लेवी लेकर ही मुक्त किया गया है। परिवार के सदस्य इस मामले कुछ बोलने से परहेज कर रहे हैं। उनके अनुसार पुलिस की दबिश में दीपक को मुक्त किया गया है।

मधुबनी के स्थानीय कलाकार की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां मन को भा रहीं

मधुबनी (एजेंसी)। धनतेरस की तिथि नजदीक आने के साथ इसकी तैयारी शुरू हो गई है। दीपावली के दिन पूजा के लिए भगवान लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति धनतेरस के दिन खरीदारी की मान्यता रही है। धरतेरस और दीपावली में माता लक्ष्मी भगवान गणेश की मूर्तियों की बडे पैमाने पर बिक्री होती है। बाजार में स्थानीय मूर्तिकारों द्वारा तैयार मूर्तियों के अलावा कोलकाता में निर्मित लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां देखी जा रही हैं। हालांकि, बाजार में चीन में तैयार मूर्तियां इस बार नजर नहीं आ रही। बता दें कि गलवन की घटना के बाद बदली परिस्थिति में यहां के मूर्ति विक्रेता चीन की मूर्तियों की बिक्री से परहेज कर रहे हैं। अन्य प्रदेशों की मूर्तियां की बजाय स्थानीय स्तर पर तैयार मूर्तियों को लोग पसंद कर रहे हैं। दुकानदारों ने भी ऐसी मूर्तियों की बिक्री को तरजीह दे रहे हैं।

अनेकों लोग सोने-चांदी से बने गणेश-लक्ष्मी की खरीदारी करते हैं। धनतेरस को लेकर बाजार की रौनक बढ़ गई है। धनतेरस व दीपावली पर जिले में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों का करीब एक करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान हैं।मूर्तिकला में राज्य पुरस्कार प्राप्त मंगरौनी के मूर्तिकार रामकुमार पंडित ने बताया कि स्थानीय स्तर पर तैयार लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की मांग बढी है। इससे मूर्तिकारों की आमदनी में इजाफा होगा। बाजार में स्थानीय मूर्तिकारों द्वारा बनाई गई लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां 40 से 50 रुपये में मिल रहे हैं। वहीं, बाहर से मंगाई गई प्लास्टर आफ पेरिस की मूर्तियां 60 से 500 रुपये तक में मिल रहे हैं। पंडित शंभूनाथ झा ने बताया कि दीपावली के दिन मिट्टी के गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति का पूजन करने से धन-धान्य व सुख-समृद्धि आती है। शहर के एक मूर्तिकार सोनी देवी ने बताया कि दीया और भगवान गणेश, लक्ष्मी की मूर्ति निर्माण के लिए काला मिट्टी की जरूरत होती है। जिसकी पहचान मूर्तिकारों को होती है। एक दशक पूर्व तक शहर व इससे सटे गांव के मूर्तिकार स्थानीय जीवछ नदी किनारे खुदाई कर काला मिट्टी निकालते थे। धीरे-धीरे नदियों के किनारे मिट्टी काटने पर रोक के बाद से मूर्तिकारों ने मिट्टी की खरीदारी शुरू कर दी। पिछले वर्ष 1500 रुपये ट्रैक्टर मिट्टी की खरीदारी की गई थी। इस वर्ष इसकी कीमत दो हजार पर पहुंच गई है। क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी की कटाई स्थल से काला मिट्टी की पहचान कर उसकी खरीदारी की जाती है। इस मिट्टी में खेत में पाए जाने वाला सफेद बालू मिलाया जाता है।

पटना की युवती से अस्पताल में गंदा काम, तुम अच्छी लगती हो बोल बना लिया वीडियो

मसौढ़ी (पटना)। राजधानी पटना में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली एक युवती के साथ अस्पताल के एक कर्मी द्वारा दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाने और फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छह साल तक उसका शारीरिक शोषण करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में युवती ने नवादा जिला के हिसुआ थाना के धुरिया ग्रामवासी रामविलास सिंह के पुत्र राजेश प्रताप के खिलाफ सोमवार को थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक युवती पटना के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपने नानी के घर पर ही रहती है। मिली जानकारी

के मुताबिक पीड़ित युवती के माता-पिता नहीं है। बताया जाता है कि वर्ष 2014 में उसकी नानी की तबियत खराब हो गई थी। जिसके बाद वो नानी का इलाज कराने पटना के एक अस्पताल में गई थी। युवती का आरोप है कि नानी के इलाज के दौरान आरोपित सह अस्पताल का कर्मी राजेश कुमार उसे बहला-फुसलाकर एक कमरे में ले गया। कमरे में लेकर जाने के बाद युवती को आरोपित ने नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गंदा काम किया। युवती ने पुलिस को बताया है कि आरोपित ने उसका गंदा वीडियो भी बनाया और उसे इंटरनेट मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ छह साल तक दुष्कर्म करता रहा। पीड़ित युवती ने यह भी आरोप लगाया है कि इस दौरान आरोपित ने शादी का झांसा दिया और पटना स्थित चाचा के घर पर लेकर जाकर उसके साथ गंदा काम करता रहा। युवती ने पुलिस से शिकायत की है कि आरोपित ने उससे शादी नहीं की और उसे छोड़ दिया है।

पटना में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, दो छात्रों की मौके पर मौत

पटना (एजेंसी)। पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के चितकोहरा पुल पर मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी की इसपर सवार एक छात्र पुल से नीचे गिर गया। जबकि दूसरे छात्र को एक कार ने कुचल दिया। इस दुर्घटना में दोनों छात्रों की मौत हो गई है। मृत छात्रों की पहचान हरनीचक निवासी अंकित कुमार (19) और शाहपुर के चिपुरा के रहने वाले मनीष कुमार (18) के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर गांधी मैदान यातायात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक अंकित अपने दोस्तों के साथ रोजाना सुबह के सैर के लिए इक्को पार्क जाता था। मंगलवार सुबह अंकित अपने दोस्त मनीष के साथ पल्सर मोटरसाइकिल से इक्को पार्क जाने के लिए निकला था। बताया जाता है कि सुबह करीब 5.30 बजे जैसे ही वे चितकोहरा पुल पर पहुंचे तेज गति के कारण उनकी बाइक पुल पर बने डिवाइडर से टकरा गई।

घटना के वक्त बाइक की गति काफी तेज थी। लिहाजा छात्र अंकित उछल कर पुल के नीचे जा गिरा। जबकि दुर्घटना से सड़क पर गिरे मनीष को पुल पर आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो कार ने रौंद दिया।बाद में कार सवार फरार हो गया। दुर्घटना के बाद किसी राहगीर ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद बुरी तरह घायल छात्रों को पीएमसीएच ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने दोनों छात्रों को मृत घोषित कर दिया। यातायात थाना पुलिस ने घटना की जानकारी छात्र के स्वजनों को दे दी है।

मतगणना केंद्र में पुलिस-पब्लिक में भिड़ंत, पुलिस ने महिला उम्मीदवार को पीटा, दो जवानों पर कार्रवाई

बांका (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव चल रहा है। पांचवें चरण का मतगणना कार्य जारी है। बांका के अमरपुर प्रखंड में हुए चुनाव का मतगणना पीबीएस कालेज में चल रहा है। यहां अचानक उस समय अफरातफरी मच गई जब पुलिस और आम लोगों में भिडंत हो गई। पुलिस पर आरोप है कि उसने महिला प्रत?याशी को पीट दिया है। इस कारण यहां आम लोग उग्र हो गए। इस कारण दो पुलिस को लाइन हाज?िर किया गया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय मतगणना केंद्र पीएबीएस कालेज में मंगलवार को पुलिस और पब्लिक में भिड़त हो गई। इस क्रम में अफरा-तफरा का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंचे एसडीपीओ डीसी श्रीवास्तव ने दोषी दो जवानों को लाइन हाजिर

कर दिया है। जानकारी के अनुसार अमरपुर प्रखंड के पंचायत चुनाव की गिनती हो रही है। इसी क्रम में केंद्र के बाहर भीड़ जमा हो गई। पुलिस द्वारा भीड़ हटाने में खेमीचक की वार्ड सदस्य उम्मीदवार रुमा देवी की पिटाई कर दी। इससे नाराज भीड़ ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हमला बोल दिया। भीड़ को बढ़ते देख जवानों ने लाठी चार्ज किया। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना पर एसडीओ डा प्रीति, एसडीपओ सहित अन्य पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित किया। एसडीपीओ ने बताया कि दोषी जवान को डयूटी से हटा दिया गया है। इस सूचना के बाद भीड़ शांत हुई है। ज्ञात हो कि उक्त केंद्र पर अमरपुर प्रखंड के 19 पंचायतों की मतगणना हो रही है। इस क्रम में रिजल्ट की घोषणा होते ही बाहर में समर्थकों द्वारा शोरगुल शुरु कर दिया जाता है।

इस कारण मुख्य गेट पर भीड़ होने लगती है। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस लाइन से दूसरे जवानों को बुलाकर डयूटी पर लगाई गई है। काफी देर तक वहां अफरातफरी मची रही। काफी देर तक हंगामा होता रहा। लोगों का कहना है कि पुलिस ने आमनवीय व?यवहार किया है।

हरमनप्रीत अगले साल 'फेयर ब्रेक' के टी20 आमंत्रण टूर्नामेंट में कप्तानी करेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी) । भारतीय महिला टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अगले साल 'फेयरब्रेक' के पहले आमंत्रण टी20 टूर्नामेंट में एक टीम की अगुवाई करेंगी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। टूर्नामेंट आईसीसी द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिता है जिसका आयोजन एक से 15 मई तक हांगकांग में क्रिकेट हांगकांग के सहयोग से किया जाएगा। 'फेयरब्रेक' ने ट्वीट किया, ''फेयरब्रेक यह घोषणा करते हुए उत्साहित है कि हरमनप्रीत कौर फेयरब्रेक के पहले आमंत्रण टी20 टूर्नामेंट में छह टीमों में से एक की कप्तानी करेंगी। कृपया हरमनप्रीत का स्वागत करने में हमारे साथ शामिल हों।'' ट्वीट का जवाब देते हुए, हरमनप्रीत ने लिखा, '' मुझे वास्तव में इस टूर्नामेंट का इंतजार है।'' टूर्नामेंट में छह टीमें शामिल होंगी और इसमें दुनिया भर के खिलाड़ी भाग लेंगे। यह महिला क्रिकेट इतिहास में दुनिया का पहला निजी रूप से वित्त पोषित टूर्नामेंट होगा। हरमनप्रीत खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे अधिक मांग वाली बल्लेबाज हैं। वह फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए महिला बिग बैश लीग में खेल रही है। दायें हाथ की इस विस्फोटक बल्लेबाज ने इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड में 'द हंड्रेड' के उद्घाटन सत्र में भी भाग लिया था।

आईपीएल में शामिल दो नई टीमों के मूल्य को देखकर हैरान हुए वार्न

नई दिल्ली (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्पिनर शेन वार्न ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की दो टीमों के लिए खर्च की गई राशि को देखने के बाद, पता चलता है कि क्रिकेट दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल क्यों बन गया है। वार्न ने ट्विट किया, दोनों टीमों के मालिकों को मेरी शुभकामनाएं। दोनों टीमों के लिए बड़ी रकम खर्च की गई, उससे ये पता चलता है कि क्रिकेट दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय और बड़ा खेल क्यों है? सौरव गांगुली और बीसीसीआई और आईपीएल से जुड़ी पूरी टीम को मेरी शुभकामनाएं। बता दें कि आईपीएल में अहमदाबाद और लखनऊ के रूप में दो नई टीमें जुड़ी। अहमदाबाद को सीवीसी कैपिटल ने 5625 करोड़ रुपये में खरीदा और लखनऊ को संजीव गोयनका की आरपीएसजी वेंचर्स लिमिटेड ने 7090 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं, बीसीसीआई अध्यक्ष, सौरव गांगुली ने कहा, ष्बीसीसीआई इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र से दो नई टीमों का स्वागत करने के लिए खुश है। मैं आरपीएसजी वेंचर्स लिमिटेड और इरेलिया कंपनी पीटीई लिमिटेड को सफल बोली लगाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। आईपीएल अब भारत के दो नए शहरों लखनऊ और अहमदाबाद में जाएगा। दो नई टीमों को इतने उच्च मूल्यांकन पर शामिल करते हुए देखना खुशी की बात है, और यह हमारे क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र की क्रिकेट और वित्तीय ताकत को दोहराता है।

स्कॉटलैंड पर मिली बड़ी जीत के बाद भी हम आत्मसंतुष्ट नहीं: नवीन उल-हक

शारजाह (एजेंसी) । आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप के ग्रुप 2 में स्कॉटलैंड पर अपनी भारी जीत के बावजूद अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उल-हक ने जोर देकर कहा कि इस बड़ी जीत के बावजूद टीम आत्मसंतुष्ट नहीं है। स्कॉटलैंड की टीम अफगानिस्तान द्वारा दिए गए 191 रन का पीछा करते हुए सिर्फ 60 रनों पर सिमट गई। अफगानिस्तान की टीम 130 रन से मैच जीतने में सफल रही है। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब और राशिद ने कहर बरपाया, मुजीब ने 5 विकेट लिए तो वहीं राशिद ने 4 विकेट लेकर स्कॉटलैंड की टीम का काम तमाम कर दिया। एक विकेट नवीन-उल-हक ने हासिल किया। मैच के बाद नवीन ने कहा, ष्हर टूर्नामेंट का पहला मैच बहुत महत्वपूर्ण होता है इसलिए यह एक अच्छा टीम प्रयास था और हमें टूर्नामेंट में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए उस जीत की जरूरत थी। हमारे खिलाड़ी इसके लिए तैयार थे। बहुत सारे हमारे खिलाड़ी अलग-अलग लीग में खेल रहे थे और भाग ले रहे थे, इसलिए सभी लड़के इस टूर्नामेंट और इस मैच के लिए तैयार थे। उन्होंने आगे कहा, ष्हमें अपना टूर्नामेंट शुरू करने के लिए उस जीत की आवश्यकता थी इसलिए हम नहीं कहेंगे कि हम इस जीत से आत्मसंतुष्ट हैं। हम जीत का आनंद लेंगे, यह एक शानदार खेल था, लेकिन टूर्नामेंट को देखते हुए हमारे पास अभी भी चार मैच हैं।

लवलीना और शिव थापा एआईबीए एथलीट समिति में जगह के दावेदार

नयी दिल्ली (एजेंसी) । ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पांच बार के एशियाई पदक विजेता शिव थापा अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) की एथलीट समिति में एशिया का प्रतिनिधि बनने की दौड़ में हैं, जिसका गठन पुरुषों और महिलाओं की विश्व चौंपियनशिप के दौरान मतदान से किया जाएगा। पुरुषों का विश्व चौंपियनशिप अभी बेलग्रेड में चल रही है, जहां थापा 63.5 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा पेश कर रहे हैं। महिला विश्व चौंपियनशिप का आयोजन दिसंबर में तुर्की में किया जा सकता है। लवलीना को तोक्यो ओलंपिक के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में जगह मिली है। एआईबीए को पांच परिसंघों से 34 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से 27 को योग्य पाया गया। लवलीना और थापा में से यदि किसी को चुना जाता है, तो यह लगातार दूसरी बार पैनल में भारत की उपस्थिति सुनिश्चित करेगा। पूर्व विश्व चौंपियन एल सरिता देवी को अंतरिम अध्यक्ष मोहम्मद मुस्तहसेन के कार्यकाल के दौरान 2019 में एथलीट समिति में निर्विरोध चुना गया था। एशियाई ब्लॉक के दावेदारों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। लवलीना को उत्तर कोरिया की पूर्व विश्व चौंपियन और दो बार की एशियाई पदक विजेता पैंग चोल मिह और कजाकिस्तान की दो बार की विश्व चौंपियन और मौजूदा एशियाई स्वर्ण पदक विजेता नायजम किजैबे से चुनौती मिलेगी। थापा का सामना उज्बेकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चौंपियन बखोदिर जलोलोव, पाकिस्तान के अवैस अली खान और कजाकिस्तान के दो बार के विश्व और एशियाई चौंपियनशिप पदक विजेता अबलाखान झुसुपोव से होगा। प्रत्येक परिसंघ से एक महिला और एक पुरुष सदस्य एथलीट समिति में चुना जाएगा।

मर्रे की हरकाज पर संघर्षपूर्ण जीत

वियना (एजेंसी) । एंडी मर्रे ने एरेस्टे बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हूबर्ट हरकाज को 6-4, 6-7 (6), 6-3 से हराया जो पिछले 14 महीनों में किसी शीर्ष 10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है।

मर्रे दूसरे सेट के टाईब्रेकर में मैच प्वाइंट हासिल करने से चूक गये थे लेकिन विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ने तीसरे सेट में अच्छा खेल दिखाकर दो घंटे 40 मिनट तक चले मैच में जीत दर्ज की।

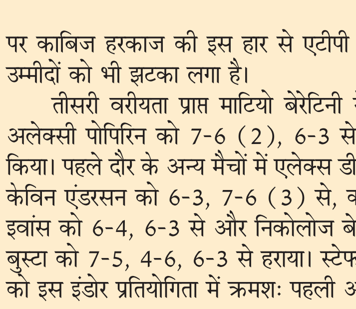

अगस्त 2020 में सिनसिनाटी मास्टर्स में अलेक्सांद्र जेवरेव को हराने के बाद मर्रे की किसी शीर्ष 10 खिलाड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। विश्व रैंकिंग में 10वें नंबर पर काबिज हरकाज की इस हार से एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीदों को भी झटका लगा है।

तीसरी वरीयता प्राप्त माटियो बेरेटिनी ने आस्ट्रेलिया के क्वालीफायर अलेक्सी पोपिरिन को 7-6 (2), 6-3 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। पहले दौर के अन्य मैचों में एलेक्स डी मिनौर ने 2018 के चौंपियन केविन एंडरसन को 6-3, 7-6 (3) से, कार्लोस अल्कराज ने डेनियल इवांस को 6-4, 6-3 से और निकोलोज बेसिलशविली ने पाब्लो कारेनो बुस्टा को 7-5, 4-6, 6-3 से हराया। स्टेफनोस सिटसिपास और जेवरेव को इस इंडोर प्रतियोगिता में क्रमशः पहली और दूसरी वरीयता दी गयी है।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में इंग्लैंड का सामना करने उतरेगा बांग्लादेश

अबुधाबी (एजेंसी) । गत चौम्पियन वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रभावशाली जीत दर्ज कर अपने अभियान का शानदार आगाज करने वाली इंग्लैंड की टीम के सामने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के अगले मुकाबले में बुधवार को यहां बांग्लादेश की चुनौती होगी।

ग्रुप एक के इस मैच में इंग्लैंड का पलड़ा भारी होगा लेकिन बांग्लादेश की टीम को उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने का बेहतर अनुभव है।

कप्तान इयोन मोर्गन की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 14.2 ओवर में 55 रन पर आउट करने के बाद महज 8.2 ओवर में जीत दर्ज की थी।

दोपहर में शुरू होने वाले इस मैच में मौजूदा एकदिवसीय विश्व चौंपियन को अबुधाबी की कड़ी गर्मी झेलनी होगी, जहां उमस भरे माहौल में तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चढ़ता है। इंग्लैंड के लिए हालांकि अच्छी बात यह है कि अबुधाबी की पिच को तेज गेंदबाजों के लिए मददगार माना जाता है और ऐसे में मोर्गन एक बल्लेबाज की जगह टीम में मार्क वुड को शामिल कर सकते हैं।

इस स्थल पर अब तक हुए चार मैचों में तीन में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमें सफल रही हैं। इंग्लैंड की टीम टूर्नामेंट में बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर और सैम कुरेन जैसे खिलाड़ियों के बिना पहुंची है लेकिन हरफनमौला मोईन अली ने शानदार गेंदबाजी कर इस तिकड़ी की कमी महसूस नहीं होने दी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मोईन ने पावर प्ले के अंदर दो सफलता हासिल की और चार ओवर में एक मेडन के साथ सिर्फ 17 रन दिये। इससे पावरप्ले में वेस्टइंडीज का स्कोर चार विकेट पर 33 रन हो गया। इसके बाद रही सही कसर आदिल राशिद ने 2.2 ओवर में दो रन देकर चार विकेट लेकर पूरी कर दी। बांग्लादेश की टीम इस प्रारूप के विश्व कप में अपने रिकॉर्ड को सुधारना चाहेगी। टीम 2007 के बाद से अब तक सिर्फ सात मैच जीत सकी है जिसमें टेस्ट खेलने वाले देश (वेस्टइंडीज) के खिलाफ महज एक सफलता है।

उनके लिए यहां की परिस्थितियों का फायदा उठाना जरूरी होगा। टीम श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में अपने दिग्गज हरफनमौला शाकिब अल हसन का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सकी थी।

बायें हाथ के इस गेंदबाज ने शुरुआती ओवरों में श्रीलंका के दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा जिससे 10 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 79 रन था। वह जब दोबारा गेंदबाजी के लिए आये तब तक मैच बांग्लादेश की पकड़ से लगभग निकल चुका था।

इंग्लैंड के पास एक मजबूत बल्लेबाजी क्रम है, लेकिन उसका शीर्ष क्रम वेस्टइंडीज के खिलाफ महज 56 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अस्थिर दिख रहा था। मुस्तफिजुर रहमान की अगुवाई वाली बांग्लादेश के तेज गेंदबाज इसका फायदा उठाना चाहेंगे।

बांग्लादेश के पास तस्कीन अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन और बायें हाथ के तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम जैसे बेहतर तेज गेंदबाज हैं।

टीमः इंग्लैंडः इयोन मोर्गन (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, सैम बिलिंग्स, जोस बटलर, टॉम करेन, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, आदिल राशिद, जेसन रॉय, डेविड विली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

टी20 वर्ल्ड कप: अफगानिस्तान ने स्कॉटलैंड को बुरी तरह रौंदा, 130 रनों से दी मात

शारजाह (एजेंसी) । मुजीब उर रहमान (5/20) की शानदार गेंदबाजी की वजह से यहां शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को

खेले जा रहे मैच में अफगानिस्तान ने स्कॉटलैंड को 130 रनों से हरा दिया। टॉप जीतकर पहले बल्लेबाजी करने आई अफगानिस्तान टीम ने 4 विकेट पर 190 रन बनाए थे। इसके जवाब में 191 रनों का पीछा करने उतरी स्टॉकलैंड की टीम महज 60 रनों पर ही ऑल आउट हो गई। अफगानिस्तान टीम ने बड़ी जीत से इस टूर्नामेंट का आगाज किया है। अफगानिस्तान की ओर से मैच के हीरो रहे मुजीब उर रहमान ने सबसे ज्यादा 5 विकेट अपने नाम किए। वहीं, राशिद खान ने 4 विकेट, तो नवीन-उल-हक ने 1 विकेट लिए। अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों को महज 10.2 ओवरों में ही समेट कर रख दिया। रनों का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जॉर्ज मुन्से ने टीम की ओर से सबसे ज्यादा 2 चौके 2 छक्कों की मदद से 18 गेंदों में 25 रन बनाए। इसके बाद रहमान ने मुन्से को आउट किया। अफगानिस्तान के गेंदबाजों के आगे स्कॉटलैंड की टीम 20 ओवर भी नहीं टिक सकी और एक के बाद एक विकेट गिरते चले गए। इसी के साथ अफगानिस्तान ने इस मैच को 130 रनों से अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान टीम ने धुआंधार बल्लेबाजी कर 4 विकेट खोकर 190 रन बनाए थे। टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन नजीबुल्लाह जदरान ने 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 34 गेंदों पर 59 रन बनाए। इसके साथ ही हजरतुल्लाह जजई (44) और रहमानुल्लाह गुरबाज (46) रनों की शानदार पारी खेल टीम का स्कोर 190 रनों तक पहुंचा दिया। स्कॉटलैंड की तरफ से सफ्यान शरीफ ने गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके।

सैयद मुश्ताक अली टी20 में महाराष्ट्र की अगुवाई करेंगे रुतुराज

पुणे (एजेंसी) । भारतीय बल्लेबाजी की नयी सनसनी रुतुराज गायकवाड़ चार नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 प्रतियोगिता में महाराष्ट्र का नेतृत्व करेंगे। महाराष्ट्र को एलीट ग्रुप ए में रखा गया है और वह लीग चरण के अपने मैच लखनऊ में खेलेगा। उसका पहला मुकाबला तमिलनाडु से होगा। इंडियन प्रीमियर लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले गायकवाड़ के साथ नौशाद शेख को उप कप्तान बनाया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के राहुल त्रिपाठी आईपीएल फाइनल में लगी चोट से अभी नहीं उबरे हैं और उन्हें टीम में नहीं लिया गया है। सीनियर बल्लेबाज केदार जाधव को भी टीम में शामिल किया गया है। महाराष्ट्र की टीम इस प्रकार हैः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), नौशाद शेख (उपकप्तान), केदार जाधव, यश नाहर, अजीम काजी, रंजीत निकम, सत्यजीत बछ्व, तरनजीत सिंह ढिल्लों, मुकेश चौधरी, आशा पालकर, मनोज इंगले, प्रदीप दाधे, शमशुजामा काजी, स्वप्निल फुलपागर, दिव्यांग हिंगानेकर, सुनील यादव, धनराजसिंह परदेशी, स्वप्निल गुगले, पवन शाह और जगदीश जोप।

पाकिस्तान टी20 विश्व कप में पूरे आत्मविश्वास के साथ आया है: विलियम्सन

शारजाह (एजेंसी) । न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन का मानना है कि पाकिस्तान आईसीसी टी20 विश्व कप में पूरे आत्मविश्वास के साथ आया है। विलियम्सन ने कहा, जिस तरह से उन्होंने भारत को दस विकेट से हराया, उन्हें इस टूर्नामेंट को जीतने का प्रबल दावेदार बनाता है। न्यूजीलैंड टूर्नामेंट में अभियान की शुरुआत मंगलावर को पाकिस्तान के खिलाफ शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में करेगा। विलियम्सन ने सोमवार को प्रेस कॉफ्रेंस में कहा, पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। मुझे लगता है कि वह इस टूर्नामेंट के लिए आत्मविश्वास से भड़े हुए हैं और वह इन परिस्थितियों में बाकी टीमों के मुकाबले सबसे ज्यादा खेल चुके हैं। जिस तरह का प्रदर्शन उन्होंने किया, इससे साफ पता चलता है कि वह इस टूर्नामेंट को जीतने के प्रबल दावेदार हैं। उन्होंने कहा, हमारे खिलाफ भी पाकिस्तान की टीम पूरी क्षमता से खेलेगी। हम फिलहाल अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं और यहां कि परिस्थितियों को समझ रहे हैं। हमें यहां तीनों स्थलों पर खेलना है और मुझे लगता है कि हर स्थल की परिस्थिति अलग होने वाली है। विलियम्सन ने पाकिस्तान की टीम को यूवा और अनुभवी खिलाड़ियों की संयोजन वाली टीम बताया। उन्होने कहा, उनकी टीम का

संयोजन बेहतरीन है। टीम में यूवा और अनुभवी खिलाड़ियों के होने से उनकी टीम काफी मजबूत है। मध्यक्रम में मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक टीम को काफी अनुभव प्रदान करते हैं। बाबर और रिजवान जो शीर्ष क्रम में शानदार फॉर्म में हैं। न्यूजीलैंड ने हाल ही में सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान का दौरा रद्द कर दिया था जिसके बाद यह पहला मौका होगा जहां दोनों टीमें आमने सामने होगी।

उम्मीद है आगे भी ऐसा प्रदर्शन जारी रखेंगे: नबी

शारजाह (एजेंसी) । अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने सोमवार को यहां टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड पर बड़ी जीत का श्रेय अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों तथा स्पिनरों को दिया और उम्मीद

जतायी कि आगे भी उनकी टीम ऐसा प्रदर्शन जारी रखेगी। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 190 रन बनाये और फिर मुजीब उर रहमान के पांच और राशिद खान के चार विकेट की मदद से स्कॉटलैंड को 10.2 ओवर में 60 रन पर समेट दिया। नबी ने मैच के बाद कहा, ''यह हमारी रणनीति थी। पहले बल्लेबाजी करके बड़ा स्कोर बनाना। हमारे सलामी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरुआत दिलायी और फिर रहमनुल्लाह गुरबाज और नजीबुल्लाह जादरान ने अच्छी तरह से स्ट्राइक रोटेट की।'' उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि राशिद और मुजीब दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों में शामिल है। यह वास्तव में बहुत अच्छी टीम है और उम्मीद है कि हम आगे भी जीतना जारी रखेंगे।'' स्कॉटलैंड के कप्तान काइल कोएट्जर ने कहा कि उनकी टीम को जल्द से जल्द अपनी कमजोरियों से पार पाना होगा। उन्होंने कहा, ''हमने यहां कुछ अच्छी क्रिकेट खेली है लेकिन कई बार चीजें रणनीति के अनुसार नहीं होती है। श्रेय अफगानिस्तान को जाता है। मैं चाहता हूं कि हमारे खिलाड़ी अपने खेल पर मनन करें और अगले मैच के लिये बेहतर तैयारियों के साथ उतरें। मुझे पूरा विश्वास है ।

डेविस कप फाइनल्स में अपने देशों की अगुवाई करेंगे जोकोविच और मेदवेदेव

लंदन (एजेंसी) । विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और यूएस ओपन चौंपियन दानिल मेदवेदेव अगले महीने शुरू होने वाले डेविस कप फाइनल्स में अपनी टीमों की अगुवाई करेंगे।

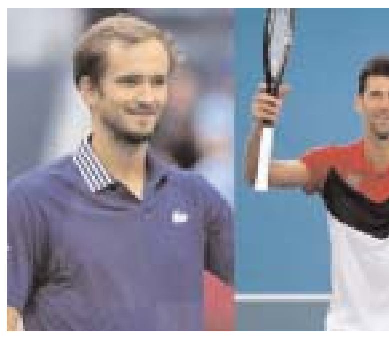

बीस बार के ग्रैंडस्लैम चौंपियन और 2021 में कैलेंडर ग्रैंडस्लैम पूरा करने से चूकने वाले जोकोविच को सबियाई टीम में शामिल किया गया है। उनके अलावा फिलिप क्राजिनोविच, दुसान लाजोविच, लास्लो जेरे और मिओमिर केकमानोविच को टीम में रखा गया है। यूएस ओपन में जोकोविच को हराकर अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल करने वाले विश्व में नंबर दो मेदवेदेव रूसी टीम की अगुवाई करेंगे जिसमें नंबर छह आंद्रे रूबलेव, नंबर 19 असलान करात्सेव, नंबर 30 कारेन खाचनोव और इवगेनी डोनस्कोइ शामिल हैं। मैड्रिड, इनसब्रक (आस्ट्रिया) और तूरिन (इटली) में 25 नवंबर से इंडोर हार्डकोर्ट पर शुरू होने वाले ग्रुप चरण के मैचों में 18 टीमें भाग लेंगी। इन शहरों में क्वार्टर फाइनल होने के बाद सेमीफाइनल और फाइनल मैड्रिड में खेले जाएंगे। स्पेन डेविस कप में अभी मौजूदा चौंपियन है। उसने 2019 में खिताब जीता था। कोविड-19 के कारण पिछले साल टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हो पाया था। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में रूस, स्पेन और इक्वाडोर, ग्रुप बी में कनाडा, कजाखस्तान और स्वीडन, ग्रुप सी में फ्रांस, ब्रिटेन और चेक गणराज्य, ग्रुप डी में क्रोएशिया, आस्ट्रेलिया और हंगरी, ग्रुप ई में अमेरिका, इटली और कोलंबिया तथा ग्रुप एफ में सर्बिया, जर्मनी और आस्ट्रिया को रखा गया है।

कोहली ने पूरी खेल भावना से हार स्वीकार की: सना मीर

दुबई (एजेंसी) । पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सना मीर का मानना है कि विराट कोहली हार को पूरी खेल भावना से स्वीकार करने में भी आदर्श खिलाड़ी हैं जिससे भारतीय कप्तान के सुरक्षा भाव का भी पता चलता है।

भारत टी20 विश्व कप के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से 10 विकेट से हार गया था। यह विश्व कप (वनडे और टी20) में पाकिस्तान की भारत पर पहली जीत है। मैच के बाद कोहली ने विजयी टीम के नायक मोहम्मद रिजवान को गले लगाया था। मीर ने आईसीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने कॉलम में लिखा, ''विराट कोहली ने पूरी शिष्टता के साथ हार स्वीकार की और मैं उनकी खेल भावना की प्रशंसा करती हूं। शीर्ष खिलाड़ियों का इस तरह का व्यवहार देखना वास्तव में बहुत अच्छा है।

स्कॉटलैंड के कमजोर पड़े मनोबल पर हावी होने उतरेगा नामीबिया

अबुधाबी (एजेंसी) । क्वालीफायर्स में दो बेहतरीन जीत से सुपर 12 के लिये क्वालीफाई करने वाला नामीबिया अपना शानदार अभियान जारी रखने के उद्देश्य से आईसीसी टी20 विश्व कप में बुधवार को यहां एक अन्य क्वालीफायर स्कॉटलैंड का सामना करेगा। गेरहार्ड इरासमस और उनके साथी विश्व क्रिकेट के लिये अनजान चेहरे हैं लेकिन उन्होंने नीदरलैंड को छह विकेट से हराने के बाद आयरलैंड पर आठ विकेट से जीत दर्ज करके सुपर 12 में जगह बनायी है। यह उस देश के लिये ऐतिहासिक क्षण था जिसका क्रिकेट को लेकर कोई इतिहास नहीं रहा है। आयरलैंड के खिलाफ जीत किसी टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ उसकी पहली जीत है जिससे नामीबिया ने अगले

साल के टी20 विश्व कप में भी अपनी जगह सुनिश्चित कर दी।

नामीबिया अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ने के लिये तैयार है तथा ग्रुप दो में स्कॉटलैंड के खिलाफ जीत से उसका अफगानिस्तान, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैचों के लिये मनोबल बढ़ेगा। स्कॉटलैंड ने क्वालीफायर्स में तीन जीत से सुपर 12 में जगह बनायी लेकिन यहां पहले मैच में ही उसे अफगानिस्तान से 130 रन की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा जिससे निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों के मनोबल पर विपरीत प्रभाव पड़ा होगा जिसका नामीबिया फायदा उठाने की कोशिश करेगा। काइल कोएट्जर की अगुवाई वाली टीम 191 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 10.2 ओवर में 60 रन पर ढेर हो गयी। उसके लिये इतनी जल्दी इस हार से उबरना चुनौती होगी। नामीबिया ने पिछले दो मैचों में लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी बल्लेबाजी की। उसकी तरफ से कप्तान इरासमस और आलराउंडर डेविड वीज ने अधिकतर रन बनाये हैं। वीज ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी में उसका दारोमदार हालांकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज जान फ्रीलिंक पर टिका रहेगा जिन्होंने अब तक पांच विकेट लिये हैं। स्कॉटलैंड को अगर अफगानिस्तान से मिली हार से उबरना है तो रिची बैरिंगटन, जार्ज मुन्से और मैथ्यू क्रास को बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजों में जोश डेवी सबसे सफल रहे हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में नौ विकेट लिये हैं। उनके अलावा साफ्यान शरीफ मार्क वाट और ब्रैड व्हील ने भी योगदान दिया है। टीमें इस प्रकार हैं: नामीबियाः गेरहार्ड इरासमस (कप्तान), स्टीफन बार्ड, कार्ल बिरकेनस्टॉक, मिचाउ डू प्रीज, जान फ्रीलिंक, जेन ग्रीन, निकोल लोफी-ईटन, बर्नार्ड शोल्ट्ज, बेन शिकोंगो, जेजे स्मिट, रूबेन ट्रम्पेलमैन, माइकल वैन लिंगेन, डेविड वीज, क्रेग विलियम्स और पिक्की या फ्रांस। स्कॉटलैंडः काइल कोएट्जर (कप्तान), रिची बेरिंगटन, डायलन बज, मैथ्यू क्रॉस, जोश डेवी, अलास्डेयर इवांस, क्रिस ग्रीव्स, माइकल लीस्क, कैलम मैकलॉयड, जॉर्ज मुन्से, साफ्यान शरीफ, हमजा ताहिर, क्रेग वालेस, मार्क वाट, ब्रैडली व्हील। मैच भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

अर्चना पूरण सिंह के वीडियो पर इमोशनल हुए शहनाज गिल के फैंस, याद किए पुराने दिन

बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल हाल ही में अपनी फिल्म हौसला रख के प्रमोशन के चलते काम पर लौटी हैं। अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद काफी समय तक फैंस उन्हें देखने के लिए तरस गए थे। इसके अलावा शहनाज और सिद्धार्थ का आखिरी म्यूजिक वीडियो भी हाल ही में रिलीज हुआ है। इस बीच द कपिल शर्मा शो के सेट पर लिया गया अर्चना पूरण सिंह का एक वीडियो जबरदस्त सुर्खियों में आ गया है। इस वीडियो को देखकर शहनाज गिल के फैंस इमोशनल होते नजर आ रहे हैं। जिसके बाद सभी ने अर्चना से एक खास रिक्वेस्ट भी कर डाली है। अर्चना पूरण सिंह ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक रील वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो बिग बॉस में बोला गया शहनाज के एक मशहूर और फनी डायलॉग पर एक्ट करती नजर आ रही हैं। इस इंस्टा रील में अर्चना के साथ रोशेल राव भी नजर आ रही हैं। रोशेल एक मैं इतनी सुंदर हूं मैं क्या करूं पर लिपसिंक कर रही हैं तो वहीं अर्चना, शहनाज के डायलॉग- ये जो बकवास हैं वो सारे कर लेते हैं, तू जाकर काम कर पर एक्ट करती दिख रही हैं। यहां देखें अर्चना और रोशेल का वायरल हो रहा ये वीडियो- इस वीडियो पर अर्चना तो ताबड़तोड़ कमेंट मिल रहे हैं। शहनाज के फैंस उनके इस डायलॉग को सुनकर इमोशनल होते नजर आए। कई फैंस ने बताया है कि शहनाज ने ये डायलॉग बिग बॉस हाउस में माहिरा से बोला था। इसके अलावा कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अर्चना से रिक्वेस्ट की है कि द कपिल शर्मा शो में शहनाज गिल को लेकर भी एक एपिसोड बनाया जाए।

बी प्राकः राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने पर खुश हूं

बी प्राक ने 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में अपने गीत तेरी मिट्टी के लिए बेस्ट प्लेबैक सिंगर का खिताब जीता है। ये उनके लिए खास पल रहा और उन्होंने और भी विजेताओं के साथ इस पल को साझा किया है। गायक ने अपनी बड़ी जीत के बारे में कहा, यह साल बहुत अच्छा रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा यह पुरस्कार जीतने का पल खास हैं। मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि मैं बहुत खुशनसीब हूं कि हमने एक टीम के साथ ऐसा गीत बनाया जो हमारे राष्ट्र के लिए गौरव के साथ गूंजता है। वह कहते हैं कि इस पल को वह कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा, आज का दिन मेरे करियर के लिए अनमोल दिन है। हर कलाकार चाहता है कि उसकी सराहना की जाए और राष्ट्रीय पुरस्कार से बड़ा सम्मान कोई नहीं हो सकता। बी प्राक के गीत तेरी मिट्टी को भारत के नागरिक बहुत उल्लास के साथ गाते हैं क्योंकि यह उन्हें देश की खातिर बलिदान हुए सैनिकों की याद दिलाता है। अरको द्वारा रचित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखा गया गाना 2019 की फिल्म केसरी का मुख्य आकर्षण था। 67वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा मार्च 2021 में की गई थी। हाल ही में उनका समापन किया गया क्योंकि उन्होंने हमारे सिनेमा में प्रतिभा को सम्मानित किया और उनका जश्न मनाया। बी प्राक के अलावा, मनोज बाजपेयी, रजनीकांत, धनुष, कंगना रनौत और विजय सेतुपति जैसे बड़े फिल्म कलाकारों को भारतीय सिनेमा में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया है।

उर्फी जावेद

कभी दिखती थीं ऐसी! अपनी आंखों पर नहीं होगा आपको यकीन

सोशल मीडिया पर आजकल एक नाम काफी चर्चा में है, और वो नाम है उर्फी जावेद का। उर्फी हाल ही में करण जौहर के शो 'बिग बॉस ओटीटी' में नज़र आई थीं। शो में तो उर्फी ज्यादा दिन नहीं टिक पाई, लेकिन अपनी बोल्डनेस की वजह से वो ज़रूर

खबरों में आ गई। बिग बॉस ओटीटी को खत्म हुए एक महीने से ज्यादा हो चुका है, लेकिन ऐसा कोई दिन नहीं जाता जब उर्फी की कोई न कोई हॉट और बोल्ड फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल न हो। अपनी बोल्डनेस की वजह से एक्ट्रेस आने दिन खबरों में छाई रहती हैं। इसी बीच उर्फी की कुछ थ्रोबेक फोटोज़ सामने आई हैं जिसमें एक्ट्रेस बिल्कुल पहचानने में आ रही हैं। एक फोटो को उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है तो वहीं दूसरी फोटो को उनकी खास दोस्त उरूसा जावेद ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस फोटो में उर्फी अपने दोस्ते के साथ खड़ी हैं। इस दौरान उन्होंने लाइट पीच कलर का टॉप और सफेद सफेद पहनी हुई है। एक्ट्रेस अपने दोस्तों के साथ किसी रेस्टोरेंट में मौजूद हैं। वहीं दूसरी थ्रोबेक तस्वीर जो उर्फी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है उसमें भी वो अपनी दोस्त ऊरूसा के साथ नज़र आ रही हैं।

सबके सामने यूलिया वंतूर ने ऐसे की सलमान खान की बेईज्ज़ती! लोग बोले- 'लगता है भाभी आज नाराज हैं'

फिल्म अभिनेता सलमान खान के लिए कल यानी 25 अक्टूबर दो मायनों से खास रहा। एक तो उनकी अपकमिंग फिल्म 'अंतिम' का ट्रेलर कल रिलीज़ कर दिया गया वहीं शाम को सलमान ख़ान के जीजा आयुष शर्मा की बर्थडे पार्टी हुई जिसमें इंडस्ट्री के कुछ जानेमाने कलाकार शामिल हुए। इस पार्टी में आयुष के जीजा यानी सलमान भी बन ठनकर पहुंचे, लेकिन वहां कुछ ऐसा हुआ जिसकी वजह से सलमान ख़ान थोड़े गुस्से में नज़र आए। दरअसल, हुआ यूं कि आयुष की बर्थडे पार्टी में सलमान ख़ान अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर के साथ पहुंचे। इस दौरान दोनों सेम रंग के आउटफि पहने थे। जहां भाईजान ब्लैक जींस, ब्लैक जैकेट और शर्ट में नज़र आए तो वहीं यूलिया भी ब्लैक स्कर्ट और टॉप में नज़र आई। लेकिन यूलिया सबके सामने कुछ ऐसा किया जो ज़ाहिर है सलमान ख़ान को बिल्कुल पसंद नहीं आया होगा। हुआ यूं कि जैसे की सलमान और यूलिया गाड़ी से उतरे तो उनकी फोटोज़ लेने के लिए पैपराज़ी जमा हो गए।

इस दौरान सलमान तो पोज़ देने के लिए रुक गए, लेकिन यूलिया ने न ही सलमान की तरफ देखा और ना ही पैपराज़ी की तरफ वो गाड़ी से उतरकर सबको इग्नोर करते हुए अंदर चली गई। भाईजान बहुत देर तक यूलिया को पलटकर देखा भी कि शायद वो वापस आ जाएं या रुक जाएं, लेकिन दोनों में कुछ नहीं हुआ और यूलिया अंदर चली गई। वीडियो में भाईजान के गुस्से वाले एक्सप्रेशन साफ नज़र आ रहे हैं। हालांकि भाईजान ने वहां कुछ नहीं कहा और पैपराज़ी को पोज़ देकर वो भी अंदर चले गए। सलमान और यूलिया का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और लोग तरह-तरह कयास लगा रहे हैं। कोई कह रहा है कि 'भाभी नाराज हैं' तो कई इसे सलमान की बेईज्जती बता रहा है। अब आप ही देखें वीडियो और खुद फैसला करें कि आखिर माजरा क्या है? **(एजेंसी)**

आर्यन खान वॉट्सऐप चैट्स सामने आने के बाद 3 और स्टार किड्स से पूछताछ कर सकती हैं एनसीबी

बॉलीवुड अभिनेता शाह रुख खान के बेटे आर्यन खान ड्रग्स मामले में इन दिनों जेल में बंद हैं। उन पर ड्रग्स की खरीद करने का आरोप है। आर्यन खान की जमानत पर बॉम्बे हाई कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हो रही है। इससे पहले वॉट्सऐप चैट को आधार बनाकर उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। आर्यन खान की वॉट्सऐप चैट में बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे के नाम का भी खुलासा हुआ है। अनन्या पांडे और आर्यन खान पर कथित तौर पर व्हाट्सऐप चैट सामने आई हैं। अब आर्यन खान की जमानत की सुनवाई से पहले इन दोनों सितारों की एक और चैट का खुलासा हुआ है। अंग्रेजी वेबसाइट इंडिया टुडे की खबर के अनुसार, अनन्या पांडे और आर्यन खान ड्रग्स को लेकर चर्चा करते थे। वहीं, शाह रुख खान के बेटे की दूसरी चैट भी सामने आई है, जिसमें आर्यन खान अपने दोस्त से मजाक करते हुए उसको डराते हैं कि एनसीबी उस पर कार्रवाई करेगी। इंडिया टुडे के मुताबिक, वॉट्सऐप चैट में आर्यन खान एक अचित कुमार से थोक में ड्रग्स खरीदने की बात कर रहे हैं। आर्यन खान ने अचित कुमार से 80,000 रुपये की ड्रग्स (वीड) मंगवाई थी।

आने वाली फिल्म आदिपुरुष की शूटिंग को जल्द पूरा करेंगे प्रभास

टॉलीवुड के सुपरहीरो प्रभास की आने वाली पौराणिक ड्रामा आदिपुरुष हाल के दिनों में सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही पूरी की जाएगी। बैक-टू-बैक शूटिंग में व्यस्त प्रभास आदिपुरुष की टीम में शामिल हो गए हैं। आदिपुरुष का वर्तमान शूटिंग शेड्यूल मुंबई में हो रहा है। इसे अगले महीने के अंत तक पूरा किया जाना है। निर्देशक ओम राउत फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में प्रवेश करने से पहले शूटिंग को समाप्त करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें भारी वीएफएक्स और ग्राफिक्स से जुड़े काम बाकी हैं। यहां तक कहा गया है कि आदिपुरुष में बाहुबली सीरीज की तुलना में ट्रिपल वीएफएक्स होगा। ऐसे में फैंस की उम्मीदें जगजाहिर हैं। ओम राउत 11 अगस्त, 2022 तक फिल्म को रिलीज करने के लिए नॉन-स्टॉप शूटिंग की योजना बना रहे हैं। चूंकि आगामी फिल्म आदिपुरुष में शुरूआत से ही परेशानियों में रही है, वहीं इसे महामारी के कारण कई बार स्थगित भी किया गया था। इस संदर्भ में, निमार्ता शूटिंग से जुड़ी चीजों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वीएफएक्स का काम जल्द ही पूरा हो सके। आगामी 3डी एक्शन ड्रामा फिल्म आदिपुरुष में, अभिनेता प्रभास भगवान राम की भूमिका में है, जबकि अभिनेत्री कृति सेनन सीता की भूमिका निभा रही है, और रावण के रूप में बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान नजर आएंगे।

ऑस्कर की रेस से बाहर हुई विक्की कौशल की 'सरदार उधम' सामने आई बड़ी वजह

विक्की कौशल की फिल्म 'सरदार उधम' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों की ओर से बेतहाशा प्यार मिला है। इस फिल्म से जुड़े लोगों को बीते दिनों ही बड़ा झटका लगा है जब फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने इसे ऑस्कर की एंट्री से बाहर कर दिया था। अब फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया की जूरी की ओर से ये बात सामने आई है कि आखिर 'सरदार उधम' को ऑस्कर एंट्री से बाहर क्यों किया है?

जूरी मेंबर का कहना है कि विक्की कौशल की इस फिल्म में अंग्रेजों के प्रति काफी घृणा दिखाई गई है और इसी वजह के चलते ऐसा फैसला लिया गया है। बात की जाए %सरदार उधम% की तो इसका डायरेक्शन शूजीत सरकार ने किया है। फिल्म में विक्की कौशल के अलावा स्टीफन होगन, बनिता संधू, अमोल पाराशर और शॉन स्कॉट ने अहम रोल निभाया है। फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज किया गया था। शूजीत सरकार हमेशा से ही लीक से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। क्रांतिकारी सरदार उधम सिंह पर शूजीत सरकार काफी लम्बे से फिल्म बनाना चाह रहे थे। सरदार उधम सिंह ने अंग्रेजों के खिलाफ बिना किसी डर के अपनी बात सामने रखी थी। उनकी जिंदगी पर बनी फिल्म के लिए मेकर्स ने अभिनेता इरफान खान को चुना था, लेकिन उनके निधन के बाद विक्की कौशल ने इस रोल को प्ले किया है। ऑस्कर 2022 के लिए 'सरदार उधम' और 'शेरनी' को शॉर्टलिस्ट किया गया था। शॉर्टलिस्ट करने के बाद अब 'सरदार उधम' को बाहर कर दिया गया है। फिल्म 'शेरनी' को भी ओटीटी पर ही रिलीज किया गया था और इस फिल्म में विद्या बालन ने लीड रोल अदा किया है। फिल्म में विद्या बालन फॉरेस्ट ऑफिसर के रोल में नजर आई हैं और उनके रोल को हर किसी ने सराहा है। **(एजेंसी)**

लेस्बियन करवा चौथ वाले एड पर कंपनी के स्टैंड से नाखुश हैं पूजा भट्ट, बोलीं- बस यही करते रहो

बीते कुछ दिनों से डाबर कंपनी के द्वारा रिलीज किए गए एक विज्ञापन की वजह से जमकर बवाल मचा हुआ है। डाबर ने अपने फेम ब्लीच प्रोडक्ट के प्रचार के लिए करवा चौथ के मौके पर एक विज्ञापन बनाया। जिसमें उन्होंने दो लड़कियों को एक दूसरे के लिए व्रत रखने और एक दूसरे का व्रत खुलवाते दिखाया गया था। इस विज्ञापन को देख आम लोग भड़क गए जिसके बाद एमपी एक मिनिस्टर ने भी इस तरह से लोगों की भावनाओं को आहत करने के लिए खरी- खोटी सुनाई थी। इतने बवाल और क्रिटिसिज्म के बाद डाबर ने लोगों के विज्ञापन के लिए माफी मांगी और साथ ही साथ इस विज्ञापन को अपने सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से भी हटा दिया। अब फिल्म मेकर पूजा भट्ट ने डाबर के इस फैसले पर कंपनी की किरकिरी की है। पूजा भट्ट सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री अक्सर देश- दुनिया से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। अब हाल ही में डाबर के लेस्बियन करवा चौथ वाले एड को लेकर मचे बवाल पर पूजा भट्ट ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। पूजा भट्ट ने इस पूरे मामले पर डाबर के स्टैंड पर सवाल खड़ा किया है। पूजा ने सोशल मीडिया के जरिए डाबर पर अपने ही विज्ञापन के साथ ना खड़े रहने के लिए कंपनी को लताड़ लगाई है। पूजा भट्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के जरिए एक ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने लिखा, बस यही करते रहो... बहुत हुआ लोकतंत्र की मां बनना! दया करो डाबर जैसे दिग्गज ने अपने एड के पीछे खड़े होने से इनकार कर दिया। जबकि मैं मूल रूप से एक फेयरनेस क्रीम का समर्थन नहीं करती, मैंने अपनी टिप्पणी सुरक्षित रख ली क्योंकि उन्होंने समावेशिता और #PRIDE का जश्न मनाने का प्रयास किया था तो अब क्यों छुपा रहे हैं? बता दें कि डाबर का ये विज्ञापन देखने के बाद कंपनी को जमकर ट्रोल किया गया था। जिसके बाद कंपनी ने पहले तो माफीनामा जारी किया। लेकिन लोगों ने कंपनी की माफी को स्वीकार नहीं किया और उनके प्रोडक्ट्स को बायकॉट करने की मांग करने लगे। जिसके बाद कंपनी ने बवाल बढ़ता हुआ देख एक और माफीनामा जारी किया। इसके साथ ही उन्होंने इस विज्ञापन को अपने सारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से हटा दिया। इसी को लेकर पूजा भट्ट ने कंपीन के ऊपर अपना गुस्सा जाहिर किया है। **(एजेंसी)**

न्यूकमर शार्वरी ने बिकनी लुक से सोशल मीडिया पर मचाया धमाल

बंटी और बबली 2 के ट्रेलर ने अपनी नई बबली गर्ल, शार्वरी के कारण दर्शकों का खूब ध्यान खींचा है। इसमें अभिनेत्री को बिकनी पहने हुए काफी सेक्सी लुक में दिखाया गयह्यह्या है। जिसे देखकर दर्शकों को फिल्म दोस्ताना में प्रियंका चोपड़ा जोनास के लुक की याद आ गई। अभिनेत्री का लुक प्रियंका चोपड़ा से काफी मेल खा रहा है। उसी के बारे में बात करते हुए, शरवरी ने कहा कि जिस दिन मैंने यह दृश्य शूट किया था, उस दिन मैं सेट पर सबसे खुश थी, क्योंकि प्रियंका चोपड़ा की दोस्ताना में उनकी सुनहरी बिकनी के साथ बीच वाला सीन मेरा फेवरिट था। जब से मैंने एक एक्टर बनने का फैसला किया तो मैंने चुपके से उस तरह के एक सीक्वेंस को मुझ पर फिल्माए जाने की कामना की थी। यह वास्तव में एक प्यारा संयोग है कि बंटी और बबली 2 की स्क्रिप्ट में एक बीच वाला सेम सीक्वेंस था। उनके लिए, शूटिंग का वह विशेष दिन रोमांच और उत्साह से भरा था। उन्होंने खुलासा किया कि इसलिए, शूटिंग के दिन, मैं रोमांचित थी और इसे पूरा करने के लिए आश्वस्त थी। वो कहती हैं, मैं अच्छी स्थिति में थी और मेरे पास इसे शूट करने के लिए सबसे अच्छा करू था। मैं अपनी इच्छा पूरी होते देख रही थी। फिल्म में दो बंटी और दो बबली है, पहले सैफ अली खान और रानी मुखर्जी क्रमशः ओजी बंटी और बबली की भूमिका निभाते हैं, वहीं नई बंटी और बबली गली बॉय फेम अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी और शार्वरी द्वारा निभाई जा रही है।

सिमी गरेवाल के शो में जब रवीना टंडन ने किया रोने से इंकार, कहा- तमाशा क्यों बनाऊं

नब्बे के दशक में मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन अपनी एक्टिंग से लोगों को दिवाना कर देती थीं, हालांकि अब फिल्मों से दूर रहने के बाद वह बी-टाउन में अपनी मद मस्त अदा और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। आज रवीना का 47वां जन्मदिन है। आज एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर आइए जानते हैं उनके बारें में कुछ खास.. 90 के दशक में रवीना एक तरफ जहां बॉलीवुड में अपनी कामयाबी के झंडे गाड़ रही थीं, तो वहीं दूसरी ओर उनकी पर्सनल लाइफ में उनता ही उथल-पूथल मचा हुआ था। इस बात खुलासा तब हुआ जब 2011 में रवीना एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल का सुपरहिट शो 'रैंदवू विद सिमी ग्रेवाल' में शामिल हुई। इस शो में रवीना अपने जिंदगी से जुड़े हर उन पहुलों पर बात की जिससे लोग अंनजान थे। बॉलीवुड से संन्यास, लव-ब्रेकअप इसके अलावा बहुत कुछ चीजों पर बात करने के बाद वह मायूस और टूटी हुई नजर आई । रवीना के चेहरे पर छाई मायूसी को देखकर तब सिमी ने एक्ट्रेस से अपने दिल हल्का करने को कहा, लेकिन रवीना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया।

इस बात खुलासा रवीना ने 'iDiva' की बातचीत में खुद किया और सिमी के इंटरव्यू को याद करते हुए बताया कि कैसे सिमी ने उन्हें रोने के लिए कहा था। अपने डिसीजन को लेकर रवीना ने बताया कि सिमी चाहती थी कि मैं दुनिया के सामने अपना सॉफ्ट कॉर्नर रखूं, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया क्योंकि मैं दुनिया के सामने क्यों रोऊं और क्यों अपनी कमजोरी को दिखाऊं। मैं इसका सार्वजनिक तमाशा नहीं करना चाहूंगी क्योंकि इस मायने में मैं काफी स्ट्रॉन्ग हूं कि सबके सामने खुद को मजबूत बनाए रखूं। रवीना ने आगे ये भी कहा कि उसका परिवार उसका सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम था। वह कहती हैं कि जब भी मैं टूटी हूं, मेरे परिवार ने मुझे संभाला। मेरे माता-पिता हर मुश्किल में मेरे साथ खड़े रहे हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रवीना ने निर्माता अनिल थडानी से शादी की है। इस कपल से एक बेटी, राशा और बेटा, रणबीरवर्धन है। हालाँकि, रवीना ने 1990 के दशक की शुरुआत में दो लड़कियों पूजा और छाया को भी गोद लिया था। **(एजेंसी)**

तड़प के निर्माताओं ने फिल्म के दो नए टीजर किए लॉन्च

सुनील शेट्टी के बेटे और न्यूकमर एक्टर अहान शेट्टी और तारा सुतारिया अभिनीत तड़प साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है। फैंस सिल्वर स्क्रीन पर अहान और तारा की शानदार केमिस्ट्री देखना का इंतजार कर रहे है। निमार्ताओं ने अब फिल्म के बारे में उत्साह बढ़ाने के लिए इसके दो टीजर जारी किए हैं। पहले टीजर में अहान के किरदार ईशाना के चरित्र का परिचय दिया गया है। टीजर में अहान शर्टलैस और स्मोक करते नजर आ रहे है, वहीं उन्होंने हाछ में शर्ट पकड़ रखी है। दूसरे टीजर में तारा के किरदार रमीसा के चरित्र का परिचय दिया गया है। टीजर में तारा लॉन्ग स्काई ब्लू फ्राक पहने काफी सुंदर लग रही है। रमीसा को देखकर लग रहा है कि उनका कैरेक्टर सॉफ्ट और दमदार होने वाला है। फिल्म के टीजर हमें ईशाना और रमीसा की दुनिया की एक झलक दिखाते हैं और उनके पात्रों को अच्छी तरह से स्थापित करते हैं। तड़प तेलुगु ब्लॉकबस्टर आरएक्स 100 की आधिकारिक हिंदी रीमेक है और सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली बड़ी कैनवास रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मिलन लुथरिया ने किया है, जो टैक्सी नंबर 9-2-11 और वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फॉक्स स्टार स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और सह-निर्मित, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन तड़प 3 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। **(एजेंसी)**